नई दिल्ली । मंगलवार, 26 मई, 2026
ज्येष्ठ शुक्ल पक्ष एकादशी, सिद्धार्थि संवत्सर विक्रम संवत 2083
वर्ष :12, अंक :140 / मूल्य 3.00 रुपए । पृष्ठ 12

दैनिक
नई दिल्ली संस्करण

विश्व केसरी

सिर्फ पत्रकारिता...

vishwakesari.com
@vishwakesariTV
@vishwakesari
vishwa_kesari_official

आर. एन. आई. संख्या डीईएलएच आईएन/2015/61415

@ खेल आईएयू 24 एच एशिया और ओशिनिया चैंपियनशिप में...
@ विचार दिल्ली के दरबार और लोकतंत्र का भ्रम क्लब संस्कृति...
@ व्यापार देश में उर्वरकों की कोई कमी नहीं, आपूर्ति भी स्थिर...

66 हस्तियां पद्म पुरस्कारों से सम्मानित

धर्मेंद्र सिंह देओल (मरणोपरांत) और डॉ. एन. राजम को पद्म विभूषण सम्मान

एजेंसी ■ नई दिल्ली

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने सोमवार को राष्ट्रपति भवन के गणतंत्र मंडप में 2026 के पहले पद्म अवॉर्ड्स दिए। दरअसल, सरकार ने गणतंत्र दिवस से एक दिन पहले यानी 25 जनवरी को 131 पद्म पुरस्कार विजेताओं के नामों की घोषणा की थी। इस क्रम में पहले फेज में देश की 66 हस्तियों को सम्मानित किया गया। जबकि शेष विजेताओं को दूसरे चरण में अवॉर्ड दिए जाएंगे।

राष्ट्रपति मुर्मु ने सोमवार के पहले फेज में 2 पद्म विभूषण, 6 पद्म भूषण और 58 पद्म श्री पुरस्कार प्रदान किए। इस दौरान धर्मेंद्र सिंह देओल (मरणोपरांत) और डॉ. एन. राजम को पद्म विभूषण से सम्मानित किया गया।

इसके साथ ही पद्म भूषण अवॉर्ड पाने वाले में शतावधानी डॉ. आर. गणेश, भगत सिंह कोश्यारी, उदय सुरेश कुमार कोटक, प्रो. विजय कुमार मल्होत्रा (मरणोपरांत), डॉ. कल्लिपट्टी रामासामी पलानीस्वामी और पीयूष पांडेय (मरणोपरांत) शामिल हैं।

वहीं, विश्वबंधु (मरणोपरांत), भारत सिंह भारती, तगा राम भील, हरमनप्रीत कौर भुल्लर, रतीलाल मोहनलाल बोरिसागर, कुमार बोस, जनार्दन बापूराव बोथे, स्वामी ब्रह्मदेव, प्रोसेनजीत चटर्जी, देवकी अम्मा जी, डॉ. रामचंद्र गोडबोले, सुनीता गोडबोले, तेची गुबिन, डॉ. एचवी हंडे, गफरुद्दीन मेवाती जोगी, मीर हाजी कासम, रघुवीर खेडकर, आर. कृष्णन किटना (मरणोपरांत), प्रो. डॉ. लार्स-क्रिश्चियन कोच, प्रो. मामिडाला जगदीश कुमार, प्रवीण कुमार, के. विजय कुमार, श्रीरंग देवबा लाड, अंकेगौड़ा एम, प्रोफेसर (डॉ.) सरोज मंडल, प्रो. बुद्ध रश्मि मणि, निलेश विनोदचंद्र मांडलेवाला, डॉ. महेंद्र कुमार मिश्रा, तृप्ति मुखर्जी, हरिमाधव मुखोपाध्याय (मरणोपरांत), डॉ. ए. ई. मुथुनायगम, सत्यनारायण नंदलाल नुवाल, के. पजानिवेल, धार्मिकलाल चुनिलाल पंड्या, कैलाश चंद्र पंत, गरिमेला बालकृष्ण प्रसाद (मरणोपरांत), प्रो. (डॉ.) राजेंद्र प्रसाद, डॉ. गुडुरु वेंकट राव, दीपिका रेड्डी, डॉ. पलकोंडा विजय आनंद रेड्डी, हरिचरण शइकीया, प्रो. वेंपटी कुटुम्ब शास्त्री, प्रो. शफी शौक, बलदेव सिंह, युमनाम जात्रा सिंह (मरणोपरांत), डॉ. अशोक कुमार सिंह, शिवशंकरी, डॉ. आर. श्रीधर, प्रो. श्याम सुंदर, डॉ. एस. जी. सुशीलम्मा, एन. स्वामिनादन, डॉ. केवल कृष्ण ठकराल, डॉ. गोपाल जी त्रिवेदी (मरणोपरांत), अरविंद वैद्य, प्रो. जुज़र वासी, डॉ. नारायण व्यास, हैली वार और प्रो. गंभीर सिंह योन्जन के नाम भी सूची में शामिल हैं।

बीजापुर में 10 करोड़ का तेंदूपत्ता जलकर राख

संवाददाता ■ बीजापुर

छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले में सोमवार दोपहर निजी तेंदूपत्ता गोदाम में भीषण आग लग गई। कुछ ही मिनटों में आग ने पूरे गोदाम को अपनी चपेट में ले लिया। वहां रखे लगभग 18 हजार बोरे जलकर खाक हो गए। शुरुआती अनुमान के मुताबिक 10 करोड़ से ज्यादा का नुकसान हुआ है। आग लगने की सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड तुरंत मौके पर पहुंच गई और आग बुझाने का काम शुरू कर दिया। आग इतनी भीषण थी कि हालात को देखते हुए वन विभाग, पुलिस और नगर पालिका की टीम के अलावा CRPF के जवान भी मौके पर पहुंचकर राहत और बचाव कार्य में जुट गई। वन विभाग ने तेंदूपत्ता स्टोरेज के लिए गोदाम को किराए पर लिया था। जहां 10 दिनों में तेंदूपत्ता के 18 हजार बोरे स्टोर किए गए थे। फिलहाल, आग पर काबू पाने की कोशिश जारी है। यह घटना कोतवाली थाना क्षेत्र के ईटपाल इलाके की है।

10 दिन में चौथी बार पेट्रोल-डीजल के दाम बढ़े

पेट्रोल की कीमत में 2.61 और डीजल में 2.71 रुपए प्रति लीटर की बढ़ोतरी

एजेंसी ■ नई दिल्ली

देश में पेट्रोल-डीजल की कीमतों में सोमवार को एक बार फिर बढ़ोतरी दर्ज की गई। पेट्रोल की कीमत में 2.61 रुपए प्रति लीटर और डीजल में 2.71 रुपए प्रति लीटर की बढ़ोतरी हुई है। पिछले 10 दिनों में यह चौथी बार है जब ईंधन के दाम बढ़ाए गए हैं, जिससे आम जनता और खासकर मध्यम वर्ग की परेशानियां बढ़ गई हैं।

कीमतों में बढ़ोतरी के बाद दिल्ली के पेट्रोल पंपों पर तेल भरवाने पहुंचे लोगों ने नाराजगी जताई। लोगों का कहना है कि लगातार बढ़ती कीमतों का सीधा असर उनके बजट और रोजमर्रा की जिंदगी पर पड़ रहा है।

मीडिया के मुताबिक एक व्यक्ति ने कहा कि कीमतें बढ़ने से हम पर असर पड़ रहा है। मुझे लगता है कि कीमतें अब बढ़ती ही रहेंगी। इस पर नियंत्रण होना जरूरी है, वरना दिक्कतें खड़ी हो जाएंगी। कुछ हमें कंट्रोल करना होगा और कुछ सरकार को। एक अन्य व्यक्ति ने कहा कि काम कम है और पेट्रोल महंगा होता जा रहा है। आमतौर पर हम रोज 300 रुपए का तेल भरवाते हैं, लेकिन काम बहुत कम हो गया है क्योंकि ग्राहक उतने पैसे नहीं देते और कंपनियां भी रेट कम कर देती हैं। यह

और महंगा होता जा रहा है और मध्यम वर्ग के लोग इससे बहुत परेशान हैं। पेट्रोल भराने आए एक और शख्स ने कहा कि पेट्रोल-डीजल की कीमतें लगातार बढ़ रही हैं, जिसका आम आदमी पर सीधा असर पड़ रहा है। टैक्सी ड्राइवरों ने तो हाल ही में धरना भी दिया था। किराया (रेट) तो बढ़ रहा है, लेकिन कमाई नहीं बढ़ रही। इस महंगाई को नियंत्रित करने के लिए सरकार और संबंधित विभागों को तुरंत कुछ ठोस कदम उठाने पड़ेंगे। अभी तो हालात ऐसे हैं कि आगे और रेट बढ़ने वाले हैं। बता दें कि पिछले 10 दिनों में यह चौथी बार है जब पेट्रोल-डीजल की कीमतों में बढ़ोतरी दर्ज की गई। कीमतों में बढ़ोतरी से आम लोगों, यात्रियों और परिवहन क्षेत्र पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ बढ़ गया है। कीमतों में बढ़ोतरी से पहले दिल्ली में पेट्रोल 99.51 रुपए प्रति लीटर और डीजल 92.49 रुपए प्रति लीटर बिक रहा था। लेकिन अब, राजधानी में पेट्रोल 102.12 रुपए प्रति लीटर और डीजल 95.20 रुपए प्रति लीटर पहुंच गया है। इससे पहले, 23 मई को कीमतों में बढ़ोतरी करते हुए सरकारी तेल कंपनियों ने पेट्रोल की कीमतें 87 पैसे प्रति लीटर और डीजल की कीमतें 91 पैसे प्रति लीटर बढ़ाई थी।

वैश्विक कच्चे तेल की कीमतों में हो रही बढ़ोतरी के बीच पिछले 10 दिन में ईंधन की दरों में यह चौथी बढ़ोतरी है। 15 मई को ही सरकारी तेल कंपनियों ने पश्चिम एशिया में चल रहे संघर्ष के कारण बढ़ी हुई ऊर्जा कीमतों का बोझ धीरे-धीरे ग्राहकों पर डालना शुरू किया था।

भारत की अर्थव्यवस्था मजबूत, डर नहीं विश्वास जरूरी : वित्त मंत्री सीतारमण

एजेंसी ■ नई दिल्ली

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने सोमवार को कहा कि वैश्विक अस्थिरता के बीच भारत की अर्थव्यवस्था लगातार मजबूत बनी हुई है और कुछ लोग भारत में डर फैलाने की कोशिश कर रहे हैं और इससे जनता का विश्वास कम होता है। उन्हें ऐसा करने के बजाय लोगों में विश्वास पैदा करना चाहिए।

सिडबी के फाउंडेशन डे कार्यक्रम में लोगों को संबोधित करते हुए वित्त मंत्री सीतारमण ने भारत की आर्थिक प्रगति के बारे में 'निराशावादी और संशयवादी दृष्टिकोण' फैलाने वालों पर निशाना साधते हुए कहा कि यह आम नागरिकों की उपलब्धियों और योगदानों को अनुचित रूप से नजरअंदाज करता है।

उन्होंने आगे कहा कि सभी हाई-फ्रीक्वेंसी इंटीकेटर्स दिखाते हैं कि घरेलू मांग मजबूत बनी हुई है। सितंबर 2025 में दरों में कटौती के बावजूद जीएसटी संग्रह मजबूत बना हुई है, जबकि खुदरा, कृषि और एमएसएमई क्षेत्रों में वाहन बिक्री और ऋण वृद्धि स्वस्थ बनी हुई है।

सीतारमण ने सीआईआई के आंकड़ों का हवाला देते हुए कहा कि सितंबर 2025 में निजी क्षेत्र के व्यय में सालाना आधार पर 67 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जबकि मार्च तिमाही में कंपनियों का लाभ मार्जिन अपने उच्चतम स्तर पर पहुंच गया।

300 पर्यटकों की जान 6 घटों तक हवा में फंसी रही

कश्मीर के गुलमर्ग रोपवे में खराबी से जुड़ा मामला

एजेंसी ■ श्रीनगर

जम्मू-कश्मीर स्थित दुनिया के तीसरे सबसे ऊंचे रोपवे, गुलमर्ग गोंडोला में तकनीकी खराबी के बाद बीच हवा में फंसे 300 से ज्यादा पर्यटकों को सुरक्षित निकाल लिया गया। रोपवे के 65 केबिनों में सवार पर्यटक सोमवार दोपहर करीब 2.30 बजे से बीच हवा में फंसे थे।

कुछ केबिन जमीन से करीब 500 फीट की ऊंचाई पर थे। एक केबिन में अधिकतम 6 लोगों के बैठने की क्षमता है। भारी बारिश के बीच SDRF, NDRF, सेना और पुलिस ने जॉइंट ऑपरेशन चलाया। शाम 8.20 बजे रेस्क्यू खत्म हुआ। पूरा ऑपरेशन करीब 6 घंटे चला।

भारतीय सेना ने X पर बताया कि शुरुआती पांच घंटों में 179 पर्यटकों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया था। ज्यादातर लोगों को रस्सियों और सीढ़ियों के सहारे नीचे उतारा गया। इनमें कई महिलाएं, बच्चे और बुजुर्ग भी थे।

गुलमर्ग गोंडोला दो फेज में बंटा है। पहला फेज गुलमर्ग को कोंगडोरी से जोड़ता है। दूसरा फेज कोंगडोरी से अफरवात स्टेशन तक जाता है। दोनों रूट में कुल 108 केबिन कार हैं। श्रीनगर से गुलमर्ग गोंडोला की दूरी 51 किमी है। सूत्रों के मुताबिक, गुलमर्ग गोंडोला में रविवार को भी तकनीकी गड़बड़ी आई थी, हालांकि मरम्मत के बाद सोमवार को सेवा दोबारा शुरू कर दी गई थी। 24 घंटे के भीतर दूसरी बार फिर से तकनीकी खराबी आ गई, जिससे सैकड़ों पर्यटक फंस गए।

इससे पहले गुलमर्ग गोंडोला में 25 जून 2017 को हादसा हुआ था। तेज आंधी के दौरान एक पेड़ गोंडोला की केबल लाइन पर गिर गया। इससे एक केबिन जोर से झूलने लगा और उसके शीशे टूट गए। केबिन में सवार लोग करीब 100 फीट नीचे गिर गए, जिससे सात लोगों की मौत हो गई थी।

घटना को लेकर जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने कहा- सरकार स्थिति पर लगातार नजर बनाए हुए है। सभी केबिन और उसमें फंसे पर्यटक सुरक्षित हैं। लोगों को बाहर निकालने के लिए प्रशिक्षित टीमें ऑपरेशन चला रही हैं। घबराने की कोई जरूरत नहीं है।

नीट परीक्षा : धर्मेंद्र प्रधान ने सभी राज्यों के सीएम को लिखी चिट्ठी

एजेंसी ■ नई दिल्ली

केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने नीट-यूजी पेपर को लेकर सभी राज्यों के मुख्यमंत्रियों को चिट्ठी लिखी है। धर्मेंद्र प्रधान ने सभी मुख्यमंत्रियों से परीक्षाओं को सुरक्षित तरीके से कराने की अपील की है। धर्मेंद्र प्रधान ने मौजूदा गर्मी को देखते हुए सभी मुख्यमंत्रियों, उपराज्यपालों और प्रशासकों से यह सुनिश्चित करने का भी आग्रह किया है कि परीक्षार्थियों की सुविधा और भलाई के लिए परीक्षा केंद्रों पर सभी आवश्यक बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध हों।

नीट परीक्षा के लिए मांगा सहयोग

शिक्षा मंत्रालय की तरफ से सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर बताया गया है कि केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने पूरे देश के सभी मुख्यमंत्रियों, उपराज्यपालों और प्रशासकों को पत्र लिखकर, 21 जून, 2026 को होने वाली हृश्वश्वज्ञ (त) पुनर्परीक्षा के सुचारू, निष्पक्ष और सफल आयोजन के लिए उनका सहयोग मांगा है। धर्मेंद्र प्रधान ने चिट्ठी में लिखा, 'मौजूदा लू की स्थिति को देखते हुए, मैं आपसे अनुरोध करता हूं कि कृपया अपने राज्य/केंद्र शासित प्रदेश में परीक्षा आयोजित करने वाले जिला अधिकारियों और सभी स्कूलों, कॉलेजों, विश्वविद्यालयों तथा अन्य संस्थानों को उचित निर्देश जारी करें, ताकि उम्मीदवारों की सुविधा के लिए आवश्यक बुनियादी सुविधाएं सुनिश्चित की जा सकें।' धर्मेंद्र प्रधान ने परीक्षा के दौरान व्यवस्थाओं के बारे में बताते हुए लिखा, 'इन बुनियादी सुविधाओं में सुरक्षित पेयजल, बैठने की पर्याप्त व्यवस्था, चालू पंखे/कूलर, स्वच्छ शौचालय, छायादार प्रतीक्षा क्षेत्र, बिजली की निर्बाध आपूर्ति और जहां भी आवश्यक हो, पोर्टेबल शौचालय शामिल हो सकते हैं।'

अच्छा समझौता होगा या फिर कुछ नहीं : ट्रंप

ओबामा जैसी गलती नहीं कर सकता

एजेंसी ■ वॉशिंगटन

दो बार रिपब्लिकन राष्ट्रपति रह चुके ट्रंप ने पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा पर 2015 में ईरान के साथ हुए समझौते (जिसे औपचारिक रूप से संयुक्त व्यापक कार्य योजना (जेसीपीओ) के नाम से जाना जाता है) को लेकर भी हमला किया और इसे तेहरान के लिए परमाणु हथियार बनाने का सीधा और खुला रास्ता बताया।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सोमवार को कहा कि वे ईरान के साथ हुए समझौते को लेकर सकारात्मक हैं और उम्मीद जताते हैं कि यह शानदार और सार्थक होगा। हालांकि, उन्होंने संकेत दिया कि अगर ईरान अमेरिका की शर्तों को नहीं मानता है तो उसके साथ कोई समझौता नहीं होगा। ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर एक संदेश में कहा कि ईरान के साथ समझौता या तो शानदार और सार्थक होगा, या फिर कोई समझौता नहीं होगा। यह ओबामा प्रशासन की नाकामियों के बावजूद हुए जेसीपीओ समझौते के बिल्कुल विपरीत होगा। ट्रंप को समझ आ गया कि चीन का मुकाबला अकेले नहीं, भारत के साथ मिलकर किया जा सकता है। उन्होंने डेमोक्रेट्स पर भी हमला किया और उन्हें 'डमोक्रेट्स, आरआईएनओएस और मूर्ख' कहा, साथ ही यह भी कहा कि उन्हें इस बात का कोई अंदाजा नहीं है कि वे ईरान के साथ किस तरह का संभावित समझौता करेंगे। उन्होंने कहा कि 'ड्यूमोक्रेट्स' लगातार खराब नीतियों का समर्थन करते हैं और आगे कहा कि वे विभाजन और नुकसान के अलावा कुछ नहीं करते। उन्होंने कहा कि लगभग सभी ड्यूमोक्रेट्स, जो पूरी तरह से भटक चुके हैं, लगातार खराब नीतियों और उससे भी खराब उम्मीदवारों का समर्थन करते हैं, लेकिन मेरी हर शानदार जीत की लगातार आलोचना करते हैं। अमेरिका-ईरान युद्ध 28 फरवरी को सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई की हत्या के साथ शुरू हुआ था, लेकिन अब दोनों पक्ष संघर्ष को समाप्त करने के लिए बातचीत में लगे हुए हैं। हालांकि, ईरान का परमाणु कार्यक्रम दोनों पक्षों के लिए विवाद का एक मुख्य कारण बना हुआ है।

ईरान का कहना है कि उसका परमाणु कार्यक्रम केवल नागरिक उपयोग के लिए है, जबकि अमेरिका का दावा है कि तेहरान परमाणु हथियार बना रहा है। ईरान का कट्टर दुश्मन माने जाने वाले इज़राइल ने भी तेहरान के परमाणु कार्यक्रम पर अमेरिका का समर्थन किया है और उससे अपने अत्यधिक समृद्ध यूरेनियम को सौंपने की मांग की है। फिर भी, एक्सियोस और फाइनेंशियल टाइम्स ने रिपोर्ट किया है कि अमेरिका और ईरान शांति समझौते पर हस्ताक्षर करने और दो और महीनों के लिए युद्धविराम बढ़ाने की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं।

रिपोर्टों में कहा गया है कि इस समझौते से होर्मुज जलडमरूमध्य खुल सकता है, ईरान पर लगे प्रतिबंधों में ढील दी जा सकती है और अमेरिका में उसकी संपत्तियों को मुक्त किया जा सकता है। अब देखना यह है कि दोनों पक्ष बातचीत में कब सफलता हासिल करेंगे।

असम यूसीसी बिल : एक विवाह अनिवार्य

शादी और तलाक का पंजीकरण जरूरी, लिव-इन रिलेशनशिप के लिए ये प्रावधान

एजेंसी ■ गुवाहाटी

असम सरकार में मंत्री अरूप बोरा ने सोमवार को राज्य विधानसभा में 'यूनिफॉर्म सिविल कोड (यूसीसी, असम, 2026' बिल पेश किया। इस बिल में राज्य के सभी निवासियों के लिए शादी, तलाक, उत्तराधिकार और लिव-इन रिलेशनशिप को नियंत्रित करने वाले एक ही नागरिक कानूनी ढांचे का प्रस्ताव किया गया है, जबकि अनुसूचित जनजातियों को उनके संवैधानिक सुरक्षा उपायों की रक्षा के लिए इससे बाहर रखा गया है।

प्रस्तावित कानून का मकसद धर्म-आधारित कानूनों की जगह एक समान संहिता लाना है, जिसका लक्ष्य सभी समुदायों में लैंगिक न्याय, समानता और कानूनी एकरूपता सुनिश्चित करना है।

इस बिल के तहत एक-विवाह को अनिवार्य बना दिया गया है, जबकि शादी की कानूनी उम्र पुरुषों के लिए 21 साल और महिलाओं के लिए 18 साल तय की गई है। साथ ही यह कानून मौजूदा रीति-रिवाजों और समारोहों के अनुसार शादियां करने की अनुमति देकर सांस्कृतिक और धार्मिक विविधता को भी बनाए रखता है। इनमें वैदिक विवाह, अहोम चकलोंग,

सप्तपदी, निकाह, पवित्र मिलन और आनंद कारज शामिल हैं। यह बिल पूरे राज्य में शादियों और तलाकों का पंजीकरण अनिवार्य बनाता है। जोड़ों को शादी की के 60 दिनों के भीतर सब-रजिस्ट्रार के सामने एक विवाह ज्ञापन जमा करना होगा। तलाक के लिए एक समान आधार, जिनमें क्रूरता, परित्याग (छोड़ देना) और आपसी सहमति शामिल हैं, उसको इस कानून में संहिताबद्ध किया गया है। बिल यह भी प्रावधान करता है कि पांच साल से कम उम्र के बच्चों की कस्टडी (देखभाल का अधिकार) आमतौर पर मां के पास ही रहेगी। ह्यउत्तराधिकार के मामलों में प्रस्तावित कानून बिना वसीयत के होने वाले उत्तराधिकार के लिए एक लैंगिक-समान विरासत ढांचा पेश करता है, जिसमें पति-पत्नी, बच्चे और माता-पिता को वारिसों की एक ही 'श्रेणी-1' (क्लास-1) में रखा गया है। यह हर वयस्क और मानसिक रूप से स्वस्थ व्यक्ति को एक लिखित और गवाहों द्वारा प्रमाणित वसीयत बनाने का कानूनी अधिकार भी देता है। यह कानून लिव-इन संबंधों के लिए भी नियम पेश करता है, जिसके तहत एक महीने के भीतर उनका पंजीकरण अनिवार्य कर दिया गया है। ऐसे संबंधों से पैदा हुए बच्चों को वैध माना जाएगा, जबकि छोड़े गए साथी अदालतों के माध्यम से आर्थिक भरण-पोषण की मांग करने के हकदार होंगे।

गुलमर्ग केबल कार हादसा: अमित शाह ने पर्यटकों को सुरक्षित बचाने के लिए आपदा राहत बलों की सराहना की

नई दिल्ली। भारतीय सेना ने जम्मू-कश्मीर के गुलमर्ग केबल कार हादसे में बड़े स्तर पर रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया और सभी पर्यटकों को सुरक्षित निकाला। इसे लेकर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने पर्यटकों को सुरक्षित बचाने के लिए आपदा राहत बलों की प्रशंसा की।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट कर कहा कि कश्मीर के गुलमर्ग में केबल कारों में हवा के बीच फंसे 300 पर्यटकों को सुरक्षित बचाने के लिए भारत के आपदा राहत बलों की सराहना।

उन्होंने कहा कि एसडीआरएफ, एनडीआरएफ, सेना के जवानों, स्थानीय पुलिस और प्रशासन से बनी आपदा राहत टीमों ने तुरंत कार्रवाई की और छह घंटे लंबे अभियान के जरिए 65 केबल कारों में फंसे सभी यात्रियों को बचा लिया। राष्ट्र इन बलों के शौर्य और कौशल को सलाम करता है।

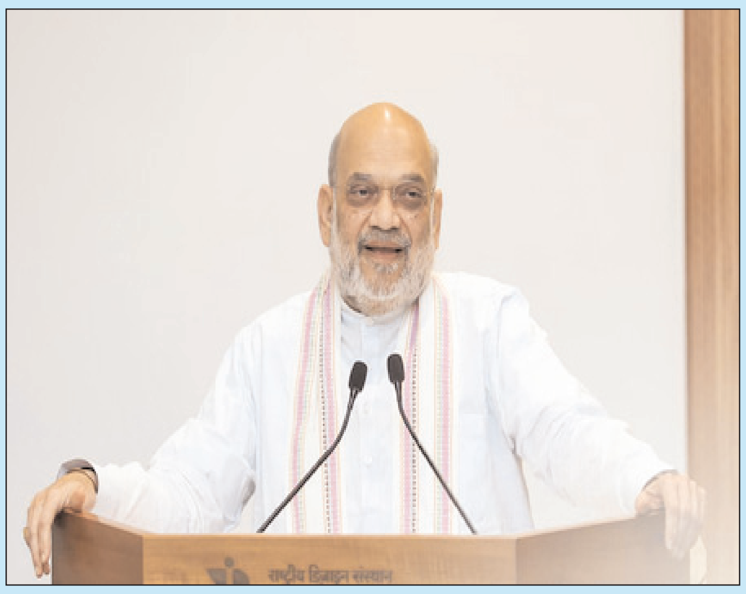

बता दें कि गुलमर्ग गोंडोला की बेस स्टेशन से फेज-1 कोंगडोरी के बीच सोमवार को सेवा तकनीकी खराबी के कारण अचानक रुक गई थी। इससे कई पर्यटक हवा में लटकी केबल कारों में फंस गए। जम्मू-कश्मीर पुलिस और गोंडोला प्रबंधन प्राधिकरण से सहायता मांगे जाने का संदेश मिलते ही भारतीय सेना तुरंत सक्रिय हो गई। बुटापथरी बटालियन क्षेत्र से विशेष बचाव दल रवाना किए गए, जिन्होंने खराब मौसम के बावजूद तेजी से रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया। सेना के साथ-साथ एसडीआरएफ और अन्य नागरिक एजेंसियों ने भी संयुक्त अभियान चलाया।

राहत कार्य को और तेज करने के लिए गुलमर्ग एटीवी एसोसिएशन की अतिरिक्त गाड़ियों को भी लगाया गया। ऐसा इसलिए क्योंकि गोंडोला सेवा को सामान्य होने में समय लगने की संभावना जताई गई थी। तकनीकी खराबी से कुल 65 केबल कार प्रभावित हुईं। राहत टीमों ने सभी पर्यटकों का सुरक्षित रेस्क्यू किया।

तकनीकी विशेषज्ञ अब गोंडोला प्रणाली में आई खराबी की जांच कर रहे हैं। इस खराबी के कारण घने बादलों, ठंडी हवाओं और खराब मौसम के बीच जम्मू-कश्मीर के गुलमर्ग में अचानक से अफरातफरी मच गई। प्रसिद्ध गुलमर्ग गोंडोला सेवा में आई इस तकनीकी खराबी से कई लोग परेशान हो गए।

मिजोरम में असम राइफल्स ने 6.75 करोड़ रुपए की ड्रग्स और सोना जब्त किया, तीन गिरफ्तार

आइजोल । मिजोरम में दो बड़े अभियानों में असम राइफल्स के जवानों ने लगभग 6.75 करोड़ रुपए मूल्य की ड्रग्स और सोना जब्त किया और तीन तस्करों को गिरफ्तार किया।

रक्षा प्रवक्ता ने बताया कि मिजोरम के चम्फाई जिले के जोखावथर क्षेत्र में नशीले पदार्थों की तस्करी से संबंधित विशिष्ट खुफिया सूचनाओं के आधार पर, असम राइफल्स के जवानों ने राज्य पुलिस के समन्वय से एक संयुक्त अभियान चलाया।

सुनियोजित अभियान के दौरान, संयुक्त दल ने प्रतिबंधित सामान ले जा रही संदिग्ध टोयोटा ग्लान्जा को रोका।

वाहन की गहन तलाशी लेने पर लगभग 6.60 करोड़ रुपए मूल्य की 2.201 किलोग्राम अत्यधिक नशीले मेथम्फेटामाइन टैबलेट बरामद की गईं। नशीले पदार्थों की अवैध ढुलाई में शामिल दो तस्करों को मौके पर ही गिरफ्तार कर लिया गया।

बरामद की गई प्रतिबंधित सामग्री, गिरफ्तार किए गए व्यक्तियों और जब्त किए गए वाहन को आगे की जांच और आवश्यक कानूनी कार्रवाई के लिए जोखावथर पुलिस स्टेशन को सौंप दिया गया।

एक अन्य अभियान में, आइजोल जिले के चॉनपुई क्षेत्र में सोने की अवैध ढुलाई के संबंध में मिली विशिष्ट खुफिया जानकारी के आधार पर असम राइफल्स के जवानों ने आइजोल सीमा शुल्क निवारक बल के समन्वय से एक त्वरित, सुनियोजित और सावधानीपूर्वक समन्वित अभियान चलाया, जिसके परिणामस्वरूप सोना बरामद हुआ और एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया।

इस अभियान के दौरान, आइजोल जिले के जोटलांग क्षेत्र के निवासी एक व्यक्ति को दोपहिया वाहन से संदिग्ध प्रतिबंधित वस्तु की डिलीवरी करने का प्रयास करते समय पकड़ा गया।

गहन जांच करने पर, उसके पास से लगभग 15 लाख रुपए मूल्य का 104 ग्राम 22 कैरेट सोना बरामद हुआ।

भोपाल में ट्रेन चेन पुलिंग करने वाले 1746 पकड़े गए

भोपाल । पश्चिम मध्य रेलवे के भोपाल रेल मंडल में रेल यात्रा में बाधा पैदा करने वालों के खिलाफ कारवाई की गई है। बीते चार माह में ट्रेन की चेन पुलिंग करने वाले 1746 पकड़े गए। रेलवे की ओर से दी गई जानकारी में बताया गया है कि भोपाल रेल मंडल की सुरक्षा और संचालन में व्यवधान को रोकने के लिए रेलवे सुरक्षा बल ने ट्रेनों में अलार्म चेन पुलिंग की घटनाओं को रोकने के लिए कई कठोर कदम उठाए हैं।

अलार्म चेन का गलत उपयोग न केवल ट्रेन संचालन में देरी का कारण बनता है, बल्कि यात्रियों की सुरक्षा के लिए भी खतरा उत्पन्न करता है। भोपाल मंडल द्वारा इस वर्ष 2026 के चार माह जनवरी से अप्रैल तक में रेलवे अधिनियम की धारा 141 के तहत कुल 1746 मामले दर्ज कर न्?यायालय के माध्?यम से 3.5 लाख रुपए का जुर्माना वसूल किया गया।

जनवरी में 495 मामले, फरवरी में 391, मार्च में 420 तथा अप्रैल में 440 मामले पकड़े गए, जिनसे जुर्माना क्रमशः 11,0720 रुपए, 85,000 रुपए, 87,345 रुपए एवं 66,650 रुपए वसूला गया। भोपाल मंडल के मुताबिक, सभी रेल उपयोगकर्ताओं के लिए बेहतर यात्री सुविधाओं को उपलब्ध कराने के निरंतर प्रयास जारी हैं। इन्हीं प्रयासों के क्रम में मंडल के वाणिज्य विभाग एवं रेलवे सुरक्षा बल द्वारा बिना उचित कारण के अलार्म चेन खीचने वालों के विरुद्ध निरंतर सघन चेकिंग अभियान चलाए जा रहे हैं।

रेल प्रशासन ने यात्रियों से अनुरोध किया है कि बिना उचित एवं पर्याप्त कारण के चेन पुलिंग न करें, ऐसा करना दंडनीय अपराध है। उक्त कृत्य से रेल संचालन विपरीत प्रभाव पड़ता है। ट्रेन की चेन पुलिंग से समयपालनता प्रभावित होती है, अन्य यात्रियों को परेशानी होती है, इसके साथ रेलवे को आर्थिक नुकसान होता है।

सीनियर डीसीएम सौरभ कटारिया ने बताया कि रेलवे सुरक्षा बल यह सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है कि यात्रियों को सुरक्षित यात्रा अनुभव मिले और अलार्म चेन पुलिंग जैसी घटनाओं को कड़े कदमों से रोका जा सके। उन्होंने यात्रियों से कहा कि वे इन पहलों का समर्थन करें और सुरक्षा नियमों का पालन करें।

प्रधानमंत्री मोदी के 12 वर्षों के नेतृत्व ने भारत को आत्मनिर्भर राष्ट्र में बदल दिया: सीएम फडणवीस

मुंबई । महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने सोमवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व और दूरदृष्टि की सराहना करते हुए कहा कि पिछले 12 वर्ष वास्तव में ऐतिहासिक और परिवर्तनकारी रहे हैं। उन्होंने कहा कि देश ने निर्भरता की छवि को पीछे छोड़ते हुए वैश्विक प्रतिष्ठा और आत्मसम्मान में वृद्धि के साथ 'आत्मनिर्भर भारत' के रूप में उभरा है।

उन्होंने कहा कि इन 12 वर्षों में संरचनात्मक, आर्थिक और सामाजिक सुधार हुए, जिन्होंने दशकों से चली आ रही नीतिगत गतिरोध को तोड़ा। उन्होंने अर्थव्यवस्था के औपचारिककरण, डिजिटल अवसंरचना के विस्तार, राष्ट्रीय सुरक्षा को मजबूत करने वाले निर्णायक भू-राजनीतिक और विधायी उपायों, और 2047 तक विकसित भारत के दृष्टिकोण को प्राप्त करने के उद्देश्य से एक मजबूत और आत्मनिर्भर नींव के निर्माण पर केंद्रित प्रमुख राष्ट्रीय विकासों पर प्रकाश डाला।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 12 सफल कार्यकाल पूरे होने की पूर्व संध्या पर 'राष्ट्र निर्माणची तपपूर्ति' नामक एक विशेष स्मृति पुस्तक का विमोचन करने के बाद वे बोल रहे थे।

26 मई, 2014 के बाद से देश के आर्थिक और सामाजिक परिदृश्य में आए महत्वपूर्ण बदलाव पर विचार करते हुए मुख्यमंत्री फडणवीस ने बताया कि प्रधानमंत्री की गरीब-समर्थक और नागरिक-केंद्रित नीतियों ने 25 करोड़ से अधिक लोगों को अत्यधिक गरीबी से बाहर निकाला है, जिसे उन्होंने वैश्विक स्तर पर अद्वितीय उपलब्धि बताया।

उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारत की जीडीपी 2013-14 में 103 लाख करोड़ रुपए से बढ़कर लगभग 357 लाख करोड़ रुपए हो गई है, जबकि इसी अवधि में महाराष्ट्र की जीडीपी 13 लाख करोड़ रुपए से बढ़कर 54 लाख करोड़ रुपए हो गई।

मुख्यमंत्री ने वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) और एकीकृत भुगतान इंटरफेस (यूपीआई) जैसे संरचनात्मक और आर्थिक सुधारों पर भी विस्तार से चर्चा की। उन्होंने कहा कि जीएसटी ने भारत को एक एकल बाजार में बदल दिया है, जिससे प्रत्यक्ष विदेशी निवेश में अभूतपूर्व वृद्धि हुई है और अकेले महाराष्ट्र देश के कुल प्रत्यक्ष विदेशी निवेश का 40 प्रतिशत आकर्षित करता है।

उन्होंने जन धन-आधार-मोबाइल (जेएएम) प्रणाली और यूपीआई को जमीनी स्तर पर भ्रष्टाचार को समाप्त करने का श्रेय दिया, क्योंकि इनके माध्यम से लाभार्थियों के खातों में निर्बाध और प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण संभव हो पाया है।

पेट्रोल की कीमतों में बढ़ोतरी पर जनता के गुस्से के लिए भाजपा जिम्मेदार: कर्नाटक कांग्रेस

बेंगलुरु । कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने सोमवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार पर बार-बार पेट्रोल की कीमतों में बढ़ोतरी करके देश और आम जनता को लूटने का आरोप लगाया।

बेंगलुरु में एआईसीसी महासचिव और कर्नाटक प्रभारी रणदीप सिंह सुरजेवाला, उपमुख्यमंत्री और राज्य कांग्रेस अध्यक्ष डीके शिवकुमार के साथ एक संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए उन्होंने यह बात कही।

सिद्धारमैया ने आरोप लगाया कि नरेंद्र मोदी के प्रधानमंत्री बनने के बाद से केंद्र सरकार ने पेट्रोल और डीजल की कीमतों में बढ़ोतरी को एक आदत बना लिया है। उन्होंने कहा कि यह हालिया बढ़ोतरी लगातार चौथी बार है।

सिद्धारमैया ने कहा कि केंद्र सरकार ने पेट्रोल, डीजल और गैस की कीमतों में बढ़ोतरी की है। देश के इतिहास में इतनी तेज बढ़ोतरी कभी नहीं हुई। आम जनता और मध्यम वर्ग का जीवन कठिन हो गया है। महंगाई से लोग परेशान हैं।

उन्होंने आगे आरोप लगाया कि भाजपा ने 'अच्छे दिन' के वादे और सत्ता में आने के बाद 'गुजरात मॉडल' की शासन प्रणाली लाने के दावों से लोगों को गुमराह किया है।

उन्होंने आरोप लगाया कि पिछले 11 दिनों में पेट्रोल, डीजल और गैस की कीमतों में चार बार बढ़ोतरी हुई है। बेंगलुरु में पेट्रोल की कीमत 110.93 रुपए प्रति लीटर और डीजल की कीमत 98.89 रुपए प्रति लीटर तक पहुंच गई है। पेट्रोल और डीजल की कीमतों में 7.52 रुपए की वृद्धि हुई है। इससे साबित होता है कि प्रधानमंत्री मोदी देश को लूट रहे हैं। पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के कार्यकाल के दौरान की कीमतों से मौजूदा ईंधन कीमतों की तुलना करते हुए सिद्धारमैया ने कहा कि मई 2014 में पेट्रोल की कीमत 71.41 रुपए प्रति लीटर और डीजल की कीमत 56.71 रुपए प्रति लीटर थी। उन्होंने आगे कहा कि एलपीजी सिलेंडर, जिसकी कीमत तब 412 रुपए थी, अब 915 रुपए हो गई है, जो पहले की कीमत से दोगुने से भी अधिक है।

एक करोड़ उद्यमियों को बढ़ावा देगा आंध्र प्रदेश: सीएम चंद्रबाबू नायडू

विजयवाड़ा। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू ने सोमवार को कहा कि सरकार 'एक परिवार-एक उद्यमी पहल के तहत एक करोड़ उद्यमियों को बढ़ावा देगी।

उन्होंने कहा कि राज्य सरकार लघु एवं मध्यम उद्यम (एमएसएमई) क्षेत्र को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रही है और अब तक 558 करोड़ रुपए के प्रोत्साहन राशि जारी कर चुकी है। मुख्यमंत्री ने 38 एमएसएमई पार्कों की आधारशिला रखी। उन्होंने 'एक परिवार-एक उद्यमी' एमएसएमई ग्रोथ समिट 2026 को संबोधित करते हुए कहा कि एमएसएमई क्षेत्र देश के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है और युवाओं को उद्यमी बनने के लिए नवोन्मेषी सोच विकसित करनी चाहिए।

उन्होंने कहा कि राज्य सरकार युवा और महिला सशक्तिकरण को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रही है और एमएसएमई क्षेत्र युवाओं के नवोन्मेषी विचारों और सपनों को साकार करने का मार्ग प्रशस्त करता है।

चंद्रबाबू नायडू ने कहा कि लघु एवं मध्यम उद्यम (एमएसएमई) अकेले ही एक छोटे से विचार को एक बड़े उद्योग में बदलने की क्षमता रखते हैं और उन्होंने यह भी कहा कि कृषि के बाद यह क्षेत्र देश में रोजगार सृजन का दूसरा सबसे बड़ा क्षेत्र है।

उन्होंने शिखर सम्मेलन में बताया कि सरकार ने लघु एवं मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) के लिए संसाधनों को अधिक सुलभ बनाया है और औद्योगिक विकास को गति देने के लिए समर्पित एमएसएमई और निजी औद्योगिक पार्क नीतियां शुरू की हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि इस शिखर सम्मेलन ने स्टार्टअप्स, औद्योगिक इकाइयों, विशेषज्ञों और बैंकों को एक मंच पर लाकर एक मजबूत औद्योगिक पारिस्थितिकी तंत्र का निर्माण किया है। उन्होंने उद्यमिता के महत्व पर जोर देते हुए 'एक परिवार, एक उद्यमी' पहल के तहत बड़े पैमाने पर औद्योगिक इकाइयों की स्थापना का आह्वान किया।

'विकास भी, विरासत भी' के मंत्र के साथ देश अपनी ऐतिहासिक धरोहरों को दे रहा नया सम्मान: सिंधिया

नई दिल्ली/भोपाल । केंद्रीय संचार एवं पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने डाक विभाग द्वारा राजा भोज और रानी कमलापति के सम्मान में विशेष डाक टिकट जारी किए जाने पर इसे मध्य प्रदेश विशेषकर भोपाल की गौरवशाली विरासत, संस्कृति और ऐतिहासिक अस्मिता का सम्मान बताया।

केंद्रीय मंत्री सिंधिया ने कहा कि राजा भोज और रानी कमलापति केवल इतिहास के पात्र नहीं हैं, बल्कि हमारी सांस्कृतिक चेतना, गौरवशाली परंपरा और सभ्यता के जीवंत प्रतीक हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में 'विकास भी, विरासत भी' के मंत्र के साथ देश अपनी सांस्कृतिक धरोहरों और ऐतिहासिक विरासतों को नए सम्मान और पहचान से जोड़ रहा है।

उन्होंने कहा कि उनके नाम पर डाक टिकट जारी किया जाना केवल औपचारिक सम्मान नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों को अपनी ऐतिहासिक जड़ों, संस्कृति और विरासत से जोड़ने का सशक्त प्रयास है। उन्होंने कहा कि डाक टिकट देश की सांस्कृतिक स्मृतियों को संजोने का माध्यम होते हैं और यह पहल भारत की समृद्ध परंपराओं को जन-जन तक पहुंचाने का कार्य करेगी।

केंद्रीय मंत्री ने इस अवसर पर डाक विभाग को बधाई देते हुए कहा कि भारतीय इतिहास और सांस्कृतिक धरोहरों को सम्मानित करने की यह श्रृंखला देश के सांस्कृतिक आत्मविश्वास को और मजबूत करेगी।

बता दें कि पिछले दिनों शिवपुरी में केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया और भाजपा की मध्य प्रदेश इकाई के अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल की मुलाकात हुई थी। केंद्रीय मंत्री सिंधिया अपने संसदीय क्षेत्र गुना के प्रवास पर थे और शनिवार को उनकी भाजपा प्रदेश अध्यक्ष खंडेलवाल से शिष्टाचार मुलाकात हुई।

भारत में अभी तक इबोला का कोई मामला सामने नहीं आया: जेपी नड्डा

नई दिल्ली। इबोला के प्रकोप के बीच स्वास्थ्य मंत्रालय ने राष्ट्रीय रोग नियंत्रण केंद्र (एनसीडीसी), डीजीएचएस, आईसीएमआर, नागरिक उड्डयन, आव्रजन अधिकारियों और अन्य संबंधित मंत्रालयों और विभागों के साथ मिलकर देश भर में निगरानी और जन स्वास्थ्य तैयारियों को मजबूत किया है। स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा ने सोमवार को यह जानकारी दी।

नड्डा ने अफ्रीका के कुछ हिस्सों में हाल ही में हुए इबोला के प्रकोप के मद्देनजर तैयारियों और निगरानी उपायों की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि भारत में अभी तक इबोला का कोई मामला सामने नहीं आया है।

उन्होंने कहा कि हालांकि, विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) द्वारा इबोला को अंतर्राष्ट्रीय चिंता का सार्वजनिक स्वास्थ्य आपातकाल (पीएचईआईसी) और अफ्रीका सीडीसी द्वारा महाद्वीपीय सुरक्षा का सार्वजनिक स्वास्थ्य आपातकाल (पीएचईसीएस) घोषित किए जाने के बाद, सरकार अफ्रीका में इबोला की स्थिति पर बारीकी से नजर रख रही है और सार्वजनिक स्वास्थ्य की सुरक्षा के लिए एहतियात के तौर पर पूरे देश में निगरानी और तैयारी के उपायों को सक्रिय रूप से तेज कर दिया है। उन्होंने बताया कि अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डों और अन्य एंट्री पॉइंट्स पर गहन जांच और निगरानी के उपाय शुरू कर दिए गए हैं, और जांच, क्वारंटाइन, क्लीनिकल मैनेजमेंट, प्रयोगशाला परीक्षण और संक्रमण रोकथाम प्रथाओं पर मानक संचालन प्रक्रियाओं (एसओपी) के साथ-साथ सलाह सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के साथ साझा की गई है। तैयारियों और प्रतिक्रिया उपायों की समीक्षा के लिए राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों और संबंधित हितधारकों के साथ बैठकें भी आयोजित की गई हैं।

केंद्रीय मंत्री ने स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय के सचिव, भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) के महानिदेशक और राष्ट्रीय रोग नियंत्रण केंद्र (एनसीडीसी) के निदेशक को ट्रैकिंग, परीक्षण और निगरानी के लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाओं को निरंतर तैयार रखने का निर्देश दिया।

एकीकृत रोग निगरानी कार्यक्रम (आईडीएसपी) इकाइयों और हवाई अड्डा स्वास्थ्य संगठनों को अंतरराष्ट्रीय यात्रियों में अस्पष्टीकृत बुखार के मामलों पर कड़ी निगरानी रखने और किसी भी संदिग्ध मामले की तुरंत रिपोर्टिंग और प्रबंधन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं।

इबोला एक गंभीर वायरल रक्तस्रावी बुखार है, जिसमें मृत्यु दर बहुत अधिक होती है। वर्तमान में, बंडीबुग्यो वायरस स्ट्रेन के कारण होने वाले इबोला रोग के लिए कोई स्वीकृत टीका या विशिष्ट उपचार उपलब्ध नहीं है।

संक्षिप्त खबरें

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता से की भेंट

रायपुर। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने नई दिल्ली में दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता से उनके निवास पर सौजन्य भेंट की। मुलाक़ात के दौरान दोनों नेताओं के बीच जनहित, सुशासन, शहरी विकास, सार्वजनिक सुविधाओं के विस्तार तथा राज्यों के बीच बेहतर समन्वय जैसे विषयों पर चर्चा हुई। मुख्यमंत्री साय ने छत्तीसगढ़ में चल रहे विकास कार्यों और जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी साझा की। दोनों मुख्यमंत्रियों ने देश के विकास में राज्यों की सक्रिय भूमिका और आपसी सहयोग को महत्वपूर्ण बताया। इस अवसर पर विभिन्न समसामयिक विषयों पर भी विचार–विमर्श हुआ।

कृत्रिम बुद्धिमत्ता से 'टैसिट नॉलेज' को मिलेगा नया आयाम : डॉ. अकीरा यामानाका

रायपुर। कृत्रिम बुद्धिमत्ता (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस–एआई) के माध्यम से 'टैक्टिकल टैसिट नॉलेज' को दृश्य रूप में प्रस्तुत कर जटिल मानवीय अनुभवों और विशेषज्ञता को वैज्ञानिक मॉडल में बदला जा सकता है। जापान की एहिमे यूनिवर्सिटी के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. अकीरा यामानाका ने सोमवार को राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी–एनआईटी), रायपुर में आयोजित 'ग्लोबल कोलैबोरेशन एंड एकेडमिक एक्सचेंज' विषयक एक दिवसीय सेमिनार में यह बात कही। उन्होंने कहा कि टैसिट नॉलेज संदर्भ आधारित, समय–संवेदी और गैर–मौखिक प्रकृति का होता है, जिसे शब्दों में व्यक्त करना कठिन होता है। इसे स्पष्ट करते हुए उन्होंने एक अनुभवी रसोइए का उदाहरण दिया, जो बिना किसी औपचारिक निर्देश के यह समझ लेता है कि भोजन कब पूरी तरह तैयार हो चुका है। सेमिनार में एनआईटी रायपुर के निदेशक डॉ. एन. वी. रमना राव, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) हैदराबाद के कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग विभाग के प्रोफेसर (एचएजी) डॉ. सी. कृष्णा मोहन तथा एनआईटी मणिपुर के निदेशक डॉ. डी. वी. एल. एन. सोमयाजुलु मुख्य रूप से उपस्थित रहे। कार्यक्रम में संस्थान के फैकल्टी सदस्यों और शोधार्थियों ने बड़ी संख्या में भाग लिया। कार्यक्रम का समन्वयन कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग विभागाध्यक्ष डॉ. दिलीप सिंह सिसोदिया ने किया।

डॉ. अकीरा यामानाका ने अपने व्याख्यान में ह्यूमन इंटरफेस, एआई प्रोसेसिंग और हार्डवेयर सेंसर पर आधारित 'थ्री–टियर आर्किटेक्चर' की अवधारणा प्रस्तुत की। उन्होंने एस.ई.सी.आई. मॉडल — समाजीकरण, बाह्यकरण, संयोजन और आत्मसात्करण — पर आधारित अपने शोध का उल्लेख करते हुए कहा कि यह प्रणाली व्यक्तिगत अनुभव आधारित विशेषज्ञता पर निर्भरता को कम करती है। उन्होंने बताया कि उनकी प्रणाली हार्डवेयर सेंसर और भौतिक ट्रैकिंग से प्राप्त आंकड़ों का विश्लेषण कर उन्हें वस्तुनिष्ठ मॉडल और सिमुलेशन में परिवर्तित करती है।

रामभद्राचार्य की कथा में जाने से महंत का इनकार, बोले- ये सब सिर्फ भाजपा के प्रचारक

रायपुर। छत्तीसगढ़ की राजनीति में इस वक्त जबरदस्त भूचाल आ गया है। विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष चरणदास महंत ने देश के बड़े कथावाचकों को लेकर एक ऐसा बयान दे दिया है, जिससे पूरे प्रदेश का माहौल गरमा गया है। सोमवार को मनेन्द्रगढ़ पहुंचे महंत ने बागेश्वर धाम के धीरेंद्र शास्त्री और जगद्गुरु रामभद्राचार्य पर सीधे उंगली उठाई है। उन्होंने साफ कहा कि वे ऐसे बाबाओं को नहीं मानते।

मैं नहीं मानता जगद्गुरु, ये सिर्फ भाजपा के प्रचारक हैं

दरअसल, चिरमिरी में इस समय जगद्गुरु रामभद्राचार्य की भव्य श्रीराम कथा चल रही है। 17 मई से शुरू हुई यह कथा 26 मई तक चलेगी। इसमें शामिल होने के लिए प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय और स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल भी पहुंचे थे। जब मनेन्द्रगढ़ में मीडिया ने चरणदास महंत से इस कथा में जाने को लेकर सवाल किया, तो वे भड़क गए। महंत ने दो टूक कहा, मैं रामभद्राचार्य को जगद्गुरु नहीं मानता। वे जिस तरह से बातें करते हैं, उससे साफ है कि वे सिर्फ भाजपा के प्रचारक हैं।

धीरेंद्र शास्त्री जैसे बाबा फर्जी हैं, ज्ञान के नाम पर ठग रहे

चरणदास महंत यहीं नहीं रुके। उन्होंने बागेश्वर धाम के धीरेंद्र शास्त्री का नाम लेते हुए उन पर भी बड़ा हमला बोला। उन्होंने कहा कि धीरेंद्र शास्त्री जैसे जितने भी बाबा हैं, सब फर्जी हैं।

रायपुर एयरपोर्ट पर इबोला अलर्ट, विदेश से आने वाले यात्रियों की होगी जांच

एयरपोर्ट पर विशेष निगरानी टीम तैनात की गई है

रायपुर। इबोला वायरस संक्रमण को लेकर राजधानी रायपुर में सतर्कता बढ़ा दी गई है, स्वामी विवेकानंद एयरपोर्ट पर बाहर से आने वाले यात्रियों की जांच अनिवार्य कर दी गई है, स्वास्थ्य विभाग ने संक्रमण की रोकथाम और निगरानी को लेकर अलर्ट जारी किया है,संचालनालय स्वास्थ्य सेवाएं, छत्तीसगढ़ की ओर से सभी संबंधित अधिकारियों और स्वास्थ्य अमले को आवश्यक दिशा–निर्देश जारी किए गए हैं, एयरपोर्ट पर विशेष निगरानी टीम तैनात की गई है, जो विदेश और अन्य राज्यों से आने वाले यात्रियों की स्क्रीनिंग करेगी।

स्वास्थ्य विभाग के अनुसार, इबोला वायरस को लेकर एहतियात बरतने के निर्देश दिए गए हैं, ताकि किसी भी संभावित संक्रमण को समय रहते रोका जा सके,यात्रियों की स्वास्थ्य जांच के साथ–साथ संदिग्ध लक्षण पाए जाने पर तत्काल मेडिकल परीक्षण और निगरानी की व्यवस्था भी की गई है,विभाग ने आम लोगों से अफवाहों पर ध्यान न देने और स्वास्थ्य संबंधी सावधानियों का पालन करने की अपील की है, वहीं एयरपोर्ट प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग लगातार स्थिति पर नजर बनाए हुए हैं।

रायगढ़, छत्तीसगढ़ से संचालित 'शब्दतीर' एक प्रमुख, निर्भीक और विश्वसनीय हिंदी समाचार पोर्टल है। प्रिंट मीडिया में अपने डेढ़ दशक के गौरवशाली इतिहास और पत्रकारिता के उच्च मापदंडों के साथ, हम अब डिजिटल मंच पर भी पाठकों की पहली पसंद बन रहे हैं।

हमारी विरासत: 12 वर्षों का अटूट विश्वास

'शब्दतीर' केवल एक न्यूज़ पोर्टल नहीं है, बल्कि यह रायगढ़ और पूरे छत्तीसगढ़ की एक सशक्त आवाज़ है। पिछले 12 वर्षों से 'शब्दतीर' साप्ताहिक समाचार पत्र के रूप में निरंतर प्रकाशित हो रहा है। इन 12 सालों के सफर में हमने निष्पक्षता, सत्यता और जनसरोकार के प्रति अपनी प्रतिबद्धता से ज़मीनी स्तर पर पाठकों का जो गहरा विश्वास जीता है, वही हमारी असली पूंजी है।

डिजिटल युग में हमारा कदम

बदलते दौर और तकनीकी युग के साथ कदम मिलाते हुए, हमने 'शब्दतीर' को डिजिटल प्लेटफॉर्म पर उतारा है। हमारा मुख्य उद्देश्य प्रिंट मीडिया की उसी विश्वसनीयता और बेबाकी को इंटरनेट पर कायम रखना है। अब आप दुनिया के किसी भी कोने में हों, आपके शहर रायगढ़ और प्रदेश की हर बड़ी हलचल आपके मोबाइल स्क्रीन पर तुरंत उपलब्ध होगी।

1 जून से कलेक्टर्स देंगे प्रतिदिन रिपोर्ट

रायपुर। आगामी मानसून के दौरान प्राकृतिक आपदाओं, विशेषकर बाढ़ की स्थिति से निपटने के लिए राज्य शासन के विभिन्न विभागों द्वारा की गई तैयारियों की गहन समीक्षा की गई। राहत शिविरों के प्रबंधन से लेकर आपदा प्रबंधन से जुड़े सभी आवश्यक पहलुओं पर व्यापक रणनीति तैयार की गई। छत्तीसगढ़ के मुख्य सचिव विकासशील की अध्यक्षता में आज मंत्रालय (महानदी भवन) में राज्य स्तरीय उच्च स्तरीय बाढ़ नियंत्रण समिति की महत्वपूर्ण बैठक संपन्न हुई।

कलेक्टर्स को कड़े निर्देश- 1 जून से शुरू होगी दैनिक मॉनिटरिंग

मुख्य सचिव ने राज्य के सभी जिला कलेक्टर्स एवं जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के अध्यक्षों को मानसून 2026 के मद्देनजर सुरक्षा और राहत व्यवस्था चुस्त–दुरुस्त करने के निर्देश दिए हैं। सभी कलेक्टर्स को आगामी 1 जून से प्रतिदिन वर्षा की स्थिति और उससे होने वाली संभावित क्षति की जानकारी अनिवार्य रूप से शासन को भेजनी होगी। प्रत्येक जिले में बाढ़ नियंत्रण के लिए विशेष नोडल अधिकारियों की नियुक्ति तत्काल पूरी करने के निर्देश दिए गए हैं।

राज्य और जिला स्तर पर बाढ़ नियंत्रण कक्ष स्थापित

बैठक में राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग के अधिकारियों ने बताया कि प्रदेश में जून माह में मानसून के सक्रिय होने की संभावना है। आपदा के समय त्वरित सहायता और समन्वय के लिए राज्य स्तरीय बाढ़ नियंत्रण कक्ष (कंट्रोल रूम) क्रियाशील कर दिया गया है। महत्वपूर्ण संपर्क सूत्र (स्टेट कंट्रोल रूम) राज्य स्तर पर दूरभाष क्रमांक 0771–2223471, 0771–2221242 ओर फैक्स क्रमांक 0771–2223472 इसके साथ ही सभी जिला मुख्यालयों में भी जिला स्तरीय नियंत्रण कक्ष स्थापित किए जा चुके हैं। बैठक में मुख्य सचिव ने बाढ़ और अतिवृष्टि की स्थिति में जनहानि को शून्य रखने के लिए विभागों को उनकी जिम्मेदारी दी है।

भूपेश बनेंगे सीएम : रेणुका सिंह

रायपुर। छत्तीसगढ़ में साय मंत्रिमंडल में फेरबदल की चर्चाओं के बीच भरतपुर–सोनहत विधायक रेणुका सिंह के 2 कथित ऑडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे हैं। वायरल ऑडियो में विधायक अपनी ही सरकार की कार्यशैली पर सवाल उठाती और संगठन के नेताओं पर नाराजगी जाहिर कर रही हैं।

वायरल ऑडियो में कहा जा रहा है कि, सरकार ऊपर से संचालित हो रही है। किसी को सीएम बनाकर तुरंत हटाया नहीं जा सकता, लेकिन ऊपर के लोग भी बहुत खुश नहीं हैं। प्रदेश में फिर से भूपेश बघेल की वापसी होगी, वे ही कांग्रेस के सीएम बनेंगे। हालांकि, रेणुका सिंह ने इसे AI जनरेटेड और फर्जी ऑडियो बताया है।

24 घंटे में दूसरा ऑडियो वायरल

शनिवार को पहला 35 सेकेंड का ऑडियो वायरल होने के बाद रविवार को 14 सेकेंड का दूसरा कथित ऑडियो भी सामने आ गया। बताया जा रहा है कि यह ऑडियो भाजयुमो जिला महामंत्री और विधायक के करीबी रहे पूर्व विधायक प्रतिनिधि मनोज साहू ने सोशल मीडिया पर शेयर किया है।

इस कथित ऑडियो में विधायक का गुस्सा साफ सुनाई दे रहा है। वायरल क्लिप में कथित तौर पर कहा गया है, 'अगर वो लड़ेगा तो मैं 5 करोड़ रुपए निकालूंगी। मेरी जितनी जमा पूंजी है, सब खर्च करूंगी। वहीं कथित आडियों में मनोज साहू को विधायक बेशर्म कह रही है।

शराब घोटाला : पूर्व आईएएस निरंजन दास को सुप्रीम कोर्ट से सशर्त जमानत

रायपुर। छत्तीसगढ़ के बहुचर्चित शराब घोटाला में संलिप्तता के आरोप में जेल में बंद पूर्व आईएएस निरंजन दास को सुप्रीम कोर्ट ने सशर्त जमानत दे दी है। सुप्रीम कोर्ट से जमानत मिलने के बाद भी निरंजन दास की मुश्किल कम नहीं हुई है। अभी जेल में ही रहना होगा।

पूर्व आईएएस निरंजन दास को छत्तीसगढ़ शराब घोटाले में संलिप्तता के आरोप में ईडी व ईओडब्ल्यू के दोनों प्रकरणों में सुप्रीम कोर्ट ने सशर्त जमानत दे दी है। जमानत याचिका की सुनवाई चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया सूर्यकांत, जस्टिस जॉय माला बागची और जस्टिस विपुल एम पंचोली के बेंच में हुई। याचिकाकर्ता के अधिवक्ता ने कोर्ट को बताया, याचिकाकर्ता बीते आठ महीने से शराब घोटाले में संलिप्तता के आरोप में जेल में बंद हैं। अब तक एक मुख्य और सात पूरक चालान पेश किया गया है। अकेले ईओडब्ल्यू के प्रकरण में ही 120 गवाह हैं। मामले में अब तक ट्रायल शुरू नहीं हो पाया है। जमानत का विरोध करते हुए छत्तीसगढ़ सरकार की ओर से पैरवी करते हुए लॉ अफसर ने कहा, याचिकाकर्ता विभाग में प्रभावशाली अफसर रहे हैं। जमानत पर रिहाई की स्थिति में गवाहों को और प्रकरण को प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्षतौर पर प्रभावित कर सकते हैं। दोनों पक्षों की बहस सुनने के बाद सुप्रीम कोर्ट ने याचिकाकर्ता पूर्व आईएएस निरंजन दास को सशर्त जमानत दे दी है। सुप्रीम कोर्ट ने अपने आदेश में कहा है, जेल से रिहाई की स्थिति में याचिकाकर्ता को छत्तीसगढ़ से बाहर रहना होगा। जिस राज्य में जिस जगह पर रहेंगे इसकी सूचना रायपुर कीअदालत को देनी होगी, जिस थाना क्षेत्र में रहेंगे उस थाना क्षेत्र की जानकारी भी देनी होगी। प्रकरण के संबंध में जब भी समन जारी कर तलब किया जाएगा, आना होगा।

अग्निवीर भर्ती परीक्षा के परिणाम घोषित : छत्तीसगढ़ के 1163 उम्मीदवारों को मिली सफलता

रायपुर। सेना भर्ती कार्यालय, रायपुर द्वारा जनवरी 2026 माह में धमतरी (छत्तीसगढ़) में आयोजित की गई भारतीय सेना अग्निवीर भर्ती रैली के विभिन्न पदों का अंतिम परिणाम घोषित कर दिया गया है, जिसमें छत्तीसगढ़ के कुल 1163 युवाओं को सफलता प्राप्त हुई है। सभी उत्तीर्ण उम्मीदवारों को निर्देशित किया गया है कि वे 28 मई 2026 को सुबह 07 बजे अपने सभी मूल दस्तावेजों के साथ प्रारंभिक निर्देशों के लिए सेना भर्ती कार्यालय, रायपुर में अनिवार्य रूप से उपस्थित हों, जो कि शहीद वीर नारायण सिंह अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम, नया रायपुर के पास स्थित है। यह संपूर्ण परीक्षा परिणाम भारतीय सेना की आधिकारिक वेबसाइट (www.joinindianarmy.nic.in) पर सभी परीक्षार्थियों के लिए उपलब्ध करा दिया गया है और इसके साथ ही इसे सेना भर्ती कार्यालय, रायपुर (छ.ग.) के नोटिस बोर्ड पर भी प्रदर्शित किया गया है। भारतीय सेना ने सभी सफल घोषित उम्मीदवारों को उनकी इस उपलब्धि पर हार्दिक बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

इसके साथ ही, सेना भर्ती कार्यालय ने उम्मीदवारों के लिए एक महत्वपूर्ण सतर्कता संदेश जारी करते हुए स्पष्ट किया है कि भारतीय सेना में चयन प्रक्रिया पूरी तरह से पारदर्शी है और इसमें उम्मीदवारों का चयन केवल और केवल उनकी योग्यता के आधार पर ही किया जाता है, इसलिए सभी उम्मीदवारों को दलालों से पूरी तरह सावधान रहने की सलाह दी जाती है।

नगरीय निकायों में 240 एवं त्रि-स्तरीय पंचायतों में 392 अभ्यर्थी चुनाव मैदान में, मतदान की तैयारियां पूर्ण

रायपुर। छत्तीसगढ़ राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा जारी निर्वाचन कार्यक्रम के अंतर्गत राज्य में चल रहे नगरीय निकायों एवं त्रि–स्तरीय पंचायतों के आम/उप निर्वाचन के लिए नाम निर्देशन पत्रों की जांच, संवीक्षा एवं नाम वापसी की प्रक्रिया पूर्ण होने के बाद अभ्यर्थियों की अंतिम सूची जारी कर दी गई है। आयोग द्वारा जारी विस्तृत आंकड़ों के अनुसार नगरीय निकायों में कुल 240 तथा त्रि–स्तरीय पंचायतों में कुल 392 अभ्यर्थी चुनावी मैदान में उतरेंगे।

त्रि–स्तरीय पंचायत निर्वाचन के अंतर्गत पंच पद के लिए कुल 1136 पद निर्धारित थे, जिनमें 385 पदों पर कोई नामांकन प्राप्त नहीं हुआ तथा 4 पदों पर नामांकन निरस्त किए गए। 640 पदों पर निर्विरोध निर्वाचन संपन्न हुआ है, जबकि शेष 107 पदों पर मतदान कराया जाएगा, जिनके लिए कुल 246 उम्मीदवार मैदान में हैं। सरपंच पद के लिए कुल 82 पदों में से 30 पदों पर नामांकन प्राप्त नहीं हुए तथा 3 नामांकन निरस्त हुए। 15 पदों पर निर्विरोध निर्वाचन संपन्न हुआ है और शेष 34 पदों पर मतदान होगा, जहां कुल 105 अभ्यर्थी चुनाव लड़ रहे हैं। इसी प्रकार जनपद सदस्य के 10 पदों पर सभी स्थानों पर सविरोध निर्वाचन होगा तथा इन पदों के लिए कुल 41 उम्मीदवार चुनाव मैदान में हैं।

नगरीय निकाय निर्वाचन के अंतर्गत पार्षद पद के कुल 71 स्थानों पर मतदान कराया जाएगा। इन पदों के लिए कुल 221 उम्मीदवार चुनाव लड़ रहे हैं। अध्यक्ष पद के 5 स्थानों पर भी निर्वाचन होगा, जिनके लिए कुल 19 अभ्यर्थियों ने नामांकन दाखिल किया है। इन पदों पर न तो कोई नामांकन निरस्त हुआ और न ही कोई निर्विरोध निर्वाचन संपन्न हुआ है। छत्तीसगढ़ राज्य निर्वाचन आयोग की सचिव शिखा राजपूत तिवारी ने जानकारी दी है कि नगरीय निकायों के चुनाव इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन के माध्यम से तथा त्रि–स्तरीय पंचायतों के चुनाव मतपेटी (बैलेट बॉक्स) के माध्यम से संपन्न कराए जाएंगे। मतदान मशीनों की प्रथम स्तरीय जांच 29 मई 2026 से प्रारंभ की जाएगी, जिसके लिए सभी आवश्यक तैयारियां पूरी कर ली गई हैं।

नौतपा के पहले दिन ही दहकी राजधानी

पारा 45°C के पार; मौसम विभाग का ऑरेंज अलर्ट

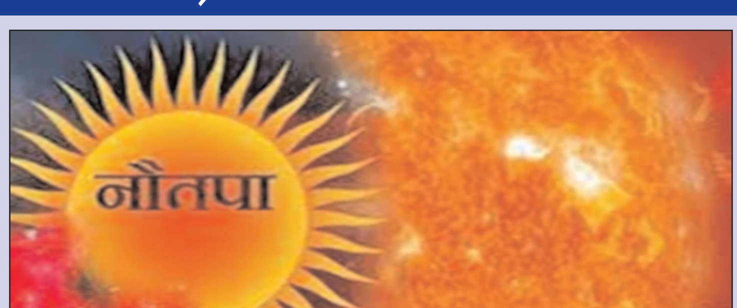

रायपुर। छत्तीसगढ़ में साल के सबसे गर्म 9 दिनों यानी 'नौतपा' की शुरुआत हो चुकी है और पहले ही दिन सूर्य देव ने अपने प्रचंड तेवर दिखाने शुरू कर दिए हैं। राजधानी रायपुर में सोमवार को दोपहर होते–होते आसमान से आग बरसने लगी और अधिकतम तापमान 45.2°C दर्ज किया गया, जो सामान्य से काफी अधिक है। चिलचिलाती धूप और गर्म थपेड़ों (लू) के कारण दोपहर के समय शहर की मुख्य सड़कें और बाजार पूरी तरह सुनसान नजर आए।

पूरे प्रदेश का बुरा हाल, रातें भी हुईं गर्म

मौसम विज्ञान केंद्र रायपुर के अनुसार, सूर्य के रोहिणी नक्षत्र में प्रवेश करते ही प्रदेश के मैदानी इलाकों में शुष्क पश्चिमी हवाओं का प्रभाव बढ़ गया है। केवल रायपुर ही नहीं, बल्कि दुर्ग, बिलासपुर, राजनांदगांव और रायगढ़ समेत राज्य के 18 से अधिक जिलों में भीषण हीटवेव चल रही है। स्थिति यह है कि अब दिन के साथ–साथ रात की हवाएं भी गर्म हो चुकी हैं, जिससे लोगों को चौबीसों घंटे उमस और तपिश का सामना करना पड़ रहा है।

मौसम विभाग की चेतावनी: 47°C तक जा सकता है पारा

मौसम वैज्ञानिकों ने चेतावनी दी है कि नौतपा के शुरुआती 4 दिनों में तापमान में अभी 1 से 3 डिग्री सेल्सियस की और बढ़ोतरी हो सकती है। रायपुर और बिलासपुर संभाग के कुछ हिस्सों में पारा 47°C के आंकड़े को भी छू सकता है। मौसम विभाग ने आगामी तीन दिनों के लिए रायपुर में 'ऑरेंज अलर्ट' जारी रखते हुए लोगों को बेहद सतर्क रहने को कहा है।

अस्पतालों में बढ़े मरीज, प्रशासन ने जारी की गाइडलाइन

भीषण गर्मी का सीधा असर आम जनजीवन और स्वास्थ्य पर दिखने लगा है। रायपुर के मेकाहारा सहित अन्य अस्पतालों में डिहाइड्रेशन, उल्टी–दस्त और हीट स्ट्रोक (लू लगना) के मामलों में तेजी से बढ़ोतरी हुई है। इसे देखते हुए जिला प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग ने एडवायजरी जारी की है: दोपहर 12 से शाम 4 बजे तक बिना किसी आपातकालीन कार्य के सीधे धूप में निकलने से बचें। धूप में बाहर जाते समय सिर और चेहरे को सूती कपड़े या टोपी से जरूर ढकें। शरीर में पानी की कमी न होने दें; ओआरएस घोल, नींबू पानी, छाछ और लिक्विड डाइट का अधिक सेवन करें।

ईद–उल–अज़हा के मौके पर खुले क्षेत्रों में न करें कुरबानी : डॉ. सलीम राज

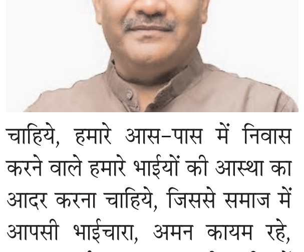

रायपुर। आगामी दिवस 28 मई गुरूवार को पूरे देश में ईद–उल–अज़हा का त्योहार मनाया जायेगा, ईद–उल–अज़हा की नमाज़ छत्तीसगढ़ प्रदेष में सुबह 06:00 बजे से लेकर 11:00 बजे तक प्रदेश की विभिन्न मस्जिद, ईदगाह में निर्धारित समय अनुसार अदा की जायेगी एवं ईद की मुबारकबाद दी जायेगी। यह त्योहार मुस्लिम धर्म में हज़रत इब्राहीम अलैहिस्सलाम व हज़रत इस्माईल अलैहिस्सलाम की याद में मनाया जाता है जिसमें दिनांक 28.05.2026 के सूर्योदय से लेकर 30.05.2026 सूर्यास्त तक मुस्लिम समाज के साहिबे निसाब व्यक्ति द्वारा कुरबानी की जाती है।

पैगम्बर साहब ने भी हमें संदेष दिया है कि हम जिस देश में रहते हैं वहां के संविधान का हमें आदर करना चाहिये, हमारे आस–पास में निवास करने वाले हमारे भाईयों की आस्था का आदर करना चाहिये, जिससे समाज में आपसी भाईचारा, अमन कायम रहे, इस्लाम धर्म, कुरआन व हदीस भी हमें सभी धर्मों के प्रति आस्था, आपसी भाईचारा, मोहब्बत और साम्प्रदायिक सौहार्द का संदेष देते हैं। कई बार यह देखा जाता है कि, कुछ लोगों द्वारा कुरबानी खुले क्षेत्र में की जाती है या कुरबानी करते समय विडियो अथवा फोटो को सोषल मीडिया में वायरल किया जाता है जिससे हमारे बहुसंख्यक भाईयों को तकलीफ होती है, समाज का वातावरण दूषित होता है। आप सभी मुस्लिम भाईयों से अपील की जाती है कि, आप ईद उल अजहा के मौके पर खुले में या सार्वजनिक स्थनों पर कुरबानी बिल्कुल न करें, प्रतिबंधित पशुओं की कुरबानी न करें, कुरबानी की फोटो अथवा वीडियों सोषल मीडिया में वायरल न करें, कुरबानी का खून नालियों में न बहायें, अपषिष्ठ पदार्थ व खून गड्ढा खोदकर दफनायें, कुरबानी के बाद साफ–सफाई का ध्यान रखें, रोड में नमाज अदा न करें, जमात ज्यादा होने पर पूर्व वर्षों की भांति षिफ्टों (पाली) में ईद की नमाज की व्यवस्था करें, समाज में साम्प्रदायिक सौहार्द और आपसी भाईचारा कायम रख कर सभी समाज की आस्था का आदर करते हुए ईद–उल–अजहा के त्योहार को मनायें।

संपादकीय

ट्रंप को समझ आ गया कि चीन का मुकाबला अकेले नहीं, भारत के साथ मिलकर किया जा सकता है

नीरज कुमार दुबे

अमेरिका को अब इस बात का भलीभांति एहसास हो चुका है कि चीन जैसी उभरती महाशक्ति को रोक पाना उसके अकेले बूते की बात नहीं रह गई है। यही कारण है कि चीन से लगभग खाली हाथ लौटे अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को अब उम्मीद की सबसे मजबूत किरण प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दरबार में दिखाई दे रही है। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो का भारत दौरा दरअसल इसी बदली हुई वैश्विक मजबूरी और रणनीति का संकेत है। ट्रंप ने जिस तरह भारत में अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर से बातचीत के दौरान सार्वजनिक तौर पर कहा कि 'मुझे प्रधानमंत्री मोदी बहुत पसंद हैं। मोदी महान हैं और वो मेरे दोस्त हैं।' ट्रंप ने यह तक कहा कि 'हम भारत के इतने करीब पहले कभी नहीं थे और भारत मुझ पर तथा अमेरिका पर सौ फीसदी भरोसा कर सकता है।' यह बयान सिर्फ दोस्ती का प्रदर्शन नहीं, बल्कि उस बदले हुए अमेरिकी रुख का संकेत है जिसमें वॉशिंगटन अब भारत को एशिया में शक्ति संतुलन बनाए रखने वाले सबसे अहम स्तंभ के रूप में देख रहा है। दिलचस्प बात यह भी रही कि मार्को रुबियो ने अपने भारत दौरे में ताजमहल के दीदार का कार्यक्रम भी रखा। कूटनीतिक गलियारों में इसे केवल पर्यटन नहीं, बल्कि एक प्रतीकात्मक संदेश माना जा रहा है, मानो अमेरिका भारत को यह भरोसा

दिलाना चाहता हो कि वह इस बार दबाव नहीं, बल्कि मोहब्बत और साझेदारी का पैगाम लेकर आया है।

देखा जाये तो पिछले कुछ वर्षों में अमेरिका की विदेश नीति में भारी उतार-चढ़ाव देखने को मिले हैं। ट्रंप प्रशासन के दौरान 'अमेरिका फर्स्ट' की नीति ने सहयोगी देशों में असहजता पैदा की। कई देशों को लगा कि वॉशिंगटन अब भरोसेमंद साथी नहीं रहा। लेकिन अब हालात बदल रहे हैं। चीन की आर्थिक और सैन्य ताकत जिस तेजी से बढ़ी है, उसने अमेरिका को यह सोचने पर मजबूर कर दिया कि एशिया में उसका प्रभाव बनाए रखने के लिए भारत जैसी लोकतांत्रिक और उभरती शक्ति के साथ मजबूत रिश्ते जरूरी हैं।

दरअसल, चीन केवल व्यापारिक प्रतिस्पर्धी नहीं रहा। वह अब वैश्विक सप्लाई चेन, तकनीक, रक्षा उत्पादन और सामरिक निवेश के जरिए दुनिया पर अपना प्रभाव बढ़ा रहा है। दक्षिण चीन सागर से लेकर ताइवान तक, बीजिंग का आक्रामक रवैया अमेरिका के लिए चुनौती बन चुका है। ऐसे में भारत अमेरिका के लिए एक स्वाभाविक विकल्प बनकर उभरा है। भारत एक ऐसा देश है जिसकी अर्थव्यवस्था तेजी से बढ़ रही है, जिसके पास विशाल बाजार है और जो लोकतांत्रिक मूल्यों की बात करता है। अमेरिका यह भी समझ चुका है कि केवल सैन्य शक्ति से चीन को रोका नहीं जा सकता। इसके लिए आर्थिक नेटवर्क, तकनीकी साझेदारी और भरोसेमंद औद्योगिक ढांचा जरूरी है। यही कारण है कि सेमीकंडक्टर, रक्षा निर्माण, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, क्रिटिकल मिनरल्स और डिजिटल टेक्नोलॉजी जैसे क्षेत्रों में भारत के साथ साझेदारी बढ़ाने पर जोर दिया जा रहा है।

उधर, भारत के लिए भी यह अवसर कम महत्वपूर्ण नहीं है। लंबे समय तक भारत ने गुटनिरपेक्ष नीति और रणनीतिक स्वायत्तता को प्राथमिकता दी। लेकिन अब नई दिल्ली समझ रही है कि वैश्विक शक्ति संतुलन में सक्रिय भूमिका निभाए बिना अपने हित सुरक्षित नहीं रखे जा सकते। यही वजह है कि भारत क्वॉड जैसे मंचों में सक्रिय है और अमेरिका, जापान तथा ऑस्ट्रेलिया के साथ सहयोग बढ़ा रहा है। हालांकि, भारत की चुनौती यह है कि वह अमेरिका के साथ नजदीकी बढ़ाते हुए अपनी स्वतंत्र विदेश नीति भी बनाए रखे। रूस के साथ रक्षा संबंध हों या पश्चिम एशिया में संतुलन, भारत किसी एक खेमे में पूरी तरह शामिल होने से बचता रहा है। यही उसकी सबसे बड़ी कूटनीतिक ताकत भी है।

एक चीज और उभर कर आ रही है कि अमेरिका को अब भारत के साथ संबंधों में सिर्फ रणनीतिक भाषा नहीं, बल्कि व्यावहारिक निवेश की भी जरूरत है। अगर वॉशिंगटन वास्तव में चीन का प्रभाव कम करना चाहता है, तो उसे भारत में निर्माण, तकनीक और औद्योगिक ढांचे को मजबूत करने में गंभीर निवेश करना होगा। केवल भाषणों और समझौतों से बात नहीं बनेगी। देखा जाये तो भारत के भीतर कई ऐसे क्षेत्र हैं जहां अमेरिकी निवेश बड़ा बदलाव ला सकता है।

दिल्ली के दरबार और लोकतंत्र का भ्रम क्लब संस्कृति, सत्ता नेटवर्क और आम आदमी की दूरी

डॉ. प्रियंका सौरभ

दिल्ली केवल भारत की राजधानी नहीं, बल्कि सत्ता की वह पुरानी चौसर है जहाँ मोहरे बदलते रहते हैं, पर खेल वही रहता है। यहाँ इतिहास केवल किताबों में नहीं बसता, बल्कि इमारतों की दीवारों, बंद दरवाज़ों और चमचमाते गलियारों में साँस लेता है। इस शहर में कुछ रास्ते जनता के लिए होते हैं और कुछ रास्ते उन लोगों के लिए, जिन्हें किसी परिचय की आवश्यकता नहीं पड़ती। लोकतंत्र की भीड़ भरी सड़कों के समानांतर यहाँ सत्ता के ऐसे शांत दरबार बसे हुए हैं, जहाँ प्रवेश केवल उन्हीं को मिलता है जिनके पास प्रभाव, वंश, संपर्क और सामाजिक प्रतिष्ठा का अदृश्य पासपोर्ट होता है। दिल्ली जिमखाना क्लब इसी स्थायी सत्ता का एक चमकदार प्रतीक है।

हाल के दिनों में जब इस क्लब को खाली कराने और उसकी लीज समाप्त होने की चर्चा तेज हुई, तब पहली बार लगा कि किसी ने उस दुनिया की ओर उंगली उठाई है जिसे अब तक छूना भी असंभव माना जाता था। यह केवल एक भवन का प्रश्न नहीं है; यह उस मानसिकता का प्रश्न है जिसने लोकतंत्र के भीतर भी अभिजात्य साम्राज्य खड़े कर दिए। यह उस व्यवस्था पर सवाल है जिसमें कुछ लोग हमेशा मालिक बने रहते हैं और बाकी लोग केवल दर्शक।

दिल्ली जिमखाना क्लब की स्थापना अंग्रेजों ने 1913 में 'इम्पीरियल दिल्ली जिमखाना क्लब' के रूप में की थी। वह दौर केवल राजनीतिक गुलामी का नहीं, बल्कि सामाजिक अपमान का भी दौर था। अंग्रेजों ने क्लबों को मनोरंजन स्थल से अधिक सामाजिक छँटनी के उपकरण के रूप में इस्तेमाल किया। वहाँ वही व्यक्ति 'सभ्य' माना जाता था जो अंग्रेजी जीवन शैली के निकट हो। भारतीयों के लिए ऐसे क्लबों के दरवाज़े या तो बंद रहते थे, या इतने संकरे कि प्रवेश करते हुए भी उन्हें हीनता का अनुभव हो। भाषा, पहनावा, खान-पान और रंग तक से सामाजिक स्तर तय किया जाता था।

आजादी आई, तिरंगा लहराया, अंग्रेज चले गए, लेकिन उनकी बनाई हुई सामाजिक संरचनाएँ पूरी तरह नहीं टूटीं। वायसराय हाउस राष्ट्रपति भवन बन गया, आईसीएस का नाम आईएएस हो गया, पर सत्ता की आत्मा बहुत अधिक नहीं बदली। पहले जिन कुर्सियों पर गोरे साहब बैठते थे, वहाँ बाद में भूरे साहब बैठने लगे। लोकतंत्र आया, लेकिन अभिजात्य संस्कृति जस की तस बनी रही।

दिल्ली जिमखाना धीरे-धीरे उस वर्ग का ठिकाना बन गया जिसे लोकतंत्र में भी कभी जनता के बीच जाकर स्वयं को सिद्ध करने की आवश्यकता नहीं पड़ती। यहाँ सदस्यता मिलना किसी परीक्षा को पास करने से अधिक कठिन माना जाता है। वर्षों का इंतजार, लाखों की फीस और प्रभावशाली संपर्क—ये सब मिलकर इसे सत्ता के एक ऐसे दुर्ग में बदल देते हैं जहाँ केवल वही पहुँच सकता है जिसके पास विशेषाधिकार की चाबी हो। यह क्लब खेल से अधिक सामाजिक प्रतिष्ठा का प्रमाणपत्र बन गया।

विडंबना देखिए कि लोकतंत्र समानता की बात करता है, लेकिन राजधानी के हृदय में ऐसे द्वीप मौजूद हैं जहाँ समानता प्रवेश द्वार पर ही दम तोड़ देती है। देश का सामान्य नागरिक टैक्स देता है, पर जिन जमीनों पर ये क्लब खड़े हैं, वहाँ उसका सहज प्रवेश तक संभव नहीं। गरीब की झुग्गी पर बुलडोज़र चल सकता है, फुटपाथ पर बैठे रेहड़ी वाले को हटाया जा सकता है, लेकिन हजारों करोड़ की सरकारी जमीनों पर फैले इन स्थायी साम्राज्यों से प्रश्न पूछने की हिम्मत बहुत कम लोग कर पाते हैं।

दिल्ली की सबसे क्रूर सच्चाई यही है कि यहाँ गरीब आदमी हमेशा अस्थायी होता है और अमीर आदमी हमेशा स्थायी। रिक्शावाले से पूछा जाता है कि 'कब हटोगे?', लेकिन दशकों से सरकारी जमीनों पर बने एलीट क्लबों से कोई नहीं पूछता कि उनका अधिकार कब समाप्त होगा। यह केवल आर्थिक असमानता नहीं, बल्कि मानसिक असमानता है। समाज ने इसे प्रतिष्ठा और मर्यादा का नाम देकर सामान्य बना दिया है।

लेकिन कहानी केवल जिमखाना तक सीमित नहीं है। दिल्ली गोल्फ क्लब हो, इंडिया इंटरनेशनल सेंटर हो या इंडिया हैबिटेट सेंटर—ये सभी केवल संस्थान नहीं, बल्कि सत्ता के समानांतर संसार हैं। दिल्ली गोल्फ क्लब में केवल खेल नहीं होता; वहाँ सत्ता और पूँजी का मौन संवाद चलता है। इंडिया इंटरनेशनल सेंटर बाहर से सांस्कृतिक मंच दिखता है, पर भीतर वह सेवानिवृत्त सत्ता का पुनर्जन्म स्थल बन जाता है। वहाँ वे लोग मिलते हैं जिनके पद समाप्त हो चुके होते हैं, लेकिन प्रभाव अब भी जीवित रहता है। इंडिया हैबिटेट सेंटर में वातानुकूलित सभागारों में गरीबी और सामाजिक न्याय पर चर्चाएँ होती हैं, जबकि उन्हीं चर्चाओं के बाहर खड़ा सामान्य नागरिक उस दुनिया का हिस्सा भी नहीं बन पाता जिसकी बातें उसके नाम पर की जा रही होती हैं।

यही स्थायी सत्ता की असली ताकत है। सरकारें बदलती हैं, मंत्री बदलते हैं, राजनीतिक नारे बदलते हैं, लेकिन यह नेटवर्क हर शासन में सुरक्षित रहता है। यह वह वर्ग है जिसे चुनावी हार का भय नहीं होता, क्योंकि उसकी शक्ति केवल राजनीति से नहीं, सामाजिक पहुँच और संस्थागत प्रभाव से आती है। यही कारण है कि दिल्ली को केवल राजनीतिक राजधानी नहीं, बल्कि स्थायी सत्ता की राजधानी भी कहा जा सकता है।

इतिहास गवाह है कि सत्ता के शीर्ष पर बैठे लोग भी कई बार इस संरचना को चुनौती देने में असफल रहे। राजीव गांधी के दौर में सुरक्षा कारणों से इस क्लब को हटाने की चर्चा हुई, लेकिन वह संभव नहीं हो पाया। यह केवल प्रशासनिक विफलता नहीं थी; यह उस गहरे प्रभाव का संकेत था जो ऐसे संस्थानों के पास मौजूद रहा है। वर्षों से इन क्लबों के भीतर रिश्ते बने, नीतियाँ प्रभावित हुईं और सत्ता के अनौपचारिक गठजोड़ तैयार होते रहे। लोकतंत्र के समानांतर यह एक ऐसी सामाजिक सत्ता थी जो किसी चुनाव से नियंत्रित नहीं होती।

आज जब इन संस्थानों की वैधता, लीज और सामाजिक औचित्य पर प्रश्न उठ रहे हैं, तो बहस केवल कानूनी नहीं रह जाती। यह उस मानसिकता पर सवाल बन जाती है जिसने अंग्रेजों द्वारा निर्मित श्रेष्ठताबोध को स्वतंत्र भारत में भी सम्मान का प्रतीक बनाए रखा। दुर्भाग्य यह है कि हमने अंग्रेजों को तो विदा किया, पर अंग्रेजियत को नहीं। अंग्रेजी भाषा, विदेशी पहनावा, क्लब संस्कृति और सत्ता से निकटता को हमने आधुनिकता और प्रतिष्ठा का पर्याय बना दिया।

यही वह संस्कृति थी जिसने लोकतंत्र को भी दो हिस्सों में बाँट दिया—एक वह भारत जो लाइन में खड़ा रहता है, दूसरा वह भारत जिसके लिए दरवाज़े स्वयं खुल जाते हैं। एक वह भारत जो मतदान करता है, दूसरा वह भारत जो निर्णय लेता है। यह भी सच है कि केवल एक क्लब को चुनौती देने से व्यवस्था नहीं बदलती। लोकतंत्र का वास्तविक अर्थ केवल सत्ता परिवर्तन नहीं, बल्कि सत्ता संरचना का परिवर्तन है। यदि केवल प्रतीकात्मक कार्रवाई हो और बाकी संस्थान वैसे ही चलते रहें, तो यह बहस अधूरी रह जाएगी।

क्या गाय को 'राष्ट्रीय पशु' घोषित करने में कोई समस्या है ?

महेन्द्र तिवारी

भारत में गाय केवल एक पशु नहीं बल्कि करोड़ों लोगों की धार्मिक आस्था, सांस्कृतिक चेतना और ग्रामीण जीवन का अभिन्न हिस्सा मानी जाती है। भारतीय समाज में सदियों से गाय को माता का दर्जा दिया जाता रहा है। अनेक धार्मिक ग्रंथों, लोक परंपराओं और ग्रामीण अर्थव्यवस्था में गाय का विशेष महत्व रहा है। यही कारण है कि समय समय पर गाय को भारत का राष्ट्रीय पशु घोषित करने की मांग उठती रही है। कई धार्मिक संगठनों, सामाजिक समूहों और कुछ राजनीतिक दलों ने यह मांग सार्वजनिक रूप से रखी है। इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने भी एक मामले की सुनवाई के दौरान गाय को राष्ट्रीय पशु घोषित करने की आवश्यकता पर टिप्पणी की थी। इसके बावजूद भारत सरकार ने अब तक ऐसा कोई निर्णय नहीं लिया है। इसके पीछे केवल राजनीतिक कारण नहीं बल्कि सामाजिक, संवैधानिक, आर्थिक और प्रशासनिक जटिलताएँ भी हैं।

भारत का वर्तमान राष्ट्रीय पशु बंगाल टाइगर है। इसे 1973 में शुरू किए गए प्रोजेक्ट टाइगर के अंतर्गत संरक्षण का प्रतीक बनाया गया था। राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण के अनुसार देश में बाघ संरक्षण के लिए विशेष कानूनी और पर्यावरणीय ढांचा तैयार किया गया। आज भारत विश्व के लगभग 70 प्रतिशत बाघों का घर माना जाता है और देश में 50 से अधिक टाइगर रिजर्व स्थापित किए जा चुके हैं। राष्ट्रीय पशु के रूप में बाघ केवल शक्ति और साहस का प्रतीक नहीं है बल्कि वह भारत की जैव विविधता और वन्यजीव संरक्षण नीति का केंद्र भी है। ऐसे में गाय को राष्ट्रीय पशु बनाने का प्रश्न केवल भावनात्मक नहीं बल्कि नीतिगत बहस का विषय बन जाता है।

भारत एक बहुधार्मिक और बहुसांस्कृतिक देश है। यहाँ हिंदू, मुस्लिम, सिख, ईसाई, बौद्ध, जैन और अनेक आदिवासी समुदाय रहते हैं। हिंदू धर्म में गाय को पवित्र माना जाता है, लेकिन सभी समुदायों की मान्यताएँ समान नहीं हैं। पूर्वोत्तर भारत के कई राज्यों, केरल और गोवा जैसे क्षेत्रों में गोमांस भोजन का हिस्सा रहा है। भारतीय संविधान सभी नागरिकों को अपनी संस्कृति और भोजन की स्वतंत्रता देता है। ऐसे में यदि गाय को राष्ट्रीय पशु घोषित किया जाता है तो कई लोग इसे एक धर्म विशेष की मान्यताओं को सरकारी पहचान देने के रूप में देख सकते हैं। आलोचकों का तर्क है कि धर्मनिरपेक्ष राष्ट्र में किसी धार्मिक प्रतीक को राष्ट्रीय पहचान बनाना संवैधानिक संतुलन को प्रभावित कर सकता है।

हालांकि दूसरी ओर यह भी सच है कि भारतीय संविधान के नीति निर्देशक तत्वों में अनुच्छेद 48 के अंतर्गत राज्यों को गोवंश संरक्षण और नस्ल सुधार के लिए प्रयास करने का निर्देश दिया गया है। देश के अधिकांश राज्यों में गोहत्या पर किसी न किसी रूप में प्रतिबंध पहले से मौजूद है। केंद्र सरकार का पशुपालन और डेयरी विभाग भी गोवंश संरक्षण और पशुधन विकास के लिए कई योजनाएँ चला रहा है। राष्ट्रीय गोकुल मिशन जैसी योजनाओं का उद्देश्य देशी नस्लों का संरक्षण और दुग्ध उत्पादन बढ़ाना है। इससे स्पष्ट होता है कि गाय को पहले से ही विशेष सरकारी संरक्षण प्राप्त है। इसलिए समर्थकों का कहना है कि राष्ट्रीय पशु का दर्जा केवल उस सम्मान को औपचारिक रूप देने जैसा होगा जो भारतीय समाज में गाय को पहले से प्राप्त है।

लेकिन वास्तविक समस्या केवल सम्मान तक सीमित नहीं है। पिछले कुछ वर्षों में देश के अनेक राज्यों में आवारा पशुओं की समस्या गंभीर रूप ले चुकी है। उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश और राजस्थान जैसे राज्यों में किसान खुले घूमते पशुओं से परेशान हैं। जब गाय दूध देना बंद कर देती है या बूढ़ी हो जाती है तो गरीब किसान उसका पालन जारी नहीं रख पाते। परिणामस्वरूप उन्हें सड़कों या खेतों में छोड़ दिया जाता है। ये पशु किसानों की फसलों को नुकसान पहुँचाते हैं और सड़क दुर्घटनाओं का कारण बनते हैं। अनेक ग्रामीण इलाकों में रात भर खेतों की रखवाली करना किसानों की मजबूरी बन गया है। यदि गाय को राष्ट्रीय पशु घोषित किया जाता है और कानून और कठोर हो जाते हैं तो यह संकट और बढ़ सकता है, क्योंकि पशुओं के पुनर्वास के लिए पर्याप्त गौशालाएँ और संसाधन अभी उपलब्ध नहीं हैं। भारत की कृषि व्यवस्था अभी भी छोटे और सीमांत किसानों पर आधारित है।

बोध कथा

क्षणिक और मिथ्या होते हैं सांसारिक संबंध

एक बार संत के पास एक सत्संगी युवक आया। संत ने उससे हाल-चाल पूछा, तो उसने स्वयं को अत्यंत सुखी बताया। वह बोला, 'मुझे अपने परिवार के सभी सदस्यों पर बड़ा गर्व है। उनके व्यवहार से मैं संतुष्ट हूँ। संत बोले, तुम्हें अपने परिवार के प्रति ऐसी धारणा नहीं बनानी चाहिए। इस दुनिया में अपना कोई नहीं होता। जहां तक मां-बाप की सेवा और पत्नी-बच्चों के पालन-पोषण का संबंध है, उसे तो कर्तव्य समझकर ही करना चाहिए। उनके प्रति मोह या आसक्ति रखना उचित नहीं।' युवक को बात जँची नहीं, बोला, आपको विश्वास नहीं कि मेरे परिवार के लोग मुझ पर अत्यधिक स्नेह करते हैं। यदि एक दिन घर न जाऊँ, तो उनकी भूख-प्यास उड़ जाती है और नींद हराम हो जाती है और पत्नी तो मेरे बिना जीवित ही नहीं रह सकती।' संत बोले, 'तुम्हें प्राणायाम तो आता ही है। कल सुबह उठने के बजाय प्राणवायु मस्तक में खींचकर निश्चेष्ट पड़े रहना। मैं आकर सब संभाल लूँगा।' दूसरे दिन युवक ने वैसा ही किया। प्राणायाम से उसने अपनी श्वास को रोक लिया और मृत समान लेटा रहा। उसे निर्जीव जान कर घर के सब लोग विलाप करने लगे। योजना के अनुसार संत उसी समय वहाँ पहुँचे।

सब लोग उनके चरणों पर गिर पड़े। संत बोले, 'आप लोग शोक मत करें। मैं मंत्र के बल पर इसे जिलाने का प्रयत्न करूँगा, किन्तु इसके लिए कटोरी भर पानी किसी को पीना पड़ेगा।

तीर तेवर — सागर कुमार

व्यंग्य केसरी

बधाई हो, आप कॉकरोच बन चुके हैं!

सतीश उपाध्याय

यह वाकई एक बेहद 'प्रगतिशील' और विचित्र दौर है। डार्विन साहब अपनी कब्र में बैठे सोच रहे होंगे कि उन्होंने इंसानी विकास की थ्योरी क्यों दी थी, क्या इसलिए कि अंत में सबको कॉकरोच ही बनना था। लेकिन अफसोस, वो इंसानों के इस नए रूप को देखने के लिए जिंदा नहीं बचे। आज का इंसान कॉकरोच बनकर न सिर्फ जीवित है, बल्कि बेहद खुश और गौरवान्वित भी है. एक बंदे ने तो कॉकरोच पार्टी ही बना डाली और देखते ही देखते न जाने कितने कॉकरोच मेंबर भी बन गए. ? पुराने जमाने के मूर्ख लेखक कह गए— 'अन्याय के खिलाफ आवाज उठाओ।' लेकिन आज का आधुनिक, समझदार और 'स्मार्ट' नागरिक जानता है कि रीढ़ की हड्डी रखने से सिर्फ बैक-पेन होता है, आत्मसम्मान रखने से पेट नहीं भरता इसलिए, इंसान ने अपनी रीढ़ की हड्डी को विसर्जित किया और कॉकरोच का लचीलापन अपना लिया। ?इस नए दौर में कॉकरोच होने के कई ऐतिहासिक फायदे भी तो हैं. कॉकरोच की सबसे बड़ी खूबी क्या है? वह हर गंद में, हर अंधेरे कोने में, सीवर से लेकर फाइव-स्टार होटल के किचन तक—हर जगह सेट हो जाता है। आज का इंसान भी ऐसा ही है। भ्रष्टाचार हो, अन्याय हो, महंगाई हो या चारों तरफ बिखरी अव्यवस्था—वह अपनी मूंछें हिलाता है, थोड़ा सा रेंगता है और उसी गंदगी में अपनी खुशी ढूंढ लेता है। कहते हैं कि अगर दुनिया में परमाणु युद्ध भी हो जाए, तो सिर्फ कॉकरोच ही बचेंगे। आज के 'कॉकरोच-मानव' ने भी यह कला सीख ली है। समाज में कोई भी वैचारिक या नैतिक महामारी आए, इसकी सेहत पर कोई फर्क नहीं पड़ता। यह अपनी आंखें बंद करके, दुबक कर बैठ जाता है और संकट टलते ही फिर से रेंगने लगता है।?कॉकरोच को रोशनी से नफरत होती है। जैसे ही सच या ज्ञान का टॉर्च जलाओ, वह तुरंत भागकर किसी अलमारी के पीछे छिप जाता है। आज के दौर के लोग भी सच, तर्क और रोशनी से उतना ही डरते हैं। उन्हें झूठ और अफ़वाहों के अंधेरे कोनों में रेंगने में जो आनंद आता है, वह किसी मोक्ष से कम नहीं है।

?सबसे मजेदार बात यह है कि इस दौर के कॉकरोचों में कोई हीनभावना नहीं है। वे बाकायदा अपना दल बनाकर, एक-दूसरे की पीठ थपथपाते हैं और कहते हैं—'देखो भाई, जो सच के लिए लड़ा, वह मारा गया। जो रीढ़ की हड्डी लेकर चला, वह कुचल दिया गया। हम देखो, कितने मजे में हैं! और नारा भी लगा रहे हैं कि गर्व से कहो हम कॉकरोच हैं.

अब लोग अपनी नाकामी, कायरता और चापलूसी को प्रतिभा का नाम देते हैं। अपनी आत्मा को सोफे के नीचे किसी कोने में कबाड़ की तरह फेंक दिया गया है, ताकि वह बार-बार जागकर परेशान न करे।

आज के समाज में अगर आप सिर उठाकर चलेंगे, तो मुमकिन है कि किसी दीवार से टकरा जाएं। लेकिन अगर आप कॉकरोच की तरह पेट के बल रेंगेंगे, तो हर छोटे-से-छोटे छेद से भी सुरक्षित निकल जाएंगे।

इतिहास

25 मई के इतिहास में कई महत्वपूर्ण घटनाएं दर्ज हैं, जिनमें मुख्य रूप से 1915 में प्रसिद्ध लेखक और कवि रासबिहारी बोस द्वारा गदर पार्टी की स्थापना, 1961 में अमेरिकी राष्ट्रपति जॉन एफ. केनेडी का चंद्रमा पर मानव भेजने का ऐतिहासिक लक्ष्य, और 2020 में अमेरिका में जॉर्ज फ्लॉयड की हत्या के बाद वैश्विक नस्लवाद विरोधी प्रदर्शनों की शुरुआत शामिल हैं।

आज (25 मई) के दिन की प्रमुख ऐतिहासिक घटनाएंभारत में1915: महान क्रांतिकारी और गदर पार्टी के प्रमुख नेता रासबिहारी बोस ने भारत को ब्रिटिश शासन से मुक्त कराने के उद्देश्य से इस संगठन की स्थापना की।

विश्व स्तर पर1961: अमेरिका के तत्कालीन राष्ट्रपति जॉन एफ. केनेडी ने अमेरिकी कांग्रेस को संबोधित करते हुए दशकों के भीतर चंद्रमा पर मानव भेजने का ऐतिहासिक लक्ष्य रखा।

संक्षिप्त खबरें

सूरजपुर का सियासी संग्रामः कांग्रेस ने चुनाव आयोग से की शिकायत

रायपुर। सूरजपुर के शिवनंदनपुर नगर पंचायत चुनाव में सियासी पारा चढ़ गया है। कांग्रेस ने बीजेपी पर सत्ता का दुरुपयोग कर चुनाव प्रभावित करने का गंभीर आरोप लगाया है। पार्टी का कहना है कि पुलिस प्रशासन के जरिए कांग्रेस के चुनाव संचालक पर फर्जी केस लादकर डराने की कोशिश की जा रही है।

क्या है पूरा विवाद

कांग्रेस का आरोप है कि जिला कांग्रेस कमेटी के महामंत्री और चुनाव संचालन देख रहे नरेन्द्र जैन के खिलाफ आर्म एक्ट के तहत फर्जी एफआईआर दर्ज कराई गई है। पार्टी ने इसे बीजेपी नेताओं का राजनैतिक दबाव बताया। कांग्रेस का दावा है कि स्थानीय पुलिस प्रशासन सत्ता पक्ष के इशारे पर काम कर रहा है और चुनाव कार्य को बाधित करने की साजिश रची जा रही है।

चुनाव आयोग के दरवाजे पर कांग्रेस

इस मामले को लेकर कांग्रेस का प्रतिनिधिमंडल सोमवार को सीधे प्रदेश चुनाव आयोग पहुंचा। पार्टी ने ज्ञापन सौंपकर तत्काल हस्तक्षेप की मांग की। ज्ञापन में मांग की गई कि पूरे प्रकरण का संज्ञान लेकर संबंधित थाना प्रभारी पर कड़ी कार्रवाई की जाए और उन्हें निलंबित किया जाए।

22.6 किलो गांजा के साथ पति-पत्नी गिरफ्तार

अंबिकापुर। उड़ीसा से गांजा लाकर सप्लाई करने वाले पति-पत्नी को सीतापुर पुलिस ने जजगा पुलिया के पास से गिरफ्तार किया। उनके पास 22.6 किलो गांजा जप्त किया। जिसकी कीमत करीब 4 लाख 50 हजार रुपए आंकी गई। कार्रवाई पूरी होने के बाद दोनों आरोपियों को न्यायिक प्रक्रिया के तहत जेल भेज दिया गया। इस कार्रवाई में आबकारी विभाग के अधिकारियों के साथ महिला सैनिकों की भी अहम भूमिका रही।

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार आरोपी रूपनाथ यादव और उसकी पत्नी इच्छा यादव टीवीएस जूपिटर से गांजा लेकर सप्लाई के लिए पहुंचे थे। संदिग्ध परिस्थितियों में खड़े दंपति पर आबकारी टीम को शक हुआ, जिसके बाद पूछताछ की गई। पूछताछ में दोनों ने बोरियों में गांजा होना स्वीकार कर लिया। तलाशी के दौरान भारी मात्रा में गांजा बरामद किया गया।

आबकारी अधिकारी रंजीत गुप्ता ने बताया कि छत्तीसगढ़ में आने वाला लगभग 90 फीसदी गांजा उड़ीसा से तस्करी कर लाया जाता है। उन्होंने कहा कि अवैध नशे के कारोबार पर लगातार कार्रवाई की जा रही है और भविष्य में भी अभियान जारी रहेगा।

नकुलनार साप्ताहिक बाजार के पास अज्ञात युवक का मिला शव

दंतेवाड़ा। जिले में पड़ रही भीषण गर्मी के बीच नकुलनार साप्ताहिक बाजार स्थल के पास एक युवक सड़क किनारे मृत अवस्था में मिला। बताया जा रहा है कि युवक करीब दो घंटे तक खुले में सड़क किनारे पड़ा हुआ था, जिसके बाद उसकी मौत हो गई। घटना के बाद आस-पास मौजूद लोगों ने पुलिस को इसकी सूचना दी। स्थानीय लोगों के अनुसार युवक शराब के नशे में था या फिर चक्कर खाकर सड़क किनारे गिर गया था, इसका खुलासा पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही हो सकेगा।

फिलहाल युवक की पहचान नहीं हो पाई है और यह भी स्पष्ट नहीं हो सका है कि वह किस गांव का रहने वाला था। सूचना मिलने पर कुआकोंडा पुलिस मौके पर पहुंची और शव का पंचनामा कार्रवाई कर उसे अस्पताल भिजवाया। पुलिस युवक की पहचान कर रही है। जिले में पिछले चार दिनों से तापमान लगातार 41 से 43 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच रहा है। ऐसे में आशंका जताई जा रही है कि भीषण गर्मी और लू की वजह से भी युवक की मौत हो सकती है।

रायगढ़ की सड़कों पर गूंजा घोष, कदम से कदम मिलाकर निकले सैकड़ों स्वयंसेवक

रायगढ़ । रविवार शाम राजमार्ग की सड़कों पर घोष की थाप और कदमों की कदमताल गूंज उठी, जब सैकड़ों स्वयंसेवक अनुशासित पथ संचलन करते हुए निकले। यह आयोजन वैदिक इंटरनेशनल स्कूल, पटेल पाली में चल रहे 'संघ शिक्षा वर्ग' के अभ्यास के तहत किया गया था। 150 स्वयंसेवकों ने संगठनात्मक एकता का अदभुत प्रदर्शन किया। इस पथ संचलन में छत्तीसगढ़ प्रांत के विभिन्न जिलों से आए लगभग 150 स्वयंसेवकों ने पूर्ण गणवेश में भाग लिया। 21 से 40 वर्ष आयु वर्ग के इन स्वयंसेवकों के अनुशासित कदमों ने संगठनात्मक भावना और सांस्कृतिक पहचान का प्रभावशाली प्रदर्शन किया। यह पंथ संचलन कोड़ातराई से वैदिक स्कूल तक हुआ। शाम 7 बजे शुरू हुआ पथ संचलन कोड़ातराई स्कूल मार्ग से होते हुए वापस वैदिक इंटरनेशनल स्कूल में संपन्न हुआ। इस दौरान मार्ग के दोनों ओर और चौराहों पर बड़ी संख्या में नगरवासी अनुशासित संचलन देखने के लिए एकत्र हुए। लोगों ने आत्मीय भाव से पुष्पवर्षा कर स्वयंसेवकों का स्वागत किया।

संघ का मतलब अनुशासन और समर्पण

आयोजन के संबंध में बताया गया कि 'संघ का मतलब अनुशासन है और देश के प्रति निष्ठा और समर्पण है, जो इतनी भीषण गर्मी में भी स्वयंसेवक 15 दिन के प्रशिक्षण वर्ग में सीख रहे हैं।'

सुबह 4 बजे से देर शाम तक चलता है प्रशिक्षण

'संघ शिक्षा वर्ग' संघ के संगठनात्मक ढांचे में एक महत्वपूर्ण प्रशिक्षण है, जिसका उद्देश्य संगठनात्मक विकास और नेतृत्व क्षमता का निर्माण करना है। प्रतिभागियों का दैनिक कार्यक्रम सुबह 4 बजे से शुरू होकर देर शाम तक चलता है। वर्ग में शाखा संचालन, संगठनात्मक सिद्धांत, समकालीन राष्ट्रीय विषयों पर चर्चा तथा सामाजिक जागरूकता और समाज परिवर्तन से जुड़ी है।

एक खाद दुकान का लाइसेंस निलंबित, कई विक्रेताओं को नोटिस

धमतरी। धमतरी जिले में किसानों को निर्धारित दर पर गुणवत्तापूर्ण उर्वरक उपलब्ध कराने के लिए कृषि विभाग ने सख्त कार्रवाई शुरू कर दी है। औचक निरीक्षण के दौरान अनियमितता पाए जाने पर एक उर्वरक विक्रेता का लाइसेंस तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया, जबकि कई निजी और सहकारी विक्रय केन्द्रों को कारण बताओ नोटिस जारी किए गए हैं। विभाग ने साफ कर दिया है कि कालाबाजारी, अधिक कीमत व अनियमित बिक्री किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

किसानों को उचित मूल्य पर गुणवत्तापूर्ण उर्वरक उपलब्ध कराने के उद्देश्य से कृषि विभाग की टीम लगातार जिलेभर में निरीक्षण कर रही है। उप संचालक कृषि, उर्वरक, बीज एवं कीटनाशी निरीक्षकों सहित विभागीय अधिकारियों ने धमतरी, कुरूद, मगरलोड और नगरी विकासखंड के कई सहकारी एवं निजी उर्वरक विक्रय केन्द्रों का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान मेसर्स लक्ष्मी ट्रेडर्स भखारा में गंभीर अनियमितता सामने आई। यहां निर्धारित मात्रा से अधिक उर्वरक बिक्री और भूमिहीन व्यक्ति को उर्वरक बेचने की पुष्टि होने पर दुकान का लाइसेंस निलंबित कर दिया गया। वहीं मेसर्स काप केयर एण्ड ट्रेडिंग झिरिया, पारस कृषि केन्द्र सोनामगर, कर्मा ट्रेडर्स सेमरा, कृष्णा फर्टिलाईजर कुरूद और राज कृषि केन्द्र नगरी को कारण बताओ नोटिस जारी कर जवाब तलब किया गया है।

जतरा कार्यक्रम का प्रसाद ग्रहण करने वाले 17 ग्रामीण फूड पॉइजनिंग के हुए शिकार

कोंडागांव। जिले के माकड़ी के ग्राम ताम्रावंड में जतरा कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में ग्रामीण शामिल हुए। कार्यक्रम के दौरान देवी-देवताओं की पूजा-अर्चना की गई और श्रद्धालुओं के बीच रविवार रात्री में प्रसाद एवं भोजन वितरित किया गया।

बताया जा रहा है कि प्रसाद और भोजन ग्रहण करने के बाद रविवार को गांव के लोगों की तबीयत अचानक बिगडने लगी। लोगों को उल्टी-दस्त और पेट दर्द की शिकायत होने लगी, जिससे गांव में हड़कंप मच गया। मिली जानकारी के अनुसार 17 मरीजों को तत्काल माकड़ी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया, जिनमें से 9 गंभीर मरीजों को बेहतर उपचार के लिए जिला अस्पताल कोण्डागांव रेफर किया गया। घटना की सूचना मिलते ही मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी कार्यालय कोण्डागांव के नेतृत्व में स्वास्थ्य विभाग की टीम गांव के लिए रवाना हो गई है। स्वास्थ्य अमला प्रभावित ग्रामीणों की जांच और उपचार में जुटा है। प्रशासन मामले की गंभीरता को देखते हुए लगातार निगरानी कर रहा है। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मकड़ी डॉ. भौमिक ने बताया को प्रसाद और भोजन ग्रहण करने के बाद गांव के करीब 17 ग्रामीणों की तबीयत अचानक बिगडने लगी। डायरिया वोमिटिंग और डिहाइड्रेशन की समस्या के साथ मेरे पास आए थे। उनका उपचार किया गया, जिसमें से 9 लोगों की स्थिति ज्यादा गंभीर थी, उनको पहले प्राथमिक उपचार देते हुए उनका इलाज किया गया, यह थोड़ा ठीक होने पर तत्काल कोंडागांव रेफर किया गया और बाकी लोगों का उपचार जारी है।

मिनीमाता बांगो डिवीजन-इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के मध्य समझौता ज्ञापन

रायपुर । जशपुर के बगिया क्षेत्र में कृषि एवं ग्रामीण विकास को नई दिशा प्रदान करने में इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय, रायपुर एवं मिनीमाता बांगो डिवीजन, माचाडोली, कटघोरा के मध्य फार्मर रिलेशनशिप एजेंसी निर्धारण हेतु एक समझौता (एमओयू) किए गया। इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. गिरीश चंदेल की उपस्थिति में संपन्न समझौता ज्ञापन पर अखिलेश साहू, कार्यपालन अभियंता, मिनीमाता बांगो डिवीजन, कटघोरा एवं डॉ. एस. एस. टुटेजा, निदेशक विस्तार सेवाएं, इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय, रायपुर द्वारा हस्ताक्षर किए गए। यह समझौता जशपुर के बगिया क्षेत्र के किसानों को वैज्ञानिक कृषि तकनीकों से जोड़ते हुए उनकी आय वृद्धि, कृषि उत्पादन में सुधार एवं ग्रामीण कृषि व्यापार को सशक्त बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। इस समझौता ज्ञापन के अंतर्गत मिनीमाता बांगो बांध के कमांड क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले 13 गांवों में विभिन्न कृषि विकास गतिविधियों का संचालन किया जाएगा। इन गतिविधियों के क्रियान्वयन हेतु कृषि विज्ञान केन्द्र, जशपुर को नोडल एजेंसी के रूप में कार्य करने की जिम्मेदारी सौंपी गई है। परियोजना के माध्यम से किसानों के खेतों का मृदा परीक्षण, फसल एवं वर्तमान कृषि स्थिति का विस्तृत सर्वेक्षण किया जाएगा। साथ ही किसानों एवं ग्रामीण समुदाय के मध्य परियोजना संबंधी जागरूकता निर्माण हेतु विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। किसानों के खेतों में वैज्ञानिक पद्धति से फसल प्रदर्शन कर आधुनिक कृषि तकनीकों का प्रत्यक्ष प्रदर्शन किया जाएगा ताकि किसान नवीन तकनीकों को अपनाकर बेहतर उत्पादन प्राप्त कर सकें। कृषकों को उन्नत कृषि आदान सामग्री जैसे उन्नत बीज, जैव उर्वरक एवं अन्य आवश्यक संसाधन उपलब्ध कराए जाएंगे। इसके अतिरिक्त उद्यानिकी फसलों की उन्नत तकनीकों के प्रचार-प्रसार के साथ-साथ उद्यानिकी फसलों हेतु उन्नत बीज, जैव उर्वरक एवं कृषि यंत्र भी उपलब्ध कराए जाएंगे। परियोजना का उद्देश्य किसानों को टिकाऊ एवं लाभकारी कृषि प्रणाली से जोड़ना है।

इस परियोजना के अंतर्गत ग्रामीण युवाओं एवं पानी कृषि मित्रों का प्रशिक्षण एवं क्षमता विकास कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे, जिससे उन्हें कृषि आधारित रोजगार एवं स्वरोजगार के अवसर प्राप्त हो सकें। किसानों के लिए समय-समय पर प्रक्षेत्र दिवसों का आयोजन किया जाएगा, जहां विशेषज्ञों द्वारा आधुनिक कृषि तकनीकों, जल प्रबंधन, फसल विविधीकरण एवं बाजारोन्मुख खेती की जानकारी प्रदान की जाएगी।

किसान ने रिश्वत लेते पटवारी गिरफ्तार

बेमेतरा। काम के एवज में किसान ने रिश्वत लेते पटवारी को एंटी करप्शन ब्यूरो की टीम ने रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। जमीन के बटांकन, खाता विभाजन कर ऋण पुस्तिका बनाने के लिए पटवारी ने 15 हजार रुपए की रिश्वत मांगी थी। जिसकी शिकायत पीड़ित ने एसीबी में कर दी। तब एंटी करप्शन ब्यूरो की रायपुर की टीम ने जाल बिछाकर सुनियोजित कार्यवाही करते हुए रिश्वत की पहली किश्त 15 हजार रुपए लेते हुए पटवारी को रंगे हाथों गिरफ्तार किया है।

पूरा मामला बेमेतरा जिले का है। प्रार्थी नरोत्तम साहू, ग्राम बोड़, जिला बेमेतरा ने एन्टी करप्शन ब्यूरो, रायपुर में शिकायत की थी, जमीन के बटांकन ,खाता विभाजन कर ऋण पुस्तिका बनाने के लिए पटवारी ओमकार सोनवानी, ग्राम बोड़, तहसील साजा, जिला बेमेतरा द्वारा 25,000 रुपए रिश्वत की मांग की जा रही है। प्रार्थी रिश्वत नहीं देना चाहता था बल्कि आरोपी को रिश्वत लेते रंगे हाथों पकड़वाना चाहता था।

शिकायत का सत्यापन कराने पर शिकायत सही पाई गई और सत्यापन दौरान मोलभाव कर आरोपी द्वारा 15,000 रूपये लेने हेतु सहमति दी गई। आज 25 मई को ट्रेप आयोजित कर प्रार्थी से आरोपी पटवारी ओमकार सोनवानी को 15,000 रूपये रिश्वत लेते रंगे हाथों पकडा गया। आरोपी को गिरफ्तार कर उनके विरुद्ध धारा 7 पीसीएक्ट 1988 (संशोधित अधिनियम 2018) के प्रावधानों के तहत् अग्रिम कार्यवाही की गई।

जनजाति समागम में बिछड़े सुकमा के 3 ग्रामीण सुरक्षित मिले

जगदलपुर। नई दिल्ली में आयोजित जनजाति समागम के दौरान सुकमा जिले से आए बस्तर के तीन ग्रामीण अनजाने में अपने समूह से बिछड़ गए थे। जैसे ही इसकी जानकारी बस्तर सांसद महेश कश्यप को प्राप्त हुई, उन्होंने इसे गंभीरता से लेते हुए तत्काल त्वरित संज्ञान में लेकर दिल्ली में मौजूद अपने सहयोगियों और साथियों की एक टीम को सक्रिय किया और सघन प्रयास कर कुछ ही घंटों के भीतर तीनों बस्तरिया भाइयों को सुरक्षित खोज निकाला।

एक महानगर और अजनबी शहर में अपनों से बिछड़ जाने के कारण कार्यकर्ताओं के मन में उपजी घबराहट और मानसिक परेशानी को समझते हुए, सांसद महेश कश्यप ने उन्हें तुरंत नई दिल्ली स्थित अपने आधिकारिक आवास पर लाने के निर्देश दिए। आवास पर तीनों बस्तरिया भाइयों के ठहरने, विश्राम और खान पान की व्यवस्था सुनिश्चित की गई। वर्तमान में सुकमा के तीनों ग्रामीण पूरी तरह सुरक्षित, स्वस्थ और निश्चिंत हैं। सकुशल वापस छत्तीसगढ़ के सुकमा जिले उनके गृह ग्राम भेजने के लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं पूरी कर ली गई हैं।

बस्तर सांसद महेश कश्यप ने सोमवार को बताया कि सार्वजनिक जीवन में पद और प्रतिष्ठा से कहीं अधिक बड़ा अपनों के सुख दुःख में उनके साथ मजबूती से खड़े रहना होता है। अजनबी शहर में अपनों को सुरक्षित और मुस्कुराते हुए देखकर मेरे मन को अत्यंत सुकून और आत्मसंतुष्टि की अनुभूति हुई है। बस्तर का हर एक नागरिक मेरा अपना परिवार है और उनकी सुरक्षा, मान सम्मान तथा सेवा के लिए मैं सदैव तत्पर और प्रतिबद्ध हूं।

सुरक्षाबलों ने पूर्व में सक्रिय रहे नक्सलियों के 4 डंप किए बरामद

सुकमा। जिले में सुरक्षाबलों ने अलग-अलग थाना इलाके में कार्रवाई करते हुए नक्सलियों के 4 डंप बरामद किए हैं। नक्सलियों ने जंगल-पहाडि़यों में हथियार, विस्फोटक, वायरलेस सेट, लैपटॉप, बीजीएल सेल और अन्य नक्सली उपयोगी सामग्री छिपाकर रखी हुई थी, जिसे सुरक्षाबलों ने बरामद किया है।

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार पूर्व में सक्रिय रहे और अब आत्मसमर्पण कर चुके नक्सलियों से मिले इनपुट के आधार पर यह कार्रवाई की गई। अभियान थाना कुकानार, चिंतलनार और चिंतागुफा क्षेत्र में चलाया गया। थाना कुकानार क्षेत्र के ग्राम गादम के जंगल-पहाड़ी इलाके में 17 मई को डीएसपी रविकांत सहारे के नेतृत्व में संयुक्त टीम ने सर्चिंग के दौरान 42 इलेक्ट्रिक डेटोनेटर, 8 कंट्रीमेड हैंड ग्रेनेड, 4 हैंड ग्रेनेड और करीब 10 किलो जिलेटिन पाउडर सहित अन्य विस्फोटक सामग्री बरामद की। वहीं 21 मई को थाना चिंतलनार क्षेत्र के तुमालपारा जंगल में कोबरा और सीआरपीएफ की संयुक्त टीम ने 8 भरमार बंदूक, 3 बीजीएल सेल, 1 ग्रेनेड, वायरलेस सेट, 6.6 किलो विस्फोटक सामग्री और अन्य सामान बरामद किया। इसके अलावा 23 मई को चिंतलनार क्षेत्र के नागाराम जंगल से एके-47 के 29 राउंड, डेटोनेटर, वर्दी कपड़ा और दैनिक उपयोग की सामग्री जब्त की गई। वहीं आज 24 मई को थाना चिंतागुफा क्षेत्र के ईरापल्ली जंगल में भी नक्सलियों का डंप मिला है। जहां संयुक्त बल ने लैपटॉप, मोटोरोला और आईकॉम वायरलेस सेट, सुतली बम, स्टील बॉल बेयरिंग, कॉपर वायर, नक्सली झंडे और अन्य सामग्री बरामद की गई । पूर्व में सक्रिय रहे नक्सलियों ने सुरक्षाबलों को नुकसान पहुंचाने की नीयत से इन सामग्रियों को जंगलों में छिपाकर रखा था। लगातार सर्चिंग अभियान के जरिए ऐसे नक्सली डंप को चिन्हित कर कार्रवाई की जा रही है।

38 लाख के गबन का खुलासा, सेल्स ऑफिसर गिरफ्तार

दुर्ग। दुर्ग जिले में करोड़ों के कारोबार से जुड़ी एक बड़ी आर्थिक धोखाधड़ी का खुलासा हुआ है। जेवरा सिरसा स्थित गोयल ट्रेडर्स में पदस्थ एरिया सेल्स ऑफिसर ने कंपनी को लाखों रुपये का चूना लगाते हुए करीब 38 लाख रुपये का गबन कर दिया। मामले का खुलासा होते ही दुर्ग पुलिस हरकत में आई और लंबे समय से फरार आरोपी को बिलासपुर से गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेज दिया गया।

26 महीनों तक चलता रहा गबन का खेल

पुलिस जांच में सामने आया कि आरोपी राजेश जायसवाल वर्ष 2020 से 2022 के बीच लगभग 26 महीनों तक कंपनी के व्यापारियों से रकम वसूलता रहा, लेकिन वह राशि कंपनी के खाते में जमा नहीं की गई। आरोपी ने चाय पत्ती, सेवई, वाशिंग पाउडर और अन्य पैकेजिंग सामग्री के विक्रय से मिली रकम को अपने निजी उपयोग में खर्च कर दिया।

जांच और पूछताछ के दौरान आरोपी ने स्वीकार किया कि उसने गबन की रकम से निजी मकान निर्माण कराया और अन्य व्यक्तिगत खर्चों में पैसे का इस्तेमाल किया। पुलिस के अनुसार आरोपी ने योजनाबद्ध तरीके से कंपनी को आर्थिक नुकसान पहुंचाया। मामला दर्ज होने के बाद दुर्ग पुलिस लगातार आरोपी की तलाश में जुटी हुई थी। आखिरकार पुलिस टीम ने बिलासपुर में दबिश देकर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी के खिलाफ धारा 409 और 420 भारतीय दंड संहिता के तहत अपराध दर्ज कर न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उसे न्यायिक रिमांड पर भेज दिया गया। पुलिस ने मामले से जुड़े महत्वपूर्ण दस्तावेज और लेन-देन संबंधी अभिलेख भी जब्त किए हैं। मामले की विस्तृत जांच अभी जारी है और पुलिस यह भी पता लगाने में जुटी है कि गबन की रकम का और कहां उपयोग किया गया।

देश में उर्वरकों की कोई कमी नहीं, आपूर्ति भी स्थिर : केंद

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने सोमवार को कहा कि देश में उर्वरकों की कोई कमी नहीं है और आपूर्ति सामान्य स्तरों से अधिक एवं स्थिर बनी हुई है। साथ ही कहा कि मौजूदा समय में देश में वार्षिक जरूरत का करीब 51 प्रतिशत स्टॉक उपलब्ध है।

भारत सरकार के रसायन और उर्वरक मंत्रालय के तहत आने वाले उर्वरक विभाग की अतिरिक्त सचिव अपर्णा एस. शर्मा ने कहा कि चालू वर्ष में देश में 390.54 लाख मीट्रिक टन उर्वरकों की आवश्यकता होगी। वहीं, मौजूदा उर्वरकों का स्टॉक स्तर 200.12 लाख मीट्रिक टन है, जो कि बेंचमार्क 33 प्रतिशत से काफी अधिक है।

शर्मा ने कहा कि मध्य पूर्व संकट शुरू होने के बाद घरेलू उत्पादन और आयात मजबूत बने रहे हैं, जिससे उर्वरकों की उपलब्धता को समर्थन मिला है।

उन्होंने बताया कि कुल घरेलू उत्पादन लगभग 95 लाख मीट्रिक टन रहा है, जबकि लगभग 22.60 लाख मीट्रिक टन के आयात ने आपूर्ति को और मजबूत किया है। इससे उर्वरकों की उपलब्धता में 117.6 लाख मीट्रिक टन बढ़ी है।

अतिरिक्त सचिव ने बताया कि देश ने प्रमुख उर्वरकों की पर्याप्त मात्रा सुरक्षित कर ली है, जिसमें 13.5 लाख मीट्रिक टन डायअमोनियम फॉस्फेट (डीएपी) और 9 लाख मीट्रिक टन नाइट्रोजन, फॉस्फोरस और पोटैशियम (एनपीके) जैसे मिश्रित उर्वरक शामिल हैं, जिससे आगामी खरीफ सीजन के लिए पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित हो गई है।

उर्वरक उत्पादन के लिए आवश्यक कच्चे माल की उपलब्धता भी संतोषजनक बनी हुई है और विभाग द्वारा इसकी नियमित रूप से समीक्षा की जा रही है। सरकार ने बताया कि यूरिया का घरेलू उत्पादन 57.66 लाख मीट्रिक टन रहा, जबकि आयात 13.60 लाख मीट्रिक टन रहा। डीएपी का उत्पादन 7.93 लाख मीट्रिक टन रहा, जबकि आयात 0.88 लाख मीट्रिक टन रहा।

एनपीके का घरेलू उत्पादन 18.71 लाख मीट्रिक टन रहा और आयात 4.44 लाख मीट्रिक टन रहा।

इसके अतिरिक्त, सिंगल सुपर फॉस्फेट (एसएसपी) का उत्पादन 10.70 लाख मीट्रिक टन रहा और इसका कोई आयात नहीं हुआ, जबकि पोटेशियम क्लोराइड या म्यूरिएट ऑफ पोटाश (एमओपी) पूरी तरह से आयात पर निर्भर था, जिसका 3.68 लाख मीट्रिक टन आयात किया गया और कोई घरेलू उत्पादन नहीं हुआ।

भारत में क्रिएटर्स के लिए बढ़ रहे मौके, जॉब पोस्टिंग में बीते छह वर्षों में आया 900 प्रतिशत का उछाल : रिपोर्ट

नई दिल्ली। भारत की क्रिएटर अर्थव्यवस्था तेजी से बढ़ रही है और 2020 से 2026 की शुरुआत में क्रिएटर से जुड़ी जॉब पोस्टिंग में 919 प्रतिशत की बढ़ोतरी देखने को मिली है। यह जानकारी सोमवार को जारी एक रिपोर्ट में दी गई।

जॉब सर्च वेबसाइट इनडीड ने कहा कि क्रिएटर रोल 2020 में लगभग हर 1,000 मार्केटिंग नौकरियों में से 1 का प्रतिनिधित्व करती थीं, अब लगभग हर 100 में से 1 का प्रतिनिधित्व करती हैं।

रिपोर्ट में बताया गया कि कंपनियां द्वारा एक बार के इन्फ्लुएंसर कोलैबोरेशन से हटकर अधिक नियमित और स्थायी भर्ती मॉडल अपनाने के कारण क्रिएटर्स की भूमिकाओं में तेजी से हो रही वृद्धि हो रही है।

रिपोर्ट में बताया गया है कि कंटेंट क्रिएटर्स, इन्फ्लुएंसर और सोशल मीडिया प्रोफेशनल्स जैसी भूमिकाएं औपचारिक संगठनात्मक संरचनाओं में तेजी से शामिल होती जा रही हैं। रिपोर्ट में कहा गया कि इकोसिस्टम में नए इन्फ्लुएंसर टैलेंट का आना जारी है, लेकिन क्रिएटर भूमिकाओं के लिए संगठनों की मांग आपूर्ति से कहीं अधिक है, जिससे एक महत्वपूर्ण टैलेंट गैप पैदा हो रहा है।

रिपोर्ट में बताया गया है कि संगठन केवल व्यक्तिगत क्रिएटर्स पर निर्भर रहने के बजाय एकीकृत, संपूर्ण कंटेंट क्षमताएं विकसित कर रहे हैं।

मार्च 2025 से फरवरी 2026 के बीच, लगभग 40 प्रतिशत क्रिएटर पदों को इन्फ्लुएंसर पदों के रूप में वर्गीकृत किया गया; 20 प्रतिशत को मार्केटिंग एक्जीक्यूटिव और 17 प्रतिशत को मार्केटिंग इंटर्न के रूप में वर्गीकृत किया गया।

क्रिएटर से संबंधित लगभग 60 प्रतिशत भर्तियां अब पारंपरिक इन्फ्लुएंसर पदों से बाहर हो रही हैं, जिनमें वीडियो प्रोडक्शन, कम्युनिटी मैनेजमेंट और कंटेंट ऑपरेशंस जैसे पद शामिल हैं, जो कंटेंट के एग्जीक्यूशन और एंगेजमेंट स्तरों को कवर करते हैं।

रिपोर्ट में कहा गया है कि हजारों युवा भारतीयों के लिए, जिन्होंने वर्षों तक अपने वीडियो एडिटिंग और स्टोरीटेलिंग कौशल को निखारा है, क्रिएटर पदों का औपचारिक रूप से निर्धारण इकोसिस्टम के भीतर एक नए स्तर की संरचना ला रहा है।

एनबीसीसी का मुनाफा वित्त वर्ष 26 की चौथी तिमाही में 39 प्रतिशत बढ़कर 253 करोड़ रुपए रहा

नई दिल्ली। सरकारी कंपनी एनबीसीसी (इंडिया) लिमिटेड ने सोमवार को वित्त वर्ष 26 की चौथी तिमाही के नतीजे जारी किए। कंपनी का मुनाफा जनवरी-मार्च अवधि में सालाना आधार पर 38.78 प्रतिशत बढ़कर 253.51 करोड़ रुपए हो गया है, जो कि पहले 182.66 करोड़ रुपए पर था।

कंपनी ने कहा कि मार्च तिमाही में कंपनी की ऑपरेशंस से आय सालाना आधार पर 1.80 प्रतिशत कम होकर 4,559.79 करोड़ रुपए हो गई है, जो कि पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में 4,643.84 करोड़ रुपए थी।

तिमाही आधार पर एनबीसीसी का मुनाफा 28.5 प्रतिशत और आय 51 प्रतिशत बढ़ी है।

कंपनी की आय का सबसे बड़ा स्रोत - प्रोजेक्ट मैनेजमेंट कंसल्टेंसी (पीएमसी) कारोबार-वित्त वर्ष 2026 की चौथी तिमाही में सालाना आधार पर लगभग 2 प्रतिशत की मामूली वृद्धि दर्ज करते हुए 4,356.78 करोड़ रुपए तक पहुंच गया।

हालांकि, अन्य क्षेत्रों में इस तिमाही में मंदी देखी गई। रियल एस्टेट सेगमेंट की आय पिछले वर्ष की इसी अवधि के 161.39 करोड़ रुपए से घटकर 42.72 करोड़ रुपए रह गई है।

इसी तरह, इंजीनियरिंग, प्रोक्योरमेंट और कंस्ट्रक्शन (ईपीसी) सेगमेंट से आय भी पिछले वर्ष के 211 करोड़ रुपए से घटकर 140 करोड़ रुपए रह गई।

परिचालन स्तर पर ईबीआईटीडीए मार्च तिमाही में 287 करोड़ रुपए रहा, जो पिछले वर्ष की इसी अवधि के 297 करोड़ रुपए से 3.4 प्रतिशत कम है।

एनबीसीसी के निदेशक मंडल ने आगामी वार्षिक आम बैठक में शेयरधारकों की स्वीकृति के अधीन, वित्त वर्ष 2026 के लिए प्रति शेयर 1 रुपए अंकित मूल्य पर 0.46 रुपए का अंतिम लाभांश देने की भी सिफारिश की है।

कंपनी ने कहा कि यदि डिविडेंड स्वीकृत हो जाता है, तो घोषणा की तारीख से 30 दिनों के भीतर इसका भुगतान कर दिया जाएगा।

एनबीसीसी का शेयर नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) पर 2.11 प्रतिशत की तेजी के साथ 96.82 रुपए पर बंद हुआ।

रुपए में कमजोरी से घबराने की आवश्यकता नहीं, वैश्विक अस्थिरता घटने पर आएगी रिकवरी: अरविंद पनगढ़िया

नई दिल्ली। अर्थशास्त्री और पूर्व नीति आयोग के वाइस-चेयरमैन अरविंद पनगढ़िया ने कहा कि अगर डॉलर के मुकाबले रुपया 100 के स्तर को छूता है तो घबराने की आवश्यक नहीं है, क्योंकि जैसे ही वैश्विक अस्थिरता का दौर समाप्त होने लगेगा, रुपए में तेजी लौटेगी।

एडीटीवी से बातचीत करते हुए पनगढ़िया ने कहा कि भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) को मनोवैज्ञानिक स्तर की रक्षा के लिए मुद्रा बाजार में अत्यधिक हस्तक्षेप करने के बजाय विनिमय दर को स्वाभाविक रूप से समायोजित होने देना चाहिए।

अर्थशास्त्री के मुताबिक, डॉलर के मुकाबले रुपए के 100 के स्तर पर पहुंचने पर घबराने की आवश्यकता नहीं है। वैश्विक अनिश्चितता और भू-राजनीतिक तनाव के दौर में बाहरी झटकों को अवशोषित करने में विनिमय दर को अपना काम करने की अनुमति दी जानी चाहिए।

पनगढ़िया ने कहा कि अगर केंद्रीय बैंक डॉलर के मुकाबले रुपए में गिरावट को रोकने के लिए आक्रामक रूप से कदम उठाता है तो इससे देश के विदेशी मुद्रा भंडार पर दबाव बढ़ सकता है। अर्थशास्त्री के मुताबिक, चाहे मौजूदा वैश्विक संकट अस्थायी हो या दीर्घकालिक, मुद्रा के क्रमिक अवमूल्यन से अर्थव्यवस्था को अधिक कुशलता से समायोजित करने में मदद मिलेगी।

इसके अलावा, अर्थशास्त्री ने तर्क दिया कि कच्चे तेल की बढ़ती वैश्विक कीमतों का घरेलू ईंधन की कीमतों पर धीरे-धीरे प्रभाव पड़ना चाहिए, न कि उन्हें कृत्रिम रूप से कम किया जाना चाहिए।

उन्होंने कहा, 'सरकार किसी भी उत्पाद की निश्चित कीमत की गारंटी देने के लिए नहीं है।'

पनगढ़िया ने उच्च ब्याज दर वाली एनआरआई जमा योजनाओं के माध्यम से विदेशी मुद्रा प्रवाह को आकर्षित करने के प्रस्तावों पर भी आपत्ति जताई और चेतावनी दी कि ऐसे उपाय अर्थव्यवस्था पर दीर्घकालिक बोझ बढ़ा सकते हैं।

इसके अलावा, उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की नागरिकों से विवेकाधीन विदेशी मुद्रा खर्च को कम करने की अपील का समर्थन किया, लेकिन अनिवार्य प्रतिबंध लगाने के खिलाफ आगाह किया, यह कहते हुए कि ऐसे प्रतिबंध प्रतिकूल साबित हो सकते हैं। इससे पहले, पनगढ़िया ने सोशल मीडिया पर कहा था कि नीति निर्माताओं को 100 रुपए प्रति डॉलर के मनोवैज्ञानिक स्तर को मौद्रिक रणनीति का आधार नहीं बनने देना चाहिए।

वैश्विक स्तर पर तनाव कम होने और रुपए में मजबूती से सेंसेक्स 1,073 अंक चढ़कर बंद; निफ्टी 24,000 के पार

मुंबई । वैश्विक स्तर पर तनाव कम होने से भारतीय शेयर बाजार सोमवार को बड़ी तेजी के साथ बंद हुआ। कारोबार के अंत में सेंसेक्स 1,073.61 अंक या 1.42 प्रतिशत की मजबूती के साथ 76,488.96 और निफ्टी 312.40 अंक या 1.32 प्रतिशत की मजबूती के साथ 24,031.70 पर बंद हुआ।

बाजार में चौतरफा खरीदारी देखी गई। इसे बैंकिंग शेयरों ने लीड किया। निफ्टी बैंक 2.29 प्रतिशत की तेजी के साथ बंद हुआ। निफ्टी पीएसयू बैंक 2.90 प्रतिशत और निफ्टी प्राइवेट बैंक में 2.09 प्रतिशत की मजबूती देखी गई।

इसके अलावा निफ्टी फाइनेंशियल सर्विसेज 2.24 प्रतिशत, निफ्टी ऑटो 2.71 प्रतिशत, निफ्टी रियल्टी, 1.50 प्रतिशत, निफ्टी ऑयल एंड गैस 1.34 प्रतिशत और निफ्टी एनर्जी में 0.85 प्रतिशत की मजबूती देखी गई। सूचकांकों में केवल निफ्टी एफएमसीजी 0.18 प्रतिशत की गिरावट के साथ बंद हुआ।

लार्जकैप के साथ मिडकैप और स्मॉलकैप में भी मजबूती देखी गई। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 577.30 अंक या 0.94 प्रतिशत की मजबूती के साथ 61,966.60 और निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 246.50 अंक या 1.37 प्रतिशत की बढ़त के साथ 18,202.70 पर बंद हुआ।

सेंसेक्स पैक में बजाज फाइनेंस, एलएंडटी, एचडीएफसी बैंक, बजाज फिनसर्व, इटरनल, कोटक महिंद्रा बैंक, एसबीआई, आईसीआईसीआई बैंक, एमएंडएम, एक्सिस बैंक, टाइटन, मारुति सुजुकी, इंडिगो, अल्ट्राटेक सीमेंट, बीईएल, टेक महिंद्रा, अदाणी पोर्ट्स, आईटीसी और एशियन पेंट्स गेनर्स थे। इन्फोसिस, टीसीएस, सन फार्मा और एचयूएल लूजर्स थे।

बाजार में तेजी की वजह वैश्विक स्तर पर स्थिरता लौटने के संकेत मिलना है। अमेरिका-ईरान के बीच शांति के लिए लगातार बातचीत चल रही है।

रिपोर्ट्स के मुताबिक, अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रूबियो ने कहा कि ईरान के साथ चल रही बातचीत को लेकर आज बड़ी खबर आ सकती है। वहीं, राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप भी कह चुके हैं कि दोनों देश के बीच बातचीत अब अंतिम चरण में है।

इसके अलावा डॉलर के मुकाबले रुपए में मजबूती भी बाजार में तेजी की वजह है। अमेरिकी मुद्रा के मुकाबले भारतीय मुद्रा में सत्र में करीब 0.50 प्रतिशत की तेजी देखी गई और सत्र में यह करीब 1.35 प्रतिशत की मजबूती आ चुकी है। हालांकि, यह अभी भी 95 के ऊपर बना हुआ है।

सोने और चांदी में लौटी तेजी; कीमतें 5,100 रुपए तक बढ़ीं

मुंबई । सोने और चांदी में सोमवार को तेजी देखने को मिली है, जिससे दोनों कीमती धातुओं का दाम करीब 5,100 रुपए तक बढ़ गया है।

इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन (आईबीजेए) की ओर से जारी आंकड़ों के मुताबिक, 24 कैरेट सोने का दाम 740 रुपए बढ़कर 1,58,857 रुपए प्रति 10 ग्राम हो गया है, जो कि पहले 1,58,117 रुपए प्रति 10 ग्राम था।

22 कैरेट सोने की कीमत 1,44,835 रुपए प्रति 10 ग्राम से बढ़कर 1,45,513 रुपए प्रति 10 ग्राम हो गई है। 18 कैरेट सोने की कीमत बढ़कर 1,19,143 रुपए प्रति 10 ग्राम हो गई है, जो कि पहले 1,18,588 रुपए प्रति 10 ग्राम थी।

सोने की अपेक्षा चांदी की कीमतों में अधिक तेजी देखी गई है। इसका दाम 5,100 रुपए बढ़कर 2,71,100 रुपए प्रति किलो हो गया है, जो कि पहले 2,66,000 रुपए प्रति किलो था।

आईबीजेए की ओर से दिन में दो बार-सुबह और शाम कीमतों को अपडेट किया जाता है।

अंतरराष्ट्रीय बाजारों में सोने और चांदी की कीमतों में तेजी देखने को मिली है। सोना 0.88 प्रतिशत बढ़कर 4,596 डॉलर प्रति औंस और चांदी 2.06 प्रतिशत की तेजी के साथ 77.76 डॉलर प्रति औंस थी।

एलकेपी सिक्योरिटीज के वाइस प्रेसिडेंट रिसर्च एनालिस्ट जतीन त्रिवेदी ने कहा कि सोने में सकारात्मक कारोबार हुआ है। इसकी वजह डॉलर के मुकाबले रुपए में तेजी आना है।

उन्होंने आगे कहा कि सोने में तेजी आने की वजह अमेरिका-ईरान के बीच समझौता होने की उम्मीद है। इससे बुलियन बाजार में सेंटीमेंट को सपोर्ट मिला है। तकनीकी तौर पर सोने के लिए सपोर्ट 1,58,500 रुपए और रुकावट का स्तर 1,60,500 रुपए था।

मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर भी सोने और चांदी की कीमतों में तेजी देखने को मिली है। खबर लिखे जाने तक, सोने का 5 जून 2026 का कॉन्ट्रैक्ट 0.29 प्रतिशत की तेजी के साथ 1,59,140 रुपए और चांदी का 3 जुलाई 2026 का कॉन्ट्रैक्ट 1.36 प्रतिशत की तेजी के साथ 2,75,534 रुपए पर था।

एथेनॉल आधारित स्टोव पर खाना बनाने की लागत एलपीजी से कम : नितिन गडकरी

नई दिल्ली। केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने एथेनॉल आधारित स्वदेशी कुकिंग स्टोव टेक्नोलॉजी का अनावरण किया और कहा कि इस स्वदेशी स्टोव पर कमर्शियल एलपीजी की तुलना में कम कीमत पर खाना बनाया जा सकता है। साथ ही, उन्होंने युवा भारतीयों की विज्ञान में रुचि को बढ़ावा देने के लिए 40 करोड़ रुपए की एक पहल की घोषणा भी की।

नागपुर में एक कार्यक्रम में बोलते हुए गडकरी ने कहा कि नई तकनीक में खाना पकाने के लिए उपयुक्त लौ उत्पन्न करने के लिए एथेनॉल और पानी के मिश्रण का उपयोग किया जाता है।

मंत्री ने कहा, 'पानी में 7 प्रतिशत एथेनॉल मिलाकर स्टोव से लौ उत्पन्न की जा सकती है, और यह खाना पकाने वाली गैस से सस्ती है। यह हमारे देश में ही विकसित की गई है।'

यह घोषणा जीवाश्म ईंधन के टिकाऊ और किफायती विकल्प के रूप में एथेनॉल के लिए गडकरी के लंबे समय से चले आ रहे समर्थन के अनुरूप है।

पिछले कई वर्षों से, उन्होंने परिवहन और ऊर्जा सहित विभिन्न क्षेत्रों में यह तर्क देते हुए एथेनॉल के उपयोग को लगातार बढ़ावा दिया कि यह आयातित कच्चे तेल पर भारत की निर्भरता को कम करने में मदद कर सकता है, साथ ही घरेलू कृषि और स्वच्छ ऊर्जा लक्ष्यों का समर्थन भी कर सकता है।

भारत वर्तमान में अपनी कच्चे तेल की आवश्यकताओं का लगभग 87 प्रतिशत आयात करता है, जिससे ऊर्जा सुरक्षा एक प्रमुख नीतिगत प्राथमिकता बन जाती है। सरकार ने पेट्रोल में एथेनॉल मिश्रण को आक्रामक रूप से बढ़ाया है, मिश्रण का स्तर 2014 में 1.53 प्रतिशत से बढ़कर 2025 में 20 प्रतिशत हो जाएगा। गडकरी को एथेनॉल-मिश्रण कार्यक्रम के बड़े समर्थकों में से एक माना जाता है। प्रस्तावित एथेनॉल आधारित स्टोव तकनीक इस दृष्टिकोण को घरेलू खाना पकाने के क्षेत्र तक विस्तारित करती है, जहां लाखों परिवार अभी भी एलपीजी सिलेंडरों पर निर्भर हैं। यदि इसे सफलतापूर्वक बड़े पैमाने पर लागू किया जाता है और इसका व्यवसायीकरण किया जाता है, तो यह इनोवेशन पारंपरिक खाना पकाने वाली गैस का एक सस्ता, स्थानीय स्तर पर विकसित विकल्प प्रदान कर सकता है, साथ ही भारत के स्वच्छ ऊर्जा पारिस्थितिकी तंत्र को और मजबूत कर सकता है। गडकरी ने कहा, 'जैसे-जैसे प्रौद्योगिकी विकसित हो रही है, हम युवाओं और बच्चों में विज्ञान के प्रति प्रेम जगाने के लिए 40 करोड़ रुपए की एक परियोजना पर भी काम कर रहे हैं।

किचन के चिपचिपे और गंदे स्विच बोर्ड मिनटों में होंगे साफ, बेकिंग सोडा, टूथपेस्ट, सिरके का ऐसे करें इस्तेमाल

घर की साफ-सफाई में अक्सर लोग कमरे, रसोई घर में लगे स्विच बोर्ड को साफ करना भूल जाते हैं. वाइट रंग का स्विच बोर्ड जल्दी गंदा नजर आने लगता है. किचन में लगा स्विच बोर्ड तो तेल-मसालों के कारण बहुत ज्यादा गंदा और चिपचिपा हो जाता है. ऐसे में इसे सप्ताह में एक बार जरूर साफ कर देना चाहिए. आप स्विच बोर्ड को आसानी से क्लीन करने के लिए कुछ आसान से नुस्खों को आजमाकर देख सकते हैं.

घर के हर कमरे, टॉयलेट, किचन, लिविंग रूम में स्विच बोर्ड लगे होते हैं. लोग तरह-तरह के रंगों और डिजाइन्स वाले स्विच बोर्ड लगवाते हैं, लेकिन आमतौर पर सफेद रंग का स्विच बोर्ड ही अधिक घरों में लगा हुआ दिखता है. हालांकि, सफेद रंग पर गंदगी जल्दी नजर आती है, इसलिए स्विच बोर्ड भी अगर वाइट कलर का है तो जल्दी गंदा हो जाता है. खासकर, किचन में लगे स्विच बोर्ड (switch board) को रेगुलर साफ न किया जाए तो खाना बनाते समय तेल-मसाले, भाप, धुंआ के कारण ये जल्दी गंदे हो जाते हैं. यदि इन्हें ऐसे ही छोड़ दिया जाए तो सिर्फ कपड़े से पोछने से ये जल्दी साफ भी नहीं होते हैं. तेल, मसाले और धूल की वजह से स्विच बोर्ड जल्दी गंदे और चिपचिपे हो जाते हैं. सफेद रंग के स्विच बोर्ड देखने में भी खराब लगते हैं. आपका भी स्विच बोर्ड चिपचिपा और गंदगी के कारण सफेद से काला पड़ गया है तो आप यहां बताए कुछ आसान से क्लीनिंग हैक्स और घरेलू उपायों को ट्राई करिए, बिल्कुल नए जैसे चमक उठेंगे घर के सारे स्विच बोर्ड.

स्विच बोर्ड साफ करने से पहले करें ये काम

सबसे पहले अपने घर की मेन स्विच या बिजली सप्लाई बंद कर दें। कभी भी गीले हाथों से बिजली का कोई भी काम न करें. ऐसे में स्विच बोर्ड भी न छुएं।

स्विच बोर्ड साफ करने के लिए ज्यादा पानी का इस्तेमाल न करें.

स्विच बोर्ड साफ करने के आसान तरीके

घर की रसोई में लगे स्विच बोर्ड चिपचिपे और काले पड़ गए हैं तो इसे साफ करने के लिए आप बेकिंग सोडा और नींबू का इस्तेमाल करें. इसके लिए आप 1 चम्मच बेकिंग सोडा में 1 छोटा चम्मच नींबू का रस मिला दें. अब एक कॉटन बॉल, साफ कपड़ा या फिर पुराना टूथब्रस लें. इस पर बेकिंग सोडा का मिश्रण लगाएं और स्विच बोर्ड को साफ करें. अब साफ सूखे कपड़े से पोंछ दें. इससे बहुत आसानी से चिकनाई और जिद्दी दाग हट जाएंगे.

सफेद सिरका और पानी के घोल से भी स्विच बोर्ड के दाग-धब्बे, गंदगी को हटा सकते हैं. एक-एक चम्मच दोनों ही चीजें एक बाउल में लें और मिक्स कर लें।

थायरॉइड की बीमारी क्या है? किन लोगों को ज्यादा खतरा, क्या जिंदगीभर चलती है दवा

थायरॉइड आज के समय में तेजी से बढ़ती समस्याओं में शामिल है. खासकर महिलाओं में इसका खतरा ज्यादा देखा जाता है. अब थायरॉइड सिर्फ वयस्कों की बीमारी नहीं रह गई है. पिछले कुछ वर्षों में बच्चों और किशोरों में भी इसके मामले तेजी से बढ़े हैं. इस बीमारी के संकेत सही समय पर पहचान लिए जाएं, तो कंट्रोल करना आसान होता है.

आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में थायरॉइड की समस्या तेजी से बढ़ती जा रही है. खासतौर पर महिलाओं में यह बीमारी काफी कॉमन हो चुकी है. गले के अंदर मौजूद छोटी सी थायरॉइड ग्रंथि शरीर के कई जरूरी कामों को कंट्रोल करती है. यह शरीर की ऊर्जा, मेटाबॉलिज्म, हार्मोन बैलेंस, दिल की धड़कन और वजन को संतुलित रखने में अहम भूमिका निभाती है. जब यह ग्रंथि सही मात्रा में हार्मोन नहीं बनाती, तब शरीर में कई तरह की समस्याएं शुरू होने लगती हैं. हर साल 25 मई को मनाया जाने वाला वर्ल्ड थायरॉइड डे लोगों को इस बीमारी के प्रति जागरूक करने का काम करता है.

थायरॉइड मुख्य रूप से दो प्रकार की समस्या है. हाइपोथायरॉइड और हाइपरथायरॉइड. हाइपोथायरॉइड में थायरॉइड ग्लैंड जरूरत से कम हार्मोन बनाती है. यह भारत में सबसे ज्यादा देखी जाने वाली थायरॉइड समस्या मानी जाती है. इस स्थिति में व्यक्ति को हर समय थकान महसूस हो सकती है, वजन तेजी से बढ़ने लगता है, ठंड ज्यादा लगती है और शरीर में सुस्ती बनी रहती है. कई लोगों में बाल झड़ने और स्किन ड्राई होने की शिकायत भी देखने को मिलती है. अक्सर लोग इन लक्षणों को सामान्य कमजोरी समझकर नजरअंदाज कर देते हैं.

डॉक्टर ने बताया कि हाइपरथायरॉइड की स्थिति तब होती है, जब थायरॉइड ग्लैंड जरूरत से ज्यादा हार्मोन बनाने लगती है. इस बीमारी में शरीर का मेटाबॉलिज्म असामान्य रूप से तेज हो जाता है. इसके कारण व्यक्ति का वजन तेजी से कम होने लगता है, दिल की धड़कन बढ़ जाती है, घबराहट महसूस होती है और ज्यादा पसीना आने लगता है. कई लोगों के हाथ कांपने लगते हैं और नींद न आने की समस्या भी होने लगती है. अगर समय रहते इसका इलाज न कराया जाए, तो यह दिल की सेहत बिगाड़ सकता है.

किन लोगों को थायरॉइड का ज्यादा खतरा ?

एक्सपर्ट के अनुसार थायरॉइड की समस्या किसी को भी हो सकती है, लेकिन कुछ लोगों में इसका खतरा ज्यादा माना जाता है. महिलाओं, गर्भवती महिलाओं और परिवार में थायरॉइड की हिस्ट्री वाले लोगों को विशेष सावधानी बरतने की जरूरत होती है. डायबिटीज, ऑटोइम्यून बीमारी या हार्मोनल समस्याओं से जूझ रहे लोगों में भी इसका जोखिम बढ़ जाता है. बढ़ती उम्र, तनाव और खराब लाइफस्टाइल भी थायरॉइड की समस्या को बढ़ाने वाले कारण माने जाते हैं.

क्या थायरॉइड की दवा जिंदगीभर चलती है?

बहुत से लोग यह जानना चाहते हैं कि क्या थायरॉइड की दवा हमेशा लेनी पड़ती है. इसका जवाब व्यक्ति की स्थिति और बीमारी की गंभीरता पर निर्भर करता है. खासतौर पर हाइपोथायरॉइड के कई मरीजों को लंबे समय तक या जीवनभर दवा लेनी पड़ सकती है. हालांकि नियमित जांच, सही इलाज और संतुलित जीवनशैली अपनाकर इसे अच्छी तरह नियंत्रित किया जा सकता है. डॉक्टर की सलाह के अनुसार समय-समय पर थायरॉइड टेस्ट करवाना बेहद जरूरी होता है।

घर में लग रही है भट्टी जैसी गर्मी? बिना AC भी ठंडा रहेगा आपका घर! नौतपा में दादी-नानी के ये देसी उपाय देंगे राहत

गर्मी का मौसम हर साल आता है, लेकिन नौतपा का असर लोगों को सबसे ज्यादा परेशान करता है. दोपहर की तपती धूप, गर्म हवाएं और रात में भी चिपचिपी गर्मी इंसान को थका देती है. ऐसे में सबसे ज्यादा मुश्किल उन लोगों के लिए हो जाती है जिनके घरों में हर समय AC चलाना संभव नहीं होता. कई बार पंखा और कूलर भी बेअसर लगने लगते हैं।

नौतपा 2026 की शुरुआत 25 मई से हो चुकी है और 2 जून तक इसका असर बना रहेगा. मौसम विभाग पहले ही कई राज्यों में हीटवेव को लेकर अलर्ट जारी कर चुका है. ऐसे समय में जरूरी है कि सिर्फ शरीर ही नहीं, घर को भी ठंडा रखा जाए. अच्छी बात यह है कि इसके लिए हमेशा महंगे इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों की जरूरत नहीं होती. कुछ आसान और पुराने घरेलू तरीके आज भी उतने ही असरदार हैं. अगर सही समय पर सही उपाय किए जाएं तो घर का तापमान काफी हद तक कम महसूस हो सकता है और परिवार को राहत मिल सकती है.

सुबह की आदतें बदलें, घर खुद-ब-खुद रहेगा ठंडा नौतपा के दौरान सुबह का समय सबसे अहम माना जाता है. सूरज तेज होने से पहले अगर घर में ताजी हवा आ जाए तो दिनभर कम गर्मी महसूस होती है. यही वजह है कि पुराने समय में लोग सुबह जल्दी उठकर घर के दरवाजे और खिड़कियां खोल दिया करते थे. सुबह करीब 5 से 7 बजे के बीच बाहर की हवा अपेक्षाकृत ठंडी रहती है. इस दौरान घर की खिड़कियां खोलने से रातभर जमा गर्मी बाहर निकल जाती है. लेकिन जैसे ही धूप तेज होने लगे, तुरंत मोटे पर्दे या ब्लैकआउट परदे लगा देने चाहिए. इससे सूरज की सीधी गर्मी कमरे में नहीं आती.

अगर घर की खिड़कियां पश्चिम दिशा में हैं तो वहां बांस की चटाई या गीले पर्दे लगाने से भी काफी फर्क महसूस होता है. छोटे शहरों और गांवों में आज भी लोग इस उपाय का इस्तेमाल करते हैं और यह काफी कारगर माना जाता है.

नेचुरल तरीकों से भी मिल सकती है राहत हर बार ठंडक पाने के लिए AC ही जरूरी हो, ऐसा नहीं है. कई देसी उपाय ऐसे हैं जो कम खर्च में अच्छा असर दिखाते हैं. उदाहरण के तौर पर, दोपहर में फर्श पर हल्का पानी छिड़कने से कमरे का तापमान कुछ देर के लिए कम महसूस होने लगता है.

इसी तरह घर में पौधे लगाने का असर भी सिर्फ सजावट तक सीमित नहीं होता. तुलसी, एलोवेरा, स्नेक प्लांट और मनी प्लांट जैसे पौधे घर के आसपास का वातावरण थोड़ा ठंडा और ताजा बनाए रखने में मदद करते हैं. बालकनी या खिड़की के पास हरियाली होने से धूप का असर भी कम महसूस होता है.

पुराने समय का मिट्टी का घड़ा आज भी गर्मी में सबसे भरोसेमंद साथी माना जाता है. घड़े का पानी प्राकृतिक रूप से ठंडा रहता है और शरीर को अंदर से राहत देता है. कई लोग अब फिर से फ्रिज के बजाय घड़े का इस्तेमाल करने लगे हैं क्योंकि यह बिजली बचाने के साथ शरीर के लिए भी बेहतर माना जाता है.

पंखा और कूलर सही तरीके से चलाना भी जरूरी कई बार लोग शिकायत करते हैं कि कूलर चलाने के बावजूद राहत नहीं मिलती. इसकी सबसे बड़ी वजह गलत इस्तेमाल होता है. अगर कमरे में हवा के निकलने का रास्ता नहीं होगा तो कूलर की ठंडी हवा भी ज्यादा देर तक असर नहीं करेगी.

अगर कूलर में ठंडे पानी के साथ बर्फ डाल दी जाए तो उसकी कूलिंग क्षमता कुछ समय के लिए बढ़ जाती है. वहीं जिन घरों में सिर्फ पंखा है, वहां एक आसान ट्रिक काफी काम आती है. पंखे के सामने बर्फ या ठंडे पानी से भरा बर्तन रख देने से हवा थोड़ी ठंडी महसूस होती है. यह तरीका खासतौर पर रात के समय राहत देता है.

घर के अंदर कम करें गर्मी पैदा करने वाली चीजें नौतपा के दौरान दिन में जरूरत से ज्यादा इलेक्ट्रॉनिक सामान चलाने से भी कमरा गर्म होने लगता है. लगातार टीवी, ओवन, गीजर या कई लाइट्स ऑन रखने से तापमान बढ़ जाता है।

मटन, चिकन और फिश में क्या खाना है ज्यादा नुकसानदायक? नॉनवेज लवर जान लें इन्हें खाने, पकाने का सही तरीका

नॉनवेज खाने के शौकीनों की कोई कमी नहीं है. कुछ लोग मटन खूब खाते हैं, तो किसी को चिकन और मछली खाना पसंद होता है. लेकिन, कोई भी नॉनवेज फूड हो, सीमित मात्रा और सही तरीके से पका कर खाने से ही इनका लाभ आपको मिल सकता है. किसी को भी अनलिमिटेड और गलत तरीके से खाने से ये नुकसान भी पहुंचा सकते हैं. ऐसे में ये जानना जरूरी है कि मटन, चिकन और मछली में किसे खाने से आपको नुकसान हो सकता है।

नॉनवेज आइटम्स में सबसे ज्यादा लोग मटन, चिनक और मछली का सेवन करते हैं. खासकर, भारत में जो लोग मांसाहारी हैं, वे इन तीनों नॉनवेज फूड्स को अधिक खाना पसंद करते हैं. सी फूड वे लोग अधिक खाते हैं, जो देश के कोस्टल इलाके में रहते हैं. चिकन, मटन हो या फिर मछली, ये सभी प्रोटीन से भरपूर होते हैं. इनमें प्रोटीन के अलावा भी कई ऐसे आवश्यक पोषक तत्व होते हैं, जो शरीर को कई तरह से लाभ पहुंचाते हैं. हालांकि, हर किसी की अपनी-अपनी पसंद होती है, कोई चिकन खूब खाता है, तो किसी को मछली अच्छी लगती है. वहीं, कुछ लोग मटन खाने के शौकीन होते हैं. लेकिन, ये जितने फायदेमंद होते हैं, उतने ही इनके सेवन से कुछ नुकसान भी हो सकते हैं. लेकिन, ये भी जानना जरूरी है कि आखिर मटन, चिकन और मछली में अधिक नुकसान किसे खाने से सेहत को हो सकता है? किन लोगों को कौन सा नॉनवेज कम खाना चाहिए?

मटन, चिकन और मछली में कौन अधिक नुकसानदायक?

मटन, चिकन या मछली तीनों प्रोटीन के अच्छे स्रोत हैं. इनके रेगुलर सेवन से आपकी प्रोटीन की कमी कभी नहीं होगी. लेकिन, सेहत पर इनके सेवन से असर भी अलग-अलग होते हैं. तीनों में कौन से अधिक नुकसानदायक होते हैं, यह इस बात पर निर्भर करता है कि आप किस तरह से सेवन करते हैं, कितनी बार करते हैं और कितनी मात्रा में करते हैं.

मटन (Mutton) क्यों नुकसानदायक माना जाता है?

दरअसल, मटन में सबसे ज्यादा सैचुरेटेड फैट होता है, जिससे शरीर में कोलेस्ट्रॉल की मात्रा बढ़ सकती है. इसे आप अधिक मात्रा में खाते हैं तो हार्ट डिजीज का रिस्क बढ़ सकता है. मटन में चिकन से अधिक संतृप्त वसा और वसा होती है. यदि आप रेगुलर मटन खाते हैं तो हार्ट अटैक, स्ट्रोक, हाई ब्लड प्रेशर होने का जोखिम अधिक बढ़ जाता है. इससे एलडीएल कोलेस्ट्रॉल बढ़ता है. ड्ढ।॥ह के अनुसार, जब रेड मीट को ग्रिल किया जाता है या फिर हाई टेम्परेचर पर तलते हैं तो हेटेरोसाइक्लिक एमाइन उत्पन्न करता है. यह कैंसर के जोखिम को बढ़ा सकता है. अधिक मटन खाने से वजन भी बढ़ सकता है. कुछ रिसर्च की मानें तो इससे आंतों के कैंसर, टाइप-2 डायबिटीज से भी जोड़ा गया है. बहुत अधिक तला हुआ, मसालेदार, ऑयली मटन खाने से भी सेहत को नुकसान पहुंचा सकता है. प्रोसेस्ड मीट (जैसे सॉसेज, सलामी) भी कम ही खाएं।

पेट में बर्फ की तरह शीतलता देता है यह खट्टमधुर फल, मिनटों में आती है कुलिंग इफेक्ट्स, सिर्फ इसी महीने मिलेगा

गर्मी में हमें ऐसी चीजों को खानी चाहिए जिसकी तासीर ठंडी हो ताकि हमारे पेट में अग्नि की ज्वाला न धधके. गर्मी वो मौसम है जिसमें सबसे ज्यादा पेट ही गर्म रहता है. पेट के गर्म रहने से कई तरह की परेशानियां हो सकती है. इसलिए इस मौसम में ठंडी तासीर की चीजें हम खाते हैं. ठंडी तासीर वाली चीजें बहुत कम है लेकिन हम यहां एक ऐसी चीज के बारे में बता रहे हैं जो है तो बेहद मामूली सा फल लेकिन इसमें शीतलता का भंडार है।

गर्मी का नौतपा शुरू हो गया है यानी अगले 9 दिनों की भीषण गर्मी होने वाली है. इस भीषण गर्मी के चपेट में सारा देश आ चुका है और इस कारण कई लोगों की जानें भी गई हैं. गर्मी में सबसे ज्यादा परेशानी पेट की तपिश है. हमेशा आपका पेट भारी रहता है जिसकी वजह यह है कि हम ऐसी-ऐसी चीजें खाते हैं जिनकी तासीर गर्म होती है. गर्म तासीर वाली चीजें हमारे ऑवरऑल हेल्थ को नुकसान पहुंचाती है. ऐसे में गर्मी आते ही हमें ठंडी तासीर वाली चीजें खानी चाहिए. खीरा, ककड़ी, तरबूज, खरबूज जैसी चीजों को गर्मी में ज्यादा खाना चाहिए. लेकिन हम यहां ऐसी चीज के बारे में बता रहे हैं जिसकी तासीर तो ठंडी होती ही है साथ ही यह सेहत के लिए अमृत समान है. इसका नाम है शहतूत.

शहतूत के फायदे

शहतूत बहुत ही छोटा फल होता है. इसमें 88 प्रतिशत पानी होता है. इसके साथ ही इसमें प्रोटीन, कार्बोहाइड्रैट, फाइबर और हेल्दी फैट भी होता है. इसका आकार मुश्किल से एक-डेढ़ इंच तक होता है और यह नुकीले आकार का होता है. इसका स्वाद खट्टा-मीठा है. इसे खाने में बहुत मजा आता है. शुरुआत में यह हरा होता है, इसके बाद लाल होने लगता है लेकिन जब काला हो जाए तो इसका मतलब है कि यह अब पूरी तरह से पक गया है. शहतूत का कूलिंग इफेक्ट बहुत ज्यादा है. यह शरीर को अंदर से शीतलता प्रदान करती है।

बच्चे बड़े होकर कभी नहीं भूलते माता-पिता की ये 5 बातें, पर्सनालिटी पर पड़ता है गहरा असर, पैरेंट्स जरूर पढ़ें

बच्चों की परवरिश में माता-पिता की छोटी आदतें बड़ा असर डालती हैं. प्यार, सम्मान, समय और समझदारी से किया गया व्यवहार बच्चों की पर्सनालिटी को मजबूत बनाता है और वे इन्हें जिंदगीभर याद रखते हैं। हर माता-पिता चाहते हैं कि उनका बच्चा बड़ा होकर सफल भी बने और एक अच्छा इंसान भी. इसके लिए वे अच्छी पढ़ाई, बेहतर सुविधाएं और हर जरूरी चीज देने की कोशिश करते हैं. लेकिन बच्चों की परवरिश सिर्फ महंगे स्कूल, खिलौने या गिफ्ट्स तक सीमित नहीं होती. असल असर उन छोटी-छोटी बातों का होता है, जो रोजमर्रा की जिंदगी में बच्चे अपने माता-पिता से देखते और महसूस करते हैं. कई बार एक प्यार भरी बात, मुश्किल समय में मिला साथ या परिवार के साथ बिताया गया छोटा सा पल बच्चों के दिल में हमेशा के लिए बस जाता है। यही अनुभव आगे चलकर उनकी सोच, आत्मविश्वास और व्यवहार का हिस्सा बनते हैं. विशेषज्ञ भी मानते हैं कि बचपन का माहौल बच्चों की इमोशनल ग्रोथ पर गहरा प्रभाव डालता है. ऐसे में कुछ आदतें ऐसी होती हैं, जिन्हें बच्चे कभी नहीं भूलते और वही उनकी पर्सनालिटी की नींव बन जाती हैं।

बच्चों की बातें ध्यान से सुनना उन्हें देता है आत्मविश्वास

अक्सर देखा जाता है कि बच्चे अपनी छोटी-छोटी बातें बड़े उत्साह से माता-पिता को बताना चाहते हैं. कभी स्कूल की कहानी, कभी दोस्तों की बातें या फिर कोई छोटी उपलब्धि. लेकिन बिजी लाइफस्टाइल के कारण कई बार पैरेंट्स उनकी बातों को गंभीरता से नहीं सुन पाते।

धीरे-धीरे बच्चे खुद को अनदेखा महसूस करने लगते हैं वहीं जिन घरों में माता-पिता बच्चों की बातें ध्यान से सुनते हैं, वहां बच्चे खुलकर अपनी भावनाएं व्यक्त करना सीखते हैं. वे ज्यादा कॉन्फिडेंट बनते हैं और दूसरों के सामने अपनी बात रखने से डरते नहीं हैं. मनोवैज्ञानिक भी मानते हैं कि बच्चों को सुना जाना उनके मानसिक विकास के लिए बेहद जरूरी है. यही आदत उन्हें जिंदगीभर याद रहती है कि उनके माता-पिता ने उनकी भावनाओं को महत्व दिया था।

प्यार जताने की आदत बच्चों को बनाती है इमोशनली मजबूत

कई माता-पिता अपने बच्चों से बहुत प्यार करते हैं, लेकिन उसे खुलकर जाहिर नहीं कर पाते।

मौनी रॉय ने अपने अंदाज में कान्स को कहा अलविदा, समुद्र किनारे दिखाई अपनी खूबसूरत अदा

मुंबई। टीवी से लेकर बॉलीवुड तक अपनी खास पहचान बना चुकी मौनी रॉय इन दिनों कान्स फिल्म फेस्टिवल में अपने ग्लैमरस अंदाज को लेकर लगातार चर्चा में बनी हुई हैं। हर बार की तरह इस बार भी मौनी ने अपने फैशन और स्टाइल से लोगों का ध्यान खींचा।

अब कान्स में अपने आखिरी दिन मौनी रॉय ने एक बार फिर बेहद खूबसूरत तस्वीरें साझा कर फ्रेंच रिवेरा को अलविदा कहा है। उनके इस नए लुक के साथ-साथ उनकी निजी जिंदगी भी फिर चर्चा में आ गई है।

मौनी रॉय ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर कई तस्वीरें पोस्ट कीं। इन तस्वीरों में वह समुद्र के सामने बनी एक बालकनी में खड़ी नजर आ रही हैं। उन्होंने वाइट और ब्लू कलर की प्रिंटेड लॉन्ग ड्रेस पहनी है। इस ड्रेस में वह बेहद खूबसूरत लग रही है।

तस्वीरों में वह अलग-अलग अंदाज में पोज देती दिखाई दे रही हैं। कहीं वह मुस्कुराते हुए कैमरे की तरफ देख रही हैं तो कहीं समुद्र की ओर देखते हुए तस्वीरें खिंचवा रही हैं।

अपने पूरे लुक को मौनी ने बेहद सिंपल, लेकिन स्टाइलिश रखा। उन्होंने बालों का जूड़ा बनाया हुआ था। इसके साथ उन्होंने ज्यादा गहने नहीं पहने, बल्कि सिर्फ एक बड़ा कड़ा हाथ में पहना हुआ था। लाइट मेकअप से उनका चेहरा निखर रहा था। फैंस को उनका यह क्लासी अंदाज काफी पसंद आया।

इन तस्वीरों के साथ मौनी रॉय ने कैप्शन में लिखा, ''मैं अगले साल तक के लिए फ्रेंच रिवेरा और कान्स को अलविदा कह रही हूं।''

पिछले कुछ दिनों से मौनी लगातार कान्स से जुड़ी तस्वीरें और वीडियो साझा कर रही थीं। हर लुक में उनका अलग अंदाज देखने को मिला। सोशल मीडिया पर उनके फैशन की खूब चर्चा हुई।

हालांकि, कान्स में उनके फैशन के साथ-साथ उनकी निजी जिंदगी भी लगातार खबरों में बनी रही। हाल ही में मौनी रॉय और उनके पति सूरज नांबियार ने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट के जरिए अपने अलग होने की जानकारी दी थी।

इस खबर के सामने आने के बाद सोशल मीडिया पर तरह-तरह की बातें होने लगीं। कुछ रिपोर्ट्स में एलिमनी, आपसी विवाद और किसी तीसरे व्यक्ति के शामिल होने जैसी बातें कही जाने लगीं।

इन अफवाहों के बढ़ने के बाद सूरज नांबियार ने खुद सामने आकर सफाई दी। उन्होंने पोस्ट के जरिए कहा कि उनके अलग होने को लेकर जो बातें फैलाई जा रही हैं, वे पूरी तरह झूठी और गलत हैं।

परिणीति चोपड़ा ने शेयर किया देसी और हेल्दी लिट्टी चोखा, मां बनने के बाद बदलती लाइफस्टाइल की दिखाई झलक

मुंबई। आजकल फिल्मी सितारे सिर्फ अपने काम को लेकर ही नहीं बल्कि निजी जिंदगी और रोजमर्रा की आदतों को लेकर भी खूब चर्चा में रहते हैं। इसी बीच अभिनेत्री परिणीति चोपड़ा ने एक खास पोस्ट से लोगों का ध्यान अपनी ओर खींचा है। उन्होंने अपने घर के बने हेल्दी खाने की तस्वीर पोस्ट की, जिसमें भारतीय स्वाद और सेहत दोनों की झलक दिखाई दी।

परिणीति चोपड़ा ने सोमवार सुबह अपने इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक तस्वीर पोस्ट की, जिसमें लिट्टी चोखा की प्लेट नजर आ रही है। प्लेट में लिट्टी रखी हुई है और साथ में एक कटोरी में आलू और बैंगन से बना चोखा भी रखा दिखाई दे रहा है। इस पोस्ट ने फैंस का ध्यान खींचा।

इस पोस्ट के साथ परिणीति ने कैप्शन में लिखा, ''यह लिट्टी चोखा घर पर बनाया गया है और इसे हेल्दी बनाने के लिए खास ध्यान रखा गया है। लिट्टी ज्वार के आटे से तैयार की गई है, जिसमें सत्तू की भरपूर स्टफिंग डाली गई है। साइड डिश के रूप में आलू और बैंगन का चोखा बनाया गया है।''

बता दें कि मां बनने के बाद से परिणीति चोपड़ा अपनी सेहत और खानपान पर ज्यादा ध्यान देने लगी हैं।

इस पोस्ट के अलावा, परिणीति ने एक अन्य पोस्ट भी साझा किया, जिसमें वह ब्राउन कलर की आउटफिट में बेहद खूबसूरत नजर आ रही हैं। उन्होंने अपने बालों को खुला रखा है। वह एक मेकअप रूम में खड़ी हैं, बैकग्राउंड में मिरर और कुछ कपड़े नजर आ रहे हैं। इस पोस्ट के कैप्शन में परिणीति ने लिखा, ''पीछे मेस, आगे ड्रेस... इस कैप्शन का कोई मतलब है । निजी जीवन की बात करें तो परिणीति चोपड़ा की शादी नेता राघव चड्ढा से हुई है। दोनों ने सितंबर 2023 में राजस्थान के उदयपुर में एक निजी, लेकिन बेहद भव्य समारोह में शादी की थी। इस शादी में केवल करीबी परिवार के सदस्य और चुनिंदा लोग शामिल हुए थे।

अक्षय कुमार संग थिरकेंगी अक्षरा सिंह, गाना 'घिस घिस घिस' की पहली झलक रिलीज

मुंबई। काफी लंबे सय से चल रही तमाम चर्चाओं और अफवाहों पर विराम लगाते हुए अभिनेत्री अक्षरा सिंह और अभिनेता अक्षय कुमार का नया गाना 'घिस घिस घिस' जल्द ही रिलीज होने वाला है। सोमवार को मेकर्स ने नए गाना 'घिस घिस घिस' की झलक जारी कर दी है।

यह गाना अक्षय की आगामी फिल्म 'वेलकम टू द जंगल' का हिस्सा है। मेकर्स ने पोस्ट करते हुए इस बात की पुष्टि की कि गाना आज ही रिलीज होगा। हालांकि, उन्होंने इसका कोई निर्धारित समय अभी तक नहीं बताया है।

अक्षय कुमार ने इंस्टाग्राम पर गाने का मोशन वीडियो पोस्ट किया। इसमें अक्षय कुमार और अक्षरा सिंह दोनों ही काफी अनोखे और मजेदार अंदाज में थिरकते हुए नजर आ रहे हैं।

वीडियो पोस्ट कर अक्षय लिखते हैं, 'ये तो बस एक छोटी सी झलक है...तैयार हो जाइए, क्योंकि अब जंगल का माहौल पूरी तरह बदलने वाला है। गाना 'घिस घिस घिस' आज रिलीज हो रहा है।'

वहीं, अभिनेत्री अक्षरा सिंह और तुषार कपूर ने भी मोशन वीडियो अपने इंस्टाग्राम पर शेयर करते हुए लिखा, 'फटेगा स्पीकर और ब्रेक होगा पूरा डांस फ्लोर।'घिस घिस घिस' आज ही रिलीज होगा। गाने की जानकारी मिलते ही फैंस काफी उत्साहित नजर आ रहे हैं, क्योंकि यह सिर्फ एक गाना नहीं बल्कि दो इंडस्ट्री का मिलन भी माना जा रहा है।

'मैं चाहता था कि एक घंटे में निपट जाए शादी', राजीव खंडेलवाल ने सुनाए शादी और सगाई के मजेदार किस्से

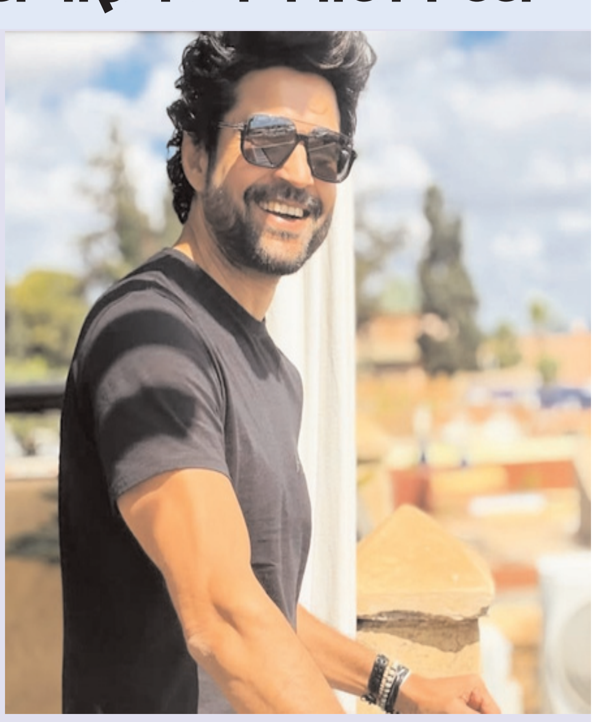

मुंबई। अभिनेता और होस्ट राजीव खंडेलवाल आमतौर पर अपनी निजी जिंदगी के बारे में ज्यादा बातें नहीं करते हैं, लेकिन हाल ही में उन्होंने अपने वैवाहिक जीवन से जुड़े कई दिलचस्प किस्से साझा किए। दरअसल, शो 'तुम हो ना - घर की सुपरस्टार' के आने वाले 'शादी स्पेशल' एपिसोड में राजीव खंडेलवाल अपनी पत्नी मंजिरी कमतिकर के साथ अपने रिश्ते और शादी के शुरुआती दिनों को याद करते नजर आएंगे।

शो के दौरान कंटेस्टेंट नीलम ने जब राजीव खंडेलवाल से उनकी शादी की कहानी पूछी, तो उन्होंने बताया कि शादी से पहले वह और मंजिरी छिपकर मिला करते थे। उन्होंने कहा, ''उस समय हम दोनों अपने रिश्ते को काफी निजी रखना चाहते थे। यहां तक कि हमने अपनी शादी में भी ज्यादा लोगों को नहीं बुलाया था। मेरे लिए दिखावे से ज्यादा रिश्ते की सच्चाई मायने रखती थी।''

इसी दौरान उन्होंने एक दिलचस्प घटना का जिक्र किया, जब मंजिरी के पिता को उनके रिश्ते के बारे में पता चला। राजीव ने कहा, ''जैसे ही मेरे ससुर को यह जानकारी मिली कि हम दोनों एक-दूसरे को डेट कर रहे हैं, उन्होंने तुरंत मुझको मिलने के लिए बुलाया। लेकिन बुलावा आने से पहले ही मैं खुद वहां पहुंच गया था। मंजिरी के पिता ने सीधे मुझसे पूछा कि आगे की क्या प्लानिंग है। मैंने जवाब दिया कि अभी तो हम दोनों सिर्फ एक-दूसरे को समझ रहे हैं और डेट कर रहे हैं।''

उन्होंने आगे कहा, ''मेरे ससुर ने पूछा कि शादी कब करोगे। तो मैंने जवाब दिया कि जल्द ही करेंगे। फिर तुरंत सगाई की तारीख पूछ ली गई। मेरे मन में था कि कुछ महीनों बाद की तारीख देंगे ताकि रिश्ते को थोड़ा और समय मिल सके, क्योंकि उस समय मुझे साथ रहते हुए सिर्फ डेढ़ साल ही हुआ था। लेकिन परिवार की तरफ से तारीख जल्दी तय करने का दबाव बढ़ता गया और आखिरकार 16 मई को हमारी सगाई तय हो गई।''

राजीव ने सगाई का एक और मजेदार किस्सा सुनाया। उन्होंने कहा, ''जब मैं मंजिरी को अंगूठी पहना रहा था, तभी वहां बैठे लोगों ने शादी की तारीख भी घोषित करने के लिए कहना शुरू कर दिया। वहां सब कुछ उल्टा हो रहा था। मेरे ससुर वहीं बैठे थे और लगातार तारीख पूछ रहे थे। मैंने एक साल बाद की तारीख बताई, लेकिन मेरे ससुर बोले कि तारीख इससे पहले की तय करो। फिर मैंने दस महीने बाद की बात कही, लेकिन जवाब फिर वही मिला कि इसे और कम करो। आखिरकार समझौता करना पड़ा और शादी की तारीख तय करनी पड़ी।

देवोलीना भट्टाचार्जी ने पति शाहनवाज को खास अंदाज में किया बर्थडे विश, पोस्ट की खूबसूरत तस्वीरें

मुंबई । टीवी अभिनेत्री देवोलीना भट्टाचार्जी ने सोशल मीडिया पोस्ट के माध्यम से पति शाहनवाज शेख को जन्मदिन की बधाई दी। अभिनेत्री ने मुश्किल वक्त में हमेशा ढाल बनकर खड़े रहने के लिए पति का शुक्रिया अदा किया। देवोलीना ने इंस्टाग्राम पर फैमिली टाइम की कुछ खूबसूरत तस्वीरें पोस्ट कीं, जिसमें देवोलीना, पति शाहनवाज शेख और बेटा जॉय नजर आ रहे हैं।

देवोलीना भट्टाचार्जी ने तस्वीरें पोस्ट कर लिखा, 'शाहनवाज शेख आपको जन्मदिन की ढेर सारी शुभकामनाएं। आप मेरा घर, ताकत और हमारे छोटे से बच्चे के सबसे प्यारे पापा हैं।

साथ ही, मेरे हर सुख-दुख के साथी। आप मेरे साथ जिंदगी की भागदौड़, हंसी, बिना नींद वाली रातों, सपनों और हर छोटे-बड़े पल में हमेशा मेरे साथ खड़े रहे हो।'

अभिनेत्री ने लिखा, 'आपको एक पिता के रूप में देखकर मैं हर दिन आपसे और ज्यादा प्यार करने लगती हूं। हम आपसे बहुत प्यार करते हैं।'

'साथ निभाना साथिया' फेम टीवी एक्ट्रेस देवोलीना भट्टाचार्जी के पति शाहनवाज शेख एक फिटनेस ट्रेनर हैं। दोनों की मुलाकात जिम में हुई थी और लगभग 3 साल तक एक दूसरे को डेट करने के बाद दोनों ने 14 दिसंबर 2022 को कोर्ट मैरिज की थी। इस शादी से उनका एक बेटा जॉय है, जिसका जन्म दिसंबर 2024 में हुआ था।

यह एक अंतर-धार्मिक (हिंदू-मुस्लिम) विवाह होने के कारण अक्सर अभिनेत्री को अक्सर सोशल मीडिया पर काफी ट्रोल किया जाता है, हालांकि कभी-कभी देवोलीना ट्रोलर्स को मुंहतोड़ जवाब देती हैं।

साल 2010 में डांस रियलिटी शो 'डांस इंडिया डांस' (सीजन 2) से अपने करियर की शुरुआत करने के बाद अभिनेत्री ने 'संवारे सबके सपने प्रीतो' से एक्टिंग डेब्यू किया था। हालांकि स्टार प्लस के सुपरहिट शो 'साथ निभाना साथिया' में 'गोपी बहू' का किरदार निभाकर उन्हें अपार लोकप्रियता मिली।

फिलहाल एक्टिंग से ब्रेक लेकर अपने मदरहुड (मातृत्व) को एंजॉय कर रही हैं। वह अपने बेटे जॉय की परवरिश पर पूरा ध्यान दे रही हैं। इसके साथ ही वे यूट्यूब व्लॉग्स और सोशल मीडिया के जरिए अपनी निजी जिंदगी की झलकियां फैंस के साथ शेयर करती रहती हैं।

बेटे अर्जुन मेहता ने कोलंबिया यूनिवर्सिटी से पूरी की ग्रेजुएशन, जूही चावला ने शेयर की खुशी

मुंबई। अभिनेत्री जूही चावला के बेटे अर्जुन मेहता ने अमेरिका की प्रतिष्ठित कोलंबिया यूनिवर्सिटी से अपनी स्नातक की पढ़ाई पूरी कर ली है। इस खास पल को सेलिब्रेट करते हुए जूही ने सोशल मीडिया पर बेटे के लिए खास पोस्ट किया।

अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर बेटे के कॉन्वोकेशन की कुछ तस्वीरें पोस्ट कीं। इन तस्वीरों को शेयर करते हुए उन्होंने अपनी खुशी जाहिर की और बेटे के लिए लिखा, 'कोलंबिया 26 और साथ ही एलीट 'फाई बीटा कप्पा' सोसाइटी में शामिल होने पर ढेर सारी बधाइयां अर्जुन। चलो... अब छुट्टी मनाने का समय आ गया है। जूही द्वारा शेयर की गई पहली तस्वीर में जहां पूरा परिवार संग बेटा अर्जुन पारंपरिक ग्रेजुएट गाउन पहने खड़े फ्रेम में साथ नजर आ रहे हैं, दूसरे वीडियो में अर्जुन अपने दोस्तों और सहपाठियों के साथ खुशी से हवा में अपनी कैप उछालते हुए इस खास पल का जश्न मना रहे हैं।

उल्लेखनीय है कि कोलंबिया यूनिवर्सिटी में 'फाई बीटा कप्पा' स्नातक (अंडरग्रेजुएट) छात्रों के लिए सर्वोच्च अकादमिक सम्मान सोसायटियों में से एक है। यह संस्था लिबरल आर्ट्स और विज्ञान के क्षेत्र में उत्कृष्ट शैक्षणिक प्रदर्शन को मान्यता देती है। कोलंबिया कॉलेज के सर्वश्रेष्ठ अकादमिक रिकॉर्ड वाले छात्रों को प्रतिवर्ष 'स्प्रिंग सीजन' में एक विशेष समारोह के माध्यम से इस सोसायटी में शामिल किया जाता है।

हम ईरान के खिलाफ सैन्य कार्रवाई के लिए तैयार : इजरायली सेना प्रमुख

यरूशलम। इजरायली सेना प्रमुख ने कहा है कि सेना जरूरत पड़ने पर ईरान के खिलाफ फिर से सैन्य कार्रवाई शुरू करने के लिए पूरी तरह तैयार है। यह बयान ऐसे समय आया है जब अमेरिका और ईरान के बीच बातचीत में कुछ प्रगति होने की खबरें सामने आई हैं। इजरायल की सेना ने एक बयान में बताया कि सेना प्रमुख जनरल अयाल जमिर ने रविवार को उत्तरी कमान में सुरक्षा स्थिति की समीक्षा के दौरान यह बात कही।

जमिर ने कहा कि इजरायली सेना 'तुरंत और बड़े स्तर पर सैन्य अभियान फिर से शुरू करने के लिए तैयार है।' उन्होंने कहा कि सेना का लक्ष्य ईरान की क्षमताओं को और कमजोर करना है। साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि जरूरत पड़ने तक सेना पूरी तैयारी और लचीलापन बनाए रखेगी। सिन्हुआ न्यूज एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, यह बयान ऐसे समय आया है जब अमेरिका और ईरान के बीच संघर्ष विराम को आगे बढ़ाने और होर्मुज स्ट्रेट को फिर से खोलने को लेकर बातचीत चल रही है। हालांकि, ईरान के परमाणु कार्यक्रम को लेकर दोनों देशों के बीच अब भी मतभेद बने हुए हैं।

इन घटनाक्रमों के बीच इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू की सुरक्षा कैबिनेट की बैठक भी रविवार शाम को होने की संभावना जताई गई। सेना प्रमुख जमिर ने यह भी कहा कि इजरायली सेना लेबनान में हिज्बुल्लाह के खिलाफ लगातार कार्रवाई कर रही है। उनके मुताबिक, सेना हर स्तर पर हिज्बुल्लाह को निशाना बना रही है।

इजरायल और लेबनान के बीच अप्रैल में युद्धविराम की घोषणा हुई थी, लेकिन इसके बावजूद इजरायली सेना अब तक दक्षिणी लेबनान से पूरी तरह पीछे नहीं हटी है। इजरायल का कहना है कि वह हिज्बुल्लाह के ठिकानों और लड़ाकों को निशाना बनाकर रोजाना हमले कर रहा है।

इस बीच प्रधानमंत्री नेतन्याहू ने रविवार को कहा कि उनकी और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की इस बात पर सहमति बनी है कि ईरान से जुड़े किसी भी अंतिम समझौते में परमाणु खतरे को पूरी तरह खत्म करना जरूरी होगा।

नेतन्याहू ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा कि उन्होंने राष्ट्रपति ट्रंप से होर्मुज स्ट्रेट को दोबारा खोलने से जुड़े समझौते और ईरान के परमाणु कार्यक्रम पर होने वाली आगामी वार्ता को लेकर बातचीत की।

केपी में भीषण सड़क हादसा, 16 की मौत और 7 घायल

इस्लामाबाद। खैबर पख्तूनख्वा के मर्दान में सोमवार को एक भीषण सड़क हादोसे में 16 लोगों की मौत हो गई और 7 घायल हो गए। यह दुर्घटना स्वात मोटरवे के खोरो कोटाय सईदाबाद इलाके में हुई।

रिपोर्ट के अनुसार, स्वात जा रही यात्री बस सड़क किनारे खड़ी दूसरी बस से टकरा गई। खड़ी बस में तकनीकी खराबी थी, जिसके कारण उसे किनारे रोक दिया गया था। प्रमुख पाकिस्तानी दैनिक डॉन के अनुसार, हादसे के तुरंत बाद राहत एवं बचाव दल, मोटरवे पुलिस और स्थानीय लोग मौके पर पहुंचे और घायलों को मर्दान मेडिकल कॉम्प्लेक्स अस्पताल पहुंचाया गया।

अधिकारियों ने बताया कि मृतकों और घायलों की पहचान अभी पूरी तरह से नहीं हो सकी है, हालांकि अधिकांश यात्री दीर और बाजौर से थे और ईद की छुट्टियों के लिए घर लौट रहे थे।

खैबर पख्तूनख्वा के सूचना एवं जनसंपर्क मंत्री शफी जान ने इस घटना पर दुख व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि घायलों को बेहतरीन चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं।

डॉन के अनुसार पाकिस्तान में हाईवे और मोटरवे (भारत के एक्सप्रेसवे जैसा) पर सड़क हादसों की घटनाएं लगातार सामने आ रही हैं, जिनमें अक्सर तेज रफ्तार, लापरवाही से ड्राइविंग, चालक की थकान और वाहनों के खराब रखरखाव को मुख्य कारण बताया जाता है। कई मामलों में सड़क की खराब स्थिति भी दुर्घटनाओं को बढ़ावा देती है। इस महीने की शुरुआत में स्वात के चरबाग तहसील में ही एक शादी समारोह की वैन खाई में गिर गई थी जिसमें 5 लोगों की मौत हो गई थी जबकि 10 घायल हो गए थे। 6 अप्रैल को पेशावर के मातनी बाईपास के पास एक यात्री वैन के नियंत्रण खोने से 9 लोग घायल हो गए थे। उसी सप्ताह पंजाब के ननकाना से गुजरने वाले एम3 मोटरवे पर एक यात्री बस पलट गई थी, जिसमें 3 लोगों की मौत हो गई और 26 घायल हो गए थे।

संक्षिप्त खबर

फिलीपींस के एंजेल्स सिटी में निर्माणाधीन इमारत ढहने से चार की मौत, 17 लापता

मनीला। फिलीपींस के उत्तरी पंपांगा प्रांत के एंजेल्स सिटी में एक इमारत ढहने से चार लोगों की मौत हो गई। सोमवार को अधिकारियों ने बताया कि अभी भी 17 लोग लापता हैं। बचाव अभियान जारी है। स्थानीय अग्निशमन ब्यूरो के अनुसार, मलबे से तीन शव निकाले गए और एक मलेशियाई नागरिक, जो पास के एक होटल में ठहरा हुआ था, गिरते मलबे की चपेट में आकर मारा गया। स्थानीय मीडिया के मुताबिक, अधिकारियों ने बताया कि रविवार दोपहर तक कम से कम 26 लोगों को बचा लिया गया था। इनमें से 24 लोग ढही हुई इमारत से और दो लोग पास के होटल से बचाए गए। इनमें से दस लोग घायल हुए हैं और उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है। यह हादसा शनिवार रात भारी बारिश और तेज हवाओं के बाद हुआ। मौसम विभाग के अनुसार, एंजेल्स सिटी में शाम 7 बजे से 8 बजे के बीच लगभग 44 मिमी बारिश हुई थी।

गाजा फ्लोटिला प्रतिभागियों के साथ कथित दुर्व्यवहार पर भड़के अरब देश, इजरायली मंत्री को घेरा

नई दिल्ली। इजरायल ने गाजा-बाउंड फ्लोटिला प्रतिभागियों को हिरासत में लिया था। अरब और इस्लामिक देशों ने आरोप लगाया है कि हिरासत के दौरान इजरायली मंत्री बेन-गवीर ने उनके साथ सार्वजनिक रूप से अपमानजनक व्यवहार किया। ऐसे में कतर के विदेश मंत्रालय ने एक बयान जारी किया है, जिसमें इजरायली मंत्री पर आरोप लगाते हुए कड़ी निंदा की। आठ अरब और इस्लामिक देशों के विदेश मंत्रियों ने गाजा जाने वाले फ्लोटिला में हिस्सा लेने वालों के खिलाफ एक कट्टरपंथी इजरायली मंत्री की भयानक हरकतों की कड़े शब्दों में निंदा की। कतर के विदेश मंत्रालय ने इसकी जानकारी दी। `कतर के विदेश मंत्रालय ने लिखा, 'कतर राज्य, सऊदी अरब राज्य, जॉर्डन के हशमाइट राज्य, संयुक्त अरब अमीरात, इंडोनेशिया गणराज्य, पाकिस्तान, मिस्र, अरब और तुर्किए के विदेश मंत्रियों ने गाजा जाने वाले फ्लोटिला में भाग लेने वालों के खिलाफ चरमपंथी इजरायली मंत्री इतामार बेन-ग्विर के भयानक, अपमानजनक और अस्वीकार्य कार्यों की कड़ी निंदा की है, जब वे इजरायली हिरासत में थे।' विदेश मंत्रालय ने कहा कि मंत्रियों ने जोर देकर कहा कि बेन-ग्विर का जानबूझकर बंदियों को सबके सामने बेइज्जत करना इंसानी सम्मान पर एक शर्मनाक हमला है और इंटरनेशनल कानून, जिसमें इंटरनेशनल मानवीय कानून और इंटरनेशनल मानवाधिकार कानून शामिल हैं, के तहत इजरायल की जिम्मेदारियों का साफ उल्लंघन है। उन्होंने आगे कहा कि मंत्रियों ने आगे बेन-ग्विर और दूसरे इजरायली अधिकारियों द्वारा कब्जे वाले फिलिस्तीनी इलाके में फिलिस्तीनियों के खिलाफ भड़काने और हिंसा के गैर-कानूनी और कट्टरपंथी कामों की कड़ी निंदा की।

टोक्यो के गिन्जा मॉल में स्प्रे छिड़कने से हड़कंप, 20 लोग बीमार

टोक्यो। टोक्यो के गिन्जा इलाके में एक शॉपिंग कॉम्प्लेक्स में सोमवार को एक आदमी ने कोई स्प्रे छिड़क दिया। इसके बाद वहां मौजूद कई लोगों की तबीयत बिगड़ने लगी। एक व्यक्ति की हालत खराब होने पर अस्पताल ले जाया गया और लगभग 20 लोग बीमार होने की शिकायत करने लगे।

घटना के बाद एक महिला ने इमरजेंसी कॉल करके बताया कि गिन्जा सिक्स शॉपिंग कॉम्प्लेक्स में 'तेज और तीखी बदबू' फैल गई थी और वहां मौजूद सभी लोग खांस रहे थे।

जापान के क्योडो न्यूज के अनुसार, सीसीटीवी फुटेज में एक आदमी इमारत के अंदर एक अज्ञात पदार्थ छिड़कते हुए दिखाई दिया। बताया गया कि इसके बाद वह मौके से भाग गया और पुलिस उसकी तलाश कर रही है।

वहां मौजूद एक महिला ने बताया कि उसने कई लोगों को अपना मुंह पकड़कर परेशान होते देखा और उसका अपना गला अभी भी 'सुन्न और दर्द भरा' महसूस हो रहा है।

एक अलग घटना में 29 अप्रैल को टोक्यो के फुस्सा इलाके में एक आदमी ने कथित तौर पर हाईस्कूल के दो छात्रों पर हथौड़े से हमला किया और पुलिस अधिकारियों पर भी एक अज्ञात पदार्थ छिड़का था। `यह घटना सोमवार सुबह 7:20 बजे (स्थानीय समय) एक सड़क पर हुई। एक छात्र के चेहरे पर चोट लगी जबकि दूसरे को कंधे पर चोट आई। क्योडो न्यूज ने पुलिस के हवाले से बताया कि हमला करने वाला व्यक्ति 40 साल का था। पुलिस के अनुसार, यह झगड़ा तब शुरू हुआ जब उस आदमी की मां ने सड़क पर बात कर रहे कुछ छात्रों को चुप रहने को कहा लेकिन वे नहीं माने। इसके बाद पास के इलाके में मौजूद एक व्यक्ति ने इमरजेंसी कॉल करके बताया कि एक आदमी हथौड़े से हमला कर रहा है। जब पुलिस मौके पर पहुंची और उस आदमी की मां से बात कर रही थी, तभी उस आदमी ने घर से लाए चाकू से पुलिस को धमकाया और फिर उन पर एक अज्ञात पदार्थ छिड़क दिया, जिससे तीन पुलिसकर्मी घायल हो गए।

इसके बाद पुलिस ने उसके घर पर छापा मारा क्योंकि उन्हें शक था कि वह अंदर ही छिपा हुआ है लेकिन वहां उन्हें सिर्फ एक हथौड़ा, एक चाकू और एक स्प्रे मिला। सीसीटीवी फुटेज में यह भी दिखा कि पुलिस पर स्प्रे करने के बाद वह आदमी घर के पीछे के दरवाजे से भाग गया।

बांग्लादेश के तंगैल में सरियों से भरा ट्रक पलटने से 15 लोगों की मौत

ढाका। बांग्लादेश के तंगैल जिले के कालीहाटी उपजिला में सोमवार तड़के जमुना ब्रिज के पूर्वी छोर के पास लोहे की सरियों से भरा एक ट्रक पलट गया। इस हादसे में कम से कम 15 लोगों की मौत हो गई जबकि कई घायल हो गए।

पुलिस के मुताबिक, ट्रक में सवार लोग ईद के मौके पर उत्तरी जिलों की तरफ जा रहे थे। बांग्लादेश के प्रमुख समाचार पत्र 'द डेली स्टार' के अनुसार, तंगैल के एसपी मुहम्मद शमसुल आलम सरकार ने घटना की पुष्टि करते हुए बताया कि हादसा सोमवार सुबह 4:30 बजे ढाका-तंगैल हाईवे के सरतैल दक्षिणपारा इलाके में हुआ। सरकार ने कहा कि मृतकों की पहचान तुरंत नहीं हो सकी, जबकि पुलिस और फायर सर्विस की टीमें मौके पर राहत और बचाव कार्य में जुटी रहीं। उन्होंने बताया कि लोहे की सरियों से लदा यह ट्रक यात्रियों को लेकर उत्तर की ओर जा रहा था। सरतैल दक्षिणपारा इलाके में ड्राइवर का ट्रक से नियंत्रण हट गया, जिसके बाद वाहन सड़क किनारे खाई में पलट गया। 'द डेली स्टार' से बात करते हुए बांग्लादेश ब्रिज अथॉरिटी के जमुना ब्रिज साइट ऑफिस के एग्जीक्यूटिव इंजीनियर सैयद रियाजउद्दीन ने बताया कि यात्री ट्रक में लदी सरियों के ऊपर बैठे हुए थे। ट्रक पलटने के बाद वे सरियों के नीचे दब गए। शुरुआती अंदेशा है कि ड्राइवर को नींद आ जाने की वजह से यह दर्दनाक हादसा हुआ।

वहीं, एलेंगा हाईवे पुलिस स्टेशन के ऑफिसर-इन-चार्ज एमडी शरीफ ने बताया कि बचाव अभियान के दौरान हाईवे पर ट्रैफिक जाम लग गया था लेकिन बाद में यातायात सामान्य कर दिया गया। इससे पहले मार्च में स्थानीय मीडिया ने बताया था कि ईद की छुट्टियों के दौरान बांग्लादेश के 14 जिलों में सड़क हादसों में कम से कम 40 लोगों की मौत हुई थी और 69 लोग घायल हुए थे।

मार्को रूबियो ने पत्नी जेनेट के साथ किया ताजमहल का दीदार

नई दिल्ली। अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रूबियो भारत दौरे के तीसरे दिन दुनिया के सात अजूबों में शामिल ताज महल का दीदार करने पहुंचे। उनके साथ पत्नी जेनेट डी. रूबियो, अमेरिका के उप राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार रॉबर्ट गैब्रियल और भारत स्थित अमेरिकी दूतावास के राजदूत सर्जियो गोर भी थे।

गोर ने ताज के सामने खिंचवाई तीन तस्वीरें पोस्ट कीं। इनमें रूबियो दंपति और गैब्रियल को भी देखा जा सकता है। इन तस्वीरों के साथ गोर ने लिखा मार्को रूबियो, जेनेट डी रूबियो और रॉबर्ट गैब्रियल के साथ आइकॉनिक ताजमहल पर वापस आकर शानदार अनुभूति हुई।

उन्होंने ताजमहल को भारत की असाधारण विरासत और कारीगरी का अद्भुत प्रतीक बताया और कहा कि इसकी खूबसूरती हमेशा मंत्रमुग्ध कर देती है। मार्को रूबियो चार दिवसीय आधिकारिक यात्रा पर भारत आए हैं। दौरे की शुरुआत उन्होंने कोलकाता से की फिर दिल्ली आए जहां उनका कार्यक्रम काफी व्यस्त रहा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से अहम मुलाकात की और उन्हें राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ओर से व्हाइट हाउस आने का न्योता दिया। रविवार को भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर के साथ उनकी द्विपक्षीय वार्ता काफी सफल रही। तीसरे दिन उन्होंने आगरा के बाद राजस्थान का रुख किया। पत्नी के साथ वो आमेर महल घूमने गए। यहां उन्हें राजस्थान की संस्कृति और विरासत से रूबरू कराया गया। उनके आगमन के चलते आमेर महल को दोपहर 1 बजे से शाम 5 बजे तक के लिए आम पर्यटकों के लिए बंद रखा गया है।

होर्मुज पर नहीं वसूलेंगे टैक्स, सेवाओं के बदले उचित मूल्य लेना तो सामान्य : बाघेई

तेहरान। ईरानी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बाघेई ने सोमवार को कहा कि होर्मुज जलडमरूमध्य का प्रबंधन तटीय देशों के अधिकार में है, यहां ईरान टोल नहीं वसूलेगा, लेकिन जो सेवाएं दी जाएंगी उनके लिए 'उचित मूल्य' लेना सामान्य बात है।

बाघेई ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में ये बात कही। अमेरिका-ईरान के समझौते को लेकर चल रही सकारात्मक खबरों के बीच उन्होंने कहा, 'हम सुरक्षा और हितों की रक्षा के लिए स्ट्रेट के आस पास स्थित देशों के संपर्क में हैं।'

संभावित समझौते को लेकर उन्होंने कहा कि अमेरिका की प्रतिबद्धताओं पर 'कोई गारंटी नहीं' है और ईरान को किसी भी 'धमकी' की परवाह नहीं है। उन्होंने कहा कि जो बदलाव हुए हैं उनमें खास बात पाकिस्तान के अलावा अन्य देशों का मध्यस्थता में शामिल होना रहा है, और बातचीत में लेबनान संघर्ष समाप्त करने से जुड़ा एक प्रावधान भी शामिल किया गया है। ईरानी प्रवक्ता ने यह भी बताया कि फिलहाल अमेरिका-ईरान वार्ता में परमाणु मुद्दे पर चर्चा नहीं हो रही है और ध्यान 'संघर्ष समाप्त करने' पर केंद्रित है। बाघेई ने आशंका जताई कि इजरायल इस बातचीत को कमजोर करने की कोशिश कर सकता है। बाघेई ने ये बात ऐसे समय में की है जब भारत दौरे पर आए अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रूबियो ने सोमवार को कहा कि ईरान के साथ चल रही बातचीत को लेकर आज कोई बड़ी खबर सामने आ सकती है। उनके अनुसार रविवार को दोनों देशों के बीच समझौता नहीं हो पाया, लेकिन इसे बहुत बड़ी बात नहीं मानना चाहिए। रूबियो की मानें तो अमेरिका ने ईरान के सामने एक मजबूत प्रस्ताव रखा है। इसमें होर्मुज को खोलने और ईरान के परमाणु कार्यक्रम पर तय समय के अंदर गंभीर बातचीत करने की बात शामिल है।

होर्मुज स्ट्रेट खुलने पर ईरान के साथ परमाणु कार्यक्रम पर गंभीर बातचीत को तैयार अमेरिका: मार्को रुबियो

वाशिंगटन। अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने कहा कि अगर ईरान होर्मुज स्ट्रेट को फिर से खोल देता है, तो अमेरिका ईरान के परमाणु कार्यक्रम पर 'बहुत गंभीर बातचीत' करने के लिए तैयार है।

न्यूयॉर्क टाइम्स की रिपोर्ट के हवाले से सिन्हुआ न्यूज एजेंसी ने बताया कि इन बयानों से यह संकेत मिलता है कि वाशिंगटन चरणबद्ध तरीके से आगे बढ़ सकता है और एक ऐसे अंतरिम समझौते को स्वीकार कर सकता है, जिसमें ईरान के परमाणु कार्यक्रम का मुद्दा तुरंत पूरी तरह हल न हो।

रुबियो ने नई दिल्ली की यात्रा के दौरान एक अखबार को दिए एक छोटे इंटरव्यू में कहा, '72 घंटों में किसी कागज पर जल्दी-जल्दी परमाणु समझौता नहीं किया जा सकता।' उन्होंने कहा, 'सबसे पहले होर्मुज स्ट्रेट तुरंत खोला जाना चाहिए। उसके बाद तय नियमों के तहत हम यूरेनियम संवर्धन, अत्यधिक संवर्धित यूरेनियम और ईरान के इस वादे पर गंभीर बातचीत करेंगे कि वह कभी परमाणु हथियार नहीं बनाएगा।' रुबियो ने आगे कहा कि इसमें वर्षों नहीं लगने चाहिए, लेकिन इन तकनीकी मामलों को सुलझाने में थोड़ा समय जरूर लगेगा। विदेश मंत्री ने संकेत दिया कि अगर बातचीत अगले दो महीनों में किसी नतीजे तक नहीं पहुंची, तो अमेरिका फिर से ईरान पर हमले की धमकी दे सकता है। उन्होंने कहा, 'आखिरकार, इस प्रक्रिया से वही नतीजा निकलना चाहिए जो हम चाहते हैं। अगर ऐसा नहीं होता, तो राष्ट्रपति के पास 60 दिनों बाद भी वही सभी विकल्प होंगे जो आज उनके पास हैं।' अब तक न तो अमेरिका और न ही ईरान ने सार्वजनिक रूप से इस समझौते की पूरी जानकारी दी है। कई आलोचकों का कहना है कि ऐसा चरणबद्ध समझौता आगे की बातचीत में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल?ड ट्रंप की पकड़ कमजोर कर सकता है।

अफगानिस्तान में नशे के खिलाफ बड़ा अभियान, पुलिस ने नष्ट की पोस्ते की 1,000 एकड़ फसल

काबुल। अफगानिस्तान के समनगान प्रांत में पुलिस ने पिछले दो दिनों में लगभग 1,000 एकड़ पोस्ता फसल नष्ट कर दी है। यह कार्रवाई मादक पदार्थों के खिलाफ चल रहे अभियान का हिस्सा है।

सोमवार को सिंहुआ न्यूज एजेंसी ने प्रांतीय पुलिस प्रवक्ता हशमतुल्लाह रहमानी के हवाले से बताया कि यह अभियान दारा-ए-सुफ पायेन जिले और आसपास के कई गांवों में चलाया गया, जहां बड़े पैमाने पर पोस्ता की खेती की गई थी।

रहमानी ने स्पष्ट कहा कि जिन लोगों ने अवैध ड्रग्स का उत्पादन या तस्करी की, उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

पिछले कुछ हफ्तों में भी उत्तरी अफगानिस्तान के बागलान, तखार और बदख्शान प्रांतों में सैकड़ों एकड़ पोस्ता की फसल नष्ट की जा चुकी है। 10 मई को बागलान प्रांत में लगभग 400 एकड़ नशीली फसलों को नष्ट किया गया। बाद में एक बयान जारी कर बताया गया कि नशा विरोधी अभियान के तहत प्रांत के अलग-अलग जिलों में कार्रवाई की गई और पोस्ता फसलों को नष्ट किया गया।

वहीं, 2 मई को निमरोज में 55 किलोग्राम मेथामफेटामीन जब्त किया गया था। पिछले महीने 26 अप्रैल को देशभर में 80 ड्रग तस्करों की गिरफ्तारी हुई और हेरोइन, हशीश तथा अन्य मादक पदार्थ जब्त किए गए।

सरकारी बयान में इसे देशव्यापी नशा विरोधी अभियान के लिए जरूरी बताया गया। ये भी कहा गया कि इसके जरिए तस्करों और वितरण नेटवर्क्स को खत्म करने की कोशिश की गई।

उसी महीने 15 अप्रैल को खोस्त प्रांत में 100 किलो से अधिक नशीले पदार्थ सार्वजनिक रूप से जलाए गए थे।

बदायूं-बरेली में गंगा दशहरा पर बड़ा हादसा

स्नान के दौरान नदी में डूबे 31 श्रद्धालु, 7 की मौत

बदायूं। गंगा दशहरा पर स्नान करते समय सोमवार को बदायूं व बरेली में 31 श्रद्धालु डूब गए। इनमें सात की मौत हो गई, एक बच्ची पानी में लापता है। शेष को गोताखोरों ने समय रहते बाहर निकाल लिया। बदायूं में डीएम अविनाश राय व एसएसपी अंकिता शर्मा गंगा घाट पर पहुंचकर लोगों से गहरे पानी में नहीं जाने की अपील करती रहीं। इसके बावजूद, कई श्रद्धालु गंगा में आगे बढ़ते रहे।

सुबह आठ बजे हाथरस के गांव कानऊ निवासी ओमवीर अपने बेटे नीलेश और रिश्तेदारों के साथ कछला पहुंचे थे। वे सभी मुख्य घाट से एक किमी दूर एकांत में गंगा स्नान कर रहे थे। उसी समय नीलेश, विकास, चार वर्षीय कृष्णा, नीलेश की मौसी शालिनी, 10 वर्षीय शिखा व रिश्तेदार रोहित गहरे पानी में डूबने लगे। नाविक व गोताखोर सरवन, जाबिर, अनिल, नाजिर और सद्दाम ने तुरंत मदद के लिए गंगा में कूदे। उन्होंने विकास, कृष्णा और शालिनी को सकुशल बाहर निकाल लिया। शाम को नीलेश और रोहित का शव निकाला जा सका, जबकि शिखा का पता नहीं चला। देर शाम तक टीमें उसे तलाशने में जुटी रहीं। कछला घाट पर गांव सिरसा दबरई निवासी राजकुमार, सूरज भी गहरे पानी में फंस गए। गोताखोर अनिल व फजले ने सूरज को सुरक्षित निकाल लिया मगर, राजकुमार की मौत हो गई।

तमिलनाडु सचिवालय में बढ़ी लोगों की भीड़, मंत्रियों के दफ्तरों के बाहर सुरक्षा कड़ी

चेन्नई। तमिलनाडु सचिवालय फोर्ट सेंट जॉर्ज में मंत्रियों के कार्यालयों के बाहर पुलिस सुरक्षा कड़ी कर दी गई है। अधिकारियों ने सोमवार को बताया कि नई सरकार के गठन के बाद मंत्रियों से मिलने आने वाले लोगों की संख्या में अचानक बढ़ोतरी हुई है, जिसके चलते अतिरिक्त सुरक्षा व्यवस्था की गई है।

मंत्रियों द्वारा कार्यभार संभालने के बाद सचिवालय में सुबह से देर शाम तक लोगों की भारी भीड़ देखी जा रही है। इसे देखते हुए प्रशासन ने परिसर के भीतर भीड़ नियंत्रण और आवाजाही को व्यवस्थित करने के लिए अतिरिक्त पुलिसकर्मियों की तैनाती की है।

अधिकारियों के मुताबिक, सुरक्षा व्यवस्था का मुख्य उद्देश्य सचिवालय में कामकाज को सुचारु बनाए रखना है, ताकि मंत्री प्रशासनिक जिम्मेदारियों, विभागीय समीक्षा बैठकों और जनता से मुलाकातों को बिना बाधा के पूरा कर सकें। पिछले कुछ दिनों में मंत्रियों के कक्षों के बाहर लंबी कतारें देखने को मिली हैं। इनमें पार्टी पदाधिकारी, सरकारी अधिकारी, समर्थक, शुभचिंतक और आम लोग शामिल हैं, जो विभिन्न कार्यों और मुलाकातों के लिए पहुंच रहे हैं।

बड़ी संख्या में लोग अपनी शिकायतें और मांगपत्र सौंपने, क्षेत्रीय और नागरिक समस्याओं के समाधान की मांग करने के लिए भी सचिवालय पहुंच रहे हैं। वहीं, कई नए मंत्रियों को बधाई देने के लिए समर्थकों और पार्टी कार्यकर्ताओं की भी भारी भीड़ उमड़ रही है।

स्थानीय विकास से जुड़े मुद्दों पर चर्चा और शिष्टाचार मुलाकातों के कारण सचिवालय परिसर में भीड़ और बढ़ गई है।

पुलिसकर्मियों को मंत्रियों के कार्यालयों के बाहर तैनात किया गया है, ताकि आगंतुकों की एंट्री को व्यवस्थित किया जा सके, कतारों को नियंत्रित किया जा सके और प्रशासनिक गलियारों में भीड़भाड़ रोकी जा सके।

संक्षिप्त खबर

10 महीने की बच्ची की हत्या का खुलासा, पिता ने कबूला जुर्म

मुकुंदपुर। राष्ट्रीय राजधानी के बाहरी उत्तरी जिला पुलिस ने एक बेहद गंभीर मामले का खुलासा किया है। दस महीने की एक बच्ची की हत्या कर उसके शव को घर के सेप्टिक टैंक में फेंक दिया था। इस मामले में पुलिस ने शव बरामद करते हुए बच्ची के पिता को गिरफ्तार कर लिया है, जिसने शुरुआत में पुलिस को गुमराह करने के लिए अपहरण की झूठी सूचना दी थी। यह मामला भलस्वा डेयरी थाना क्षेत्र का है, जहां पुलिस को 24 मई को एक आपातकालीन सूचना मिली थी कि एक घर से 10 महीने की बच्ची का कथित रूप से अपहरण हो गया है। सूचना मिलते ही पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी। मामला अत्यंत संवेदनशील मानते हुए वरिष्ठ अधिकारियों ने तुरंत विशेष टीमें गठित कर दीं और पूरे इलाके में तलाशी अभियान शुरू किया गया। जांच के दौरान पुलिस ने आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली और शिकायतकर्ता पिता की गतिविधियों की जांच की। शुरुआती जांच में ही पुलिस को पिता के बयान और घटनाक्रम में कई विरोधाभास नजर आए, जिसके बाद उस पर संदेह गहरा गया। पुलिस ने जब उसे सख्ती से पूछताछ की, तो वह अपने ही बयान से पीछे हटने लगा और लगातार जवाब बदलने लगा। लगातार पूछताछ के बाद आरोपी पिता टूट गया और उसने अपना अपराध स्वीकार कर लिया। उसने बताया कि वह आर्थिक परेशानियों से जूझ रहा था और इसी तनाव में उसने यह खौफनाक कदम उठाया।

कोयंबटूर में नाबालिग की हत्या मामला, भाजपा ने तमिलनाडु सरकार को घेरा

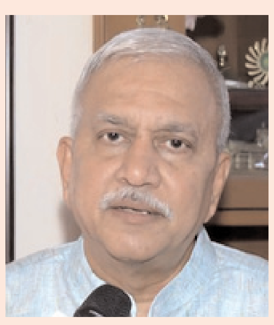

चेन्नई। तमिलनाडु में एक नाबालिग लड़की की मौत पर प्रतिक्रिया देते हुए तमिलनाडु भाजपा के मुख्य प्रवक्ता नारायणन तिरुपति ने सोमवार को राज्य सरकार की आलोचना की। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार बदलने के बावजूद, प्रशासन या कानून-व्यवस्था की स्थिति में कोई बदलाव नहीं आया है।

समाचार एजेंसी आईएएनएस से बात करते हुए नारायणन तिरुपति ने कहा कि भले ही सरकार बदल गई हो, लेकिन प्रशासन के मामले में कुछ भी नहीं बदला है। सरकार एक निरंतर प्रक्रिया है और सरकारी तंत्र को ठीक से काम करना चाहिए। व्यवस्था में बदलाव की जरूरत है। यह आसानी से किया जा सकता है, इसमें कोई दिक्कत नहीं है। उन्होंने कहा कि मैं मानता हूं कि यह रातों-रात नहीं होगा, लेकिन आपने क्या उपाय किए हैं? आपने क्या कदम उठाए हैं? कुछ भी नहीं। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रदेश में महिलाओं और बच्चों के खिलाफ अपराध बेरोकटोक जारी हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश में लगातार हत्याएं हो रही हैं। बलात्कार हो रहे हैं। महिलाओं और बच्चियों के खिलाफ अपराध हो रहे हैं। हम सभी जानते हैं कि ऐसी घटनाओं के पीछे शराब और नशीले पदार्थ प्रमुख कारणों में से हैं, लेकिन हमें व्यवस्था को बदलने की जरूरत है। सरकार के प्रयासों पर सवाल उठाते हुए तिरुपति ने कहा कि आपने पिछले 10 या 15 दिनों में क्या कदम उठाए हैं? अगर हम सिर्फ पुलिस अधिकारियों का तबादला करते रहेंगे, तो इससे कुछ नहीं होने वाला। वे सभी आईपीएस अधिकारी और पुलिसकर्मी हैं, सिर्फ उन्हें ही दोष नहीं देते रह सकते।

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री फडणवीस ने ईंधन जमाखोरों के खिलाफ कार्रवाई की चेतावनी दी

मुंबई। ईंधन की बढ़ती कीमतों और कमी की आशंकाओं के बीच महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने सोमवार को चेतावनी दी कि ईंधन की जमाखोरी करते पाए जाने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

मुख्यमंत्री फडणवीस ने मीडिया से बातचीत में कहा कि पेट्रोल और डीजल की कीमतों में लगातार चार बार की बढ़ोतरी मौजूदा वैश्विक संकट का सीधा परिणाम है।

राज्य भर में ईंधन की कमी की आशंकाओं के जोर पकड़ने की बात स्वीकार करते हुए मुख्यमंत्री ने जनता से सख्त अपील की। मुख्यमंत्री फडणवीस ने कहा कि मैं नागरिकों से आग्रह करता हूं कि वे घबराकर पेट्रोल और डीजल की जमाखोरी न करें। उन्होंने दोहराया कि सरकार ईंधन की जमाखोरी में लिप्त लोगों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करेगी।

मुख्यमंत्री ने पेट्रोल और डीजल की आपूर्ति के प्रबंधन के संबंध में सभी जिला कलेक्टरों को पहले ही महत्वपूर्ण निर्देश जारी कर दिए हैं।

इस बात पर जोर देते हुए कि कृषि कार्यों के लिए कई लोग डीजल पर अत्यधिक निर्भर हैं, उन्होंने जिला कलेक्टरों को स्थिति पर कड़ी निगरानी रखने और सुविचारित योजना सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। कलेक्टरों को यह सुनिश्चित करने का आदेश दिया गया है कि जमाखोरी न हो और डीजल का वितरण आवश्यकता के अनुसार व्यवस्थित रूप से किया जाए।

बढ़ती चिंता को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री फडणवीस ने स्वीकार किया कि यद्यपि कुछ छिटपुट क्षेत्रों में तनावपूर्ण स्थिति उत्पन्न हुई है, लेकिन दहशत व्यापक नहीं है।

उन्होंने आश्वासन दिया कि कुछ स्थानों पर तनाव की सूचना मिली है, लेकिन यह हर जगह नहीं है। छिटपुट क्षेत्रों में हुई घटनाओं को बढ़ा-चढ़ाकर पेश किया जा रहा है। हालांकि, हम यह सुनिश्चित करने के लिए सक्रिय रूप से काम कर रहे हैं कि ऐसी छोटी-मोटी घटनाएं भी न हों। इस बीच, संभाजीनगर जिले से खबरें आई हैं कि ईंधन की कमी के कारण कथित तौर पर 363 पेट्रोल पंप बंद हो गए हैं। इस अचानक बंद होने से आम जनता अत्यधिक परेशान है। दूसरी ओर, पेट्रोल पंप मालिक संघ ने स्पष्ट किया है कि उनके अधिकार क्षेत्र में आने वाले 60 पेट्रोल पंपों ने परिचालन बंद कर दिया है।

महिलाओं और बच्चों के खिलाफ अपराधों को रोकने में तमिलनाडु सरकार फेल : उदयनिधि स्टालिन

चेन्नई। डीएमके युवा विंग के सचिव और तमिलनाडु विधानसभा में विपक्ष के नेता उदयनिधि स्टालिन ने तमिलनाडु में हो रहे अपराधों को लेकर टीवीके सरकार को घेरा है। उदयनिधि ने आरोप लगाया कि राज्य में कानून-व्यवस्था बिगड़ गई है।

उदयनिधि स्टालिन ने कहा कि तमिलनाडु में पिछले 15 दिनों में खबरों में आई घटनाओं में 25 हत्याएं, चार दोहरी हत्याएं और 19 यौन अपराध शामिल हैं। ये घटनाएं खुद इस बात का सबूत हैं कि 'बदलो-बदलो' के नारे लगाते हुए सत्ता में आए लोगों के शासन में कानून-व्यवस्था कितनी बिगड़ गई है। कोयंबटूर के सुलूर में एक लड़की के साथ हुए अत्याचार का सदमा अभी शांत भी नहीं हुआ था कि विल्लुपुरम जिले में एक नाबालिग लड़की के साथ यौन उत्पीड़न की एक और घटना सामने आई। सुलूर की लड़की के शव का अंतिम संस्कार उसकी मां को बिना बताए जल्दबाजी में कर दिया गया। मदुरै में मीनाक्षी अम्मन मंदिर के पास एक किशोर की बेरहमी से हत्या कर दी गई। इसके अलावा कोयंबटूर में एक युवती के घर पर पेट्रोल बम फेंका गया। मुख्यमंत्री के अपने निर्वाचन क्षेत्र पेरम्बूर में नशे में धुत एक गिरोह ने 13 वाहनों के शीशे तोड़कर उन्हें क्षतिग्रस्त कर दिया। डीएमके नेता ने मुख्यमंत्री विजय से कई सवाल पूछे हैं। उदयनिधि ने एक्स पर लिखा, 'मुख्यमंत्री जी, क्या यह तमिलनाडु है या उत्तर प्रदेश? आपकी 'महिलाओं के लिए विशेष कार्यबल' कहां गायब हो गई? चुनाव से पहले बड़े-बड़े वादे करने वाले मुख्यमंत्री अब चुप क्यों बैठे हैं?'

रांची की कोर्ट ने नाबालिग के अपहरण और रेप के दोषी को दी 20 साल के सश्रम कारावास की सजा

रांची। रांची की विशेष पॉक्सो अदालत ने नाबालिग लड़की का अपहरण कर उसके साथ लगातार दुष्कर्म करने के मामले में दोषी पाए गए उमेंद्र कुमार उर्फ उमेंद्र राय को 20 वर्ष के कठोर सश्रम कारावास की सजा सुनाई है। इसके साथ ही अदालत ने दोषी पर 35 हजार रुपये का आर्थिक जुर्माना भी लगाया है, जिसे अदा न करने पर अतिरिक्त सजा भुगतनी होगी। यह मामला रांची के डोरंडा थाना क्षेत्र का है।

अभियोजन पक्ष द्वारा अदालत में पेश किए गए दस्तावेजों और साक्ष्यों के मुताबिक, यह वारदात 13 अगस्त 2023 की है। डोरंडा थाना क्षेत्र की रहने वाली एक 15 वर्षीय नाबालिग लड़की शाम के वक्त हिनू चौक पर पिज्जा खाने के लिए घर से निकली थी। इसी दौरान पहले से घात लगाए बैठे आरोपी उमेंद्र राय ने उसे रास्ते में रोक लिया और बहला-फुसलाकर उसका अपहरण कर लिया। वह पीड़िता को जबरन तुपुदाना स्थित एक किराए के मकान में ले गया, जहां उसे कई दिनों तक बंधक बनाकर रखा।

इस दौरान आरोपी ने पीड़िता की मर्जी के खिलाफ उसके साथ लगातार दुष्कर्म की वारदात को अंजाम दिया। जब भी पीड़िता ने इसका विरोध किया या अपने माता-पिता से संपर्क करने की कोशिश की, तो आरोपी ने उसे और उसके परिवार को जान से मारने की गंभीर धमकी दी। विशेष अदालत ने इस संवेदनशील मामले में त्वरित सुनवाई पूरी करते हुए गत 19 मई को उमेंद्र राय को दोषी करार दिया था, जिसके बाद सोमवार को सजा के बिंदु पर सुनवाई के बाद फैसला सुनाया।

दोषी अभियुक्त वारदात के बाद से ही यानी 18 अगस्त 2023 से लगातार न्यायिक हिरासत में जेल में बंद है। सजा के एलान के दौरान सुरक्षा कारणों से उसे बिरसा मुंडा केंद्रीय कारागार से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से अदालत के समक्ष पेश किया गया था।

दिल्ली में शराब की दुकान में लूट, लुटेरों ने कर्मचारियों को मारी गोली, आरोपी गिरफ्तार

नई दिल्ली। दिल्ली के पहाड़गंज के व्यस्त बाजार क्षेत्र में स्थित एक सरकारी शराब की दुकान पर लूटपाट की कोशिश के दौरान बदमाशों ने कर्मचारियों पर फायरिंग कर दी। इस हमले में दो कर्मचारी घायल हो गए, जिनमें एक को गोली लगी, जबकि दूसरे पर चाकू से हमला किया गया।

पुलिस के अनुसार, घटना शनिवार देर रात की है। हथियारों से लैस दो बदमाश दुकान में लूट के इरादे से घुसे थे। आरोपियों के पास पिस्तौल और चाकू था।

उन्होंने कर्मचारियों को डराकर नकदी और अन्य सामान लूटने की कोशिश की। इसी दौरान एक आरोपी ने चार गोलियां चलाईं। इनमें से तीन गोलियां निशाने से चूक गईं, जबकि एक गोली दुकान के एक कर्मचारी को जा लगी। वहीं दूसरे आरोपी ने एक अन्य कर्मचारी पर चाकू से हमला कर उसे घायल कर दिया। हमलावरों ने तीसरे कर्मचारी का बटुआ भी लूट लिया, जिसमें करीब 1,500 रुपए नकद, आधार कार्ड, वोटर आईडी कार्ड और अन्य जरूरी दस्तावेज मौजूद थे। हालांकि, दुकान के कर्मचारियों ने बदमाशों का डटकर विरोध किया, जिससे आरोपी घबरा गए और मौके से फरार हो गए।

घटना की सूचना मिलते ही दिल्ली पुलिस और फोरेंसिक साइंस लेबोरेटरी (एफएसएल) की टीम मौके पर पहुंची और घटनास्थल से साक्ष्य जुटाए। घायल कर्मचारियों को तुरंत पास के अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनका इलाज जारी है। पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए कई टीमों का गठन किया और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली। फुटेज में दोनों संदिग्धों की गतिविधियां कैद हो गईं।

बिहार की महिलाएं, बच्चे और आम नागरिक असुरक्षित महसूस कर रहे हैं : तेजस्वी यादव

पटना। बिहार विधानसभा में विपक्ष के नेता तेजस्वी यादव ने आरोप लगाया कि बिहार की कानून व्यवस्था इतनी खराब हो चुकी है कि पिछले एक महीने में ही बिहार से 8,681 बच्चे गायब हुए हैं, जिसमें 85 फीसदी लड़कियां हैं। उन्होंने कहा कि आज समूचे बिहार की महिलाएं, बच्चे और आम नागरिक असुरक्षित महसूस कर रहे हैं।

राजद के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष तेजस्वी यादव ने सोमवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट कर लिखा, 'बिहार में प्रतिदिन अनेकों दुष्कर्म की जघन्य घटनाएं घटती हैं। घर में घुसकर महिलाओं के साथ दुष्कर्म किया जाता है। चंद दिनों में 75 से अधिक दुष्कर्म एवं सामूहिक दुष्कर्म की घटनाओं को अंजाम दिया गया है। स्वर्णकारों के साथ दिनदहाड़े लूट की घटनाएं होती हैं।'

उन्होंने कहा कि हर जिले में हर दिन हत्या, लूट और चोरी की वारदात हो रही है, लेकिन इसके बावजूद पूरे जीवन में बार-बार राजनीतिक गमछा और चश्मा बदलने वाले असहाय मुख्यमंत्री 'एआई तकनीकयुक्त कैमरा' का इस्तेमाल नहीं कर पाते हैं। ऐसा इसलिए है क्योंकि आर्टिफिशियल बातें करने वाले आर्टिफिशियल सीएम को न तो बिहार की फिक्र है और न ही बिहारवासियों की।

उन्होंने आरोप लगाया कि बिहार की एनडीए सरकार में पहले रेप पीड़िता नीट छात्रा की हत्या और अब पॉलिटेक्निक परीक्षा देने पटना आई नाबालिग छात्रा के साथ होटल में छेड़छाड़ और अपहरण का प्रयास, बिहार में 'अपराधियों के सम्राट' रूप धारण करने का प्रमाण है।

सीबीएसई की नई ओएसएम प्रणाली में मार्किंग अनियमितताओं को लेकर कांग्रेस ने केंद्र को घेरा

नई दिल्ली। कांग्रेस सांसद जयराम रमेश ने सोमवार को केंद्र सरकार और केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान पर सीबीएसई की 12वीं बोर्ड परीक्षा में हाल ही में शुरू की गई 'ऑन स्क्रीन मार्किंग' (ओएसएम) प्रणाली में कथित अनियमितताओं को लेकर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि इस प्रक्रिया के कारण देशभर में लाखों छात्रों में अनिश्चितता पैदा हुई है।

कांग्रेस के महासचिव (संचार प्रभारी) और सांसद जयराम रमेश ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट में आरोप लगाया कि ओएसएम सिस्टम लागू होने से 'लाखों बच्चों का शैक्षणिक भविष्य प्रभावित हो गया है' और सीबीएसई के कामकाज पर गंभीर सवाल उठे हैं।

जयराम रमेश ने दावा किया कि इस साल 12वीं कक्षा का पास प्रतिशत 88 प्रतिशत से घटकर 85 प्रतिशत हो गया है। उन्होंने आरोप लगाया कि मूल्यांकन प्रक्रिया में कई गड़बड़ियां हुईं, जिनमें धुंधली और पढ़ने में मुश्किल उत्तर पुस्तिकाएं, गलत अंकन, छात्रों को गलत उत्तर पुस्तिकाएं मिलना, भुगतान में देरी और री-इवैल्यूएशन फीस बहुत ज्यादा होना शामिल है।

जयराम रमेश ने अपनी पोस्ट में कहा कि सीबीएसई ने 12वीं बोर्ड परीक्षा के लिए 'ऑन-स्क्रीन मार्किंग सिस्टम' शुरू किया है, जिससे देशभर में लाखों छात्रों के शैक्षणिक भविष्य पर असर पड़ा है। उन्होंने कहा कि इस साल 12वीं का पास प्रतिशत तीन प्रतिशत अंक घट गया है और पूरी मूल्यांकन प्रक्रिया में अनियमितताएं बताई जा रही हैं।

ओएसएम सिस्टम एक डिजिटल मूल्यांकन प्रक्रिया है, जिसमें उत्तर पुस्तिकाओं को स्कैन किया जाता है, छात्रों की पहचान छिपाने के लिए उन्हें डिजिटल रूप से मास्क किया जाता है और फिर शिक्षकों द्वारा कंप्यूटर स्क्रीन पर उनका मूल्यांकन किया जाता है। धर्मेंद्र प्रधान को निशाना बनाते हुए जयराम ने कहा कि मंत्री ने तब प्रतिक्रिया दी जब चिंताएं बढ़ गईं। उन्होंने आरोप लगाया कि शिक्षा मंत्री इस व्यवस्था को लागू करने से पहले आने वाली चुनौतियों का अनुमान लगाने में विफल रहे। धर्मेंद्र प्रधान पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि शिक्षा मंत्री तब प्रतिक्रिया दे रहे हैं, जब व्यवस्था में समस्याएं सामने आ चुकी हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि मंत्री तकनीकी समस्याओं को हल करने के लिए आईआईटी कानपुर को शामिल कर खुद को बेहतर तरीके से पेश करने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने सवाल उठाया कि सीबीएसई और शिक्षा मंत्रालय ने डिजिटल मार्किंग सिस्टम अपनाने से पहले पर्याप्त योजना क्यों नहीं बनाई और आधिकारिक जवाब देने में एक हफ्ते से ज्यादा समय क्यों लगा।

विश्व केसरी

स्पेस में तारे बनते हैं नेविगेशन सिस्टम का हिस्सा, जानें एस्ट्रोनॉट्स कैसे तय करते हैं रास्ता

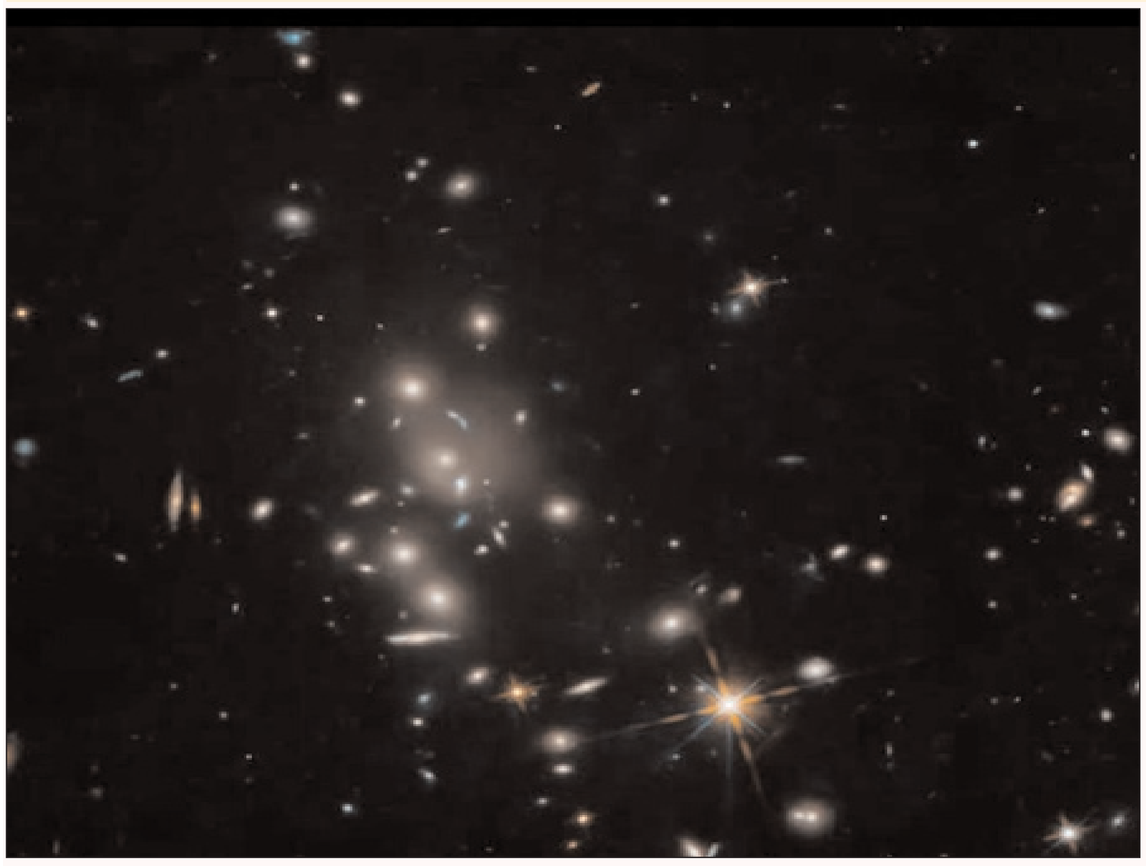

नई दिल्ली। स्पेस की दुनिया रहस्य और रोमांच से भरी है। पृथ्वी से कई सौ किलोमीटर दूर स्पेस में पानी बनाना हो या अन्य छोटी-बड़ी बातें, ये लोगों को हैरत में डाल देती हैं। स्पेस में रास्ता तय करना भी एक ऐसा ही सवाल है। स्पेस में नेविगेशन के लिए एस्ट्रोनॉट्स आधुनिक तकनीक के साथ-साथ पारंपरिक तरीकों का भी इस्तेमाल करते हैं। तारे उनके लिए नेविगेशन सिस्टम की तरह काम करते हैं।

अमेरिकी स्पेस एजेंसी नासा के आर्टेमिस-2 मिशन के क्रू मेंबर व कनाडियन स्पेस एजेंसी के एस्ट्रोनॉट जेरेमी हैनसेन ने हाल ही में बताया कि ओरियन स्पेसक्राफ्ट को चलाने में तारों की मदद कैसे ली जाती है। चांद पर जाना हो या अन्य ग्रहों की यात्रा लाखों किलोमीटर दूर तक कि इतनी लंबी दूरी के बाद सही जगह पर पहुंचना बेहद जरूरी है। अगर थोड़ी सी भी गलती हुई तो स्पेसक्राफ्ट या तो ग्रहों से टकरा सकता है या फिर अंतरिक्ष में कहीं खो सकता है। इसलिए नेविगेशन सबसे महत्वपूर्ण पहलुओं में से एक है।

एस्ट्रोनॉट्स अपनी स्थिति का पता लगाने के लिए दो मुख्य तरीकों का इस्तेमाल करते हैं। पहला तरीका पृथ्वी से मिलने वाली सहायता है। पृथ्वी पर स्थित मिशन कंट्रोल सेंटर अपने विभिन्न सिस्टम की मदद से स्पेसक्राफ्ट को ट्रैक करता है और एस्ट्रोनॉट्स को उनकी सटीक स्थिति, गति और दिशा के बारे में लगातार जानकारी भेजता रहता है।

दूसरा और बेहद रोचक तरीका तारों की मदद लेना है। स्पेसक्राफ्ट में खास सिस्टम लगे होते हैं, जो तारों की तस्वीरें ले सकते हैं। ये सिस्टम चांद की स्थिति और उसकी परछाई का भी अध्ययन करते हैं। साथ ही, तारीख और समय के आधार पर गणना करके यह पता लगाते हैं कि स्पेसक्राफ्ट अंतरिक्ष में कहां है और किस गति से आगे बढ़ रहा है।

जेरेमी हैनसेन ने बताया कि स्पेसक्राफ्ट ज्यादातर समय ऑटोमेशन मोड में उड़ता है, लेकिन जरूरत पड़ने पर एस्ट्रोनॉट्स इसे इसे मैन्युअली भी कंट्रोल कर सकते हैं। मिशन कंट्रोल के निर्देशों के अलावा, तारों का इस्तेमाल करके वे खुद भी अपनी दिशा तय कर सकते हैं।

अब सवाल है कि तारे इतने क्यों जरूरी हैं? एस्ट्रोनॉट बताते हैं अंतरिक्ष में कोई सड़क, कोई निशान या कोई लैंडमार्क नहीं होता। ऐसे में तारे एक स्थिर और भरोसेमंद गाइड की तरह काम करते हैं। सदियों से नाविक समुद्र में तारों की मदद से रास्ता ढूंढते आए हैं। अब एस्ट्रोनॉट्स भी उसी सिद्धांत का इस्तेमाल आधुनिक उपकरणों के साथ कर रहे हैं।

स्पेस में आईवॉश भी चुनौती, जानें क्या है 'सील आई इरिगेशन गॉगल्स', कैसे करता है काम?

नई दिल्ली। स्पेस की दुनिया रहस्यों के साथ ही रोमांच से भी भरी पड़ी है। पृथ्वी पर की गई छोटी सी एक्टिविटी भी स्पेस बड़ी बात या एक चुनौती हो सकती है। ऐसी ही एक समस्या है स्पेस में आईवॉश या आंखों को धुलना, पृथ्वी पर यह जितना आसान है, स्पेस में उतना ही मुश्किल। हालांकि, एस्ट्रोनॉट्स इस समस्या से राहत पाने के लिए 'सील आई इरिगेशन गॉगल्स' का इस्तेमाल करते हैं।

भारतीय वायुसेना के पायलट और भारत के चुनिंदा अंतरिक्ष यात्री रहे ग्रुप कैप्टन शुभांशु शक्ला का एक पुराना वीडियो सामने आया, जिसमें वह अंतरिक्ष में चिकित्सा संबंधी छोटी-मोटी समस्याओं को लेकर महत्वपूर्ण जानकारी साझा करते नजर आए। शुभांशु शक्ला भारत के गगनयान मिशन से जुड़े रहे हैं।

वीडियो में वह बताते नजर आए, अंतरिक्ष में कोई भी छोटी समस्या बहुत जल्दी गंभीर रूप ले सकती है क्योंकि सबसे नजदीकी अस्पताल धरती पर 400 किलोमीटर नीचे होता है। ऐसे में अंतरिक्ष यात्री उड़ान से पहले बुनियादी मेडिकल ट्रेनिंग लेते हैं। शुभांशु ने बताया कि अंतरिक्ष की माइक्रोग्रैविटी (शून्य गुरुत्वाकर्षण) सबसे आसान काम को भी बेहद मुश्किल बना देती है। इसका सबसे बड़ा उदाहरण आंख धोना है।

धरती पर अगर आंख में कुछ चला जाए तो हम आसानी से पानी से धो लेते हैं। लेकिन अंतरिक्ष में पानी न तो बहता है और न ही एक जगह रुकता है। वह छोटे-छोटे गोलाकार बूंदों में तैरने लगता है और पूरे स्पेसक्राफ्ट में इधर-उधर घूमने लगता है। अगर किसी एस्ट्रोनॉट की आंख में चोट लग जाए या धूल चली जाए तो सामान्य तरीके से आंख धोना असंभव हो जाता है। इसी समस्या का समाधान निकालने के लिए वैज्ञानिक 'सील आई इरिगेशन गॉगल्स' का इस्तेमाल करते हैं।

यह सीलबंद विशेष प्रकार के गॉगल्स हैं, जो देखने में साइंस फिक्शन फिल्मों जैसे लगते हैं। गॉगल्स की खासियत है कि ये गॉगल्स आंखों पर पूरी तरह फिट बैठते हैं और इनमें दो ट्यूब लगी होती हैं। एक ट्यूब स्टराइल सलाइन (शुद्ध पानी) को अंदर ले जाती है और आंख को धोती है। वहीं, दूसरी ट्यूब सक्शन (खिंचाव) की मदद से गंदे पानी को तुरंत बाहर निकाल लेती है। यह पूरी तरह 'क्लोज्ड सिस्टम' है, जिससे पानी कहीं भी नहीं फैलता और केबिन साफ रहता है। यह सिस्टम स्विमिंग गॉगल्स की तरह डिजाइन किया गया है।

शुभांशु शक्ला ने बताया, 'खुशकिस्मती से मेरे मिशन के दौरान इसका इस्तेमाल नहीं करना पड़ा लेकिन अंतरिक्ष यात्रियों को यही उम्मीद रहती है कि उन्हें इन उपकरणों की जरूरत ही न पड़े। अंतरिक्ष में चांद की धूल या अन्य कणों से आंखों को खतरा रहता है, इसलिए यह उपकरण बेहद उपयोगी साबित होता है।

लिफ्ट नहीं सीढ़ियां हैं बेहतर फिटनेस का राज, जानें क्या हैं फायदे

नई दिल्ली। आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में इंसानों की निर्भरता मशीनों पर बढ़ती जा रही है। ये सुविधा भले देते हों मगर शारीरिक गतिविधियों को धीरे-धीरे खत्म भी करते जा रहे हैं। लिफ्ट या एस्केलेटर को ही ले लें तो इनकी वजह से लोग सीढ़ियां चढ़ने से कतराने लगे हैं। हालांकि, एक्सपर्ट इसे सेहत के लिए सही नहीं मानते हैं। नेशनल हेल्थ मिशन (एनएचएम) ने सीढ़ियों को बेहतर फिटनेस और एनर्जी का जरिया बताते हुए बताया कि छोटी-छोटी आदतें ही बड़े बदलाव लाती हैं। स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए रोजमर्रा की छोटी गतिविधियों को सकारात्मक तरीके से बदलना बेहद जरूरी है। इसी क्रम में एनएचएम ने सलाह दी है कि दिन की शुरुआत स्वस्थ तरीके से करने के लिए लिफ्ट की बजाय सीढ़ियां चुनें। हर कदम आपको बेहतर फिटनेस, नई ऊर्जा और स्वस्थ जीवन की ओर ले जाता है।

एनएचएम के अनुसार, आजकल की भागदौड़ भरी जिंदगी में ज्यादातर लोग लिफ्ट का इस्तेमाल करते हैं। अगर हम थोड़ा प्रयास करें और सीढ़ियां चढ़ने की आदत डालें तो इससे कई स्वास्थ्य लाभ मिल सकते हैं। यह छोटी आदत न सिर्फ शरीर को सक्रिय बनाती है बल्कि लंबे समय में गंभीर बीमारियों से भी बचाव करती है।

सीढ़ियां चढ़ने के एक नहीं कई फायदे हैं। सीढ़ियां चढ़ना एक बेहतरीन व्यायाम है, जो बिना किसी उपकरण के किया जा सकता है। इससे पैरों की मांसपेशियां मजबूत होती हैं, वजन नियंत्रण में रहता है और शरीर की सहनशक्ति बढ़ती है। नियमित रूप से सीढ़ियां चढ़ने से हृदय स्वस्थ रहता है, ब्लड प्रेशर कंट्रोल में रहता है और कोलेस्ट्रॉल का स्तर भी संतुलित रहता है। इसके अलावा यह आदत पूरे दिन ऊर्जा से भर देती है। सुबह ऑफिस या घर में सीढ़ियां चढ़कर शुरू किया गया दिन ज्यादा सक्रिय और तरोताजा रहता है। विशेषज्ञों का कहना है कि 'एक्टिव बॉडी' बनाए रखने के लिए ऐसी छोटी आदतें बहुत महत्वपूर्ण हैं। इस छोटी सी आदत से बेहतर हार्ट हेल्थ होती है, ज्यादा एनर्जी और स्फूर्ति मिलती है, पैर और हड्डियां मजबूत होती हैं। वजन नियंत्रण में रहता है, सांस संबंधित समस्याएं दूर होती हैं और तनाव कम व मूड बेहतर होता है।

एनएचएम ने लोगों से अपील की है कि जहां भी संभव हो, लिफ्ट की जगह सीढ़ियों का इस्तेमाल करें। अगर ऑफिस की मंजिल ज्यादा ऊंची है तो कम से कम कुछ मंजिलें सीढ़ियों से चढ़कर शुरू करें।

नौतपा में खतरनाक हो सकती है लापरवाही, जानें भीषण गर्मी में क्या करें, क्या न करें

नई दिल्ली। देशभर में भीषण गर्मी का प्रकोप जारी है। कई इलाकों में तापमान 45 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया है। ऐसे में आज (सोमवार) से नौतपा शुरू हो चुका है, जो 2 जून तक चलेगा। नौतपा के इन नौ दिनों में धरती अत्यधिक तपती है और गर्मी चरम पर रहती है। ऐसे में हेल्थ एक्सपर्ट सलाह देते हैं कि भीषण गर्मी में क्या करें और क्या न करें।

विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने चेतावनी दी है कि भीषण गर्मी के दौरान लापरवाही खतरनाक साबित हो सकती है। इसलिए हर व्यक्ति को विशेष सावधानी बरतनी चाहिए। वहीं, नौतपा के दौरान लू, निर्जलीकरण और हीट स्ट्रोक का खतरा काफी बढ़ जाता है। खासकर बुजुर्ग, बच्चे और पहले से बीमार लोग अधिक संवेदनशील होते हैं। छोटी-छोटी लापरवाही भी बड़ी समस्या पैदा कर सकती है।

गर्मी के दौरान क्या करें : भरपूर पानी पिएं और हाइड्रेटेड रहें। दिनभर में कम से कम 3-4 लीटर पानी जरूर पिएं। हल्के, ढीले और सूती कपड़े पहनें जो हवा पास होने दें। बाहर निकलते समय सिर, चेहरा और गर्दन को अच्छी तरह ढकें। टोपी, छाता या स्कार्फ का इस्तेमाल करें। सीधी धूप से बचें और दोपहर 12 बजे से 4 बजे के बीच घर के अंदर रहें। इस समय बाहर निकलने से बचें।

क्या न करें : धूप में भारी या मेहनत वाले काम बिल्कुल न करें। बच्चों और पालतू जानवरों को बंद गाड़ी में अकेला न छोड़ें। गाड़ी के अंदर तापमान बहुत तेजी से बढ़ जाता है। शराब, चाय, कॉफी, कोल्ड ड्रिंक्स और फिजी ड्रिंक्स से परहेज करें। ये शरीर को और डिहाइड्रेट करते हैं। बिना जरूरत के दोपहर में बाहर घूमने या बाजार जाने से बचें।

स्वास्थ्य विशेषज्ञों का कहना है कि नौतपा में शरीर का तापमान नियंत्रण में रखना सबसे जरूरी है। हल्का और सुपाच्य भोजन लें, नमक-चीनी का घोल या ओआरएस का इस्तेमाल कर सकते हैं। यदि चक्कर, उल्टी, ज्यादा पसीना या थकान महसूस हो तो तुरंत चिकित्सकीय मदद लें।

यूपी में भीषण गर्मी और लू का प्रकोप, डॉक्टर की सलाह- टोपी और चश्मा लगाकर घर से बाहर निकलें

एटा। उत्तर प्रदेश में भीषण लू और गर्मी की स्थिति को लेकर सरकार ने तमाम तैयारियां और जनता की सुरक्षा से जुड़े इंतजाम किए हैं। इसी बीच, भीषण गर्मी और लू को लेकर स्वास्थ्य विभाग ने लोगों को सतर्क रहने की सलाह दी है।

एटा जिला अस्पताल के डॉक्टर अमरदीप ने कहा कि मौजूदा गर्मी की लहर के दौरान लोगों को विशेष सावधानी बरतने की आवश्यकता है। लोगों को सुबह 11 बजे से शाम 4 बजे के बीच बिना ज़रूरत घर से बाहर निकलने से बचना चाहिए। अगर किसी जरूरी काम से बाहर जाना पड़े तो सिर पर पतला कपड़ा, टोपी या चश्मे का इस्तेमाल करें। साथ ही, शरीर में पानी की कमी न हो, इसके लिए जूस, नींबू पानी, सादा पानी और गन्ने के रस जैसे तरल पदार्थों का अधिक सेवन करें। उन्होंने बताया कि गर्मी के कारण शरीर में पानी की कमी होने से रक्त संचार प्रभावित हो सकता है, जिससे स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं बढ़ जाती हैं। डॉक्टर ने खास तौर पर बाहर खुले में रखे खाने को लेकर भी सावधानी बरतने की अपील की। उन्होंने कहा कि जिस तरह फ्रिज के बाहर रखते ही खाना खराब हो जाता है, उसी तरह शादी-विवाह, भंडारे या अन्य कार्यक्रमों में बाहर रखा खाना जल्दी खराब होने की संभावना रहती है। ऐसा खाना खाने से उल्टी-दस्त जैसी समस्याएं हो सकती हैं।

आंखों में खिंचाव और कम होता शरीर का संतुलन-लचीलापन, मत्स्यासन से दूर होगी समस्या

नई दिल्ली। विश्व योग दिवस में अब मात्र 28 दिन शेष रह गए हैं। ऐसे में भारत सरकार का आयुष मंत्रालय रोजाना एक-एक योगासन के अभ्यास और उसके फायदों की जानकारी दे रहा है। इसी कड़ी में मंत्रालय ने मत्स्यासन के बारे में विस्तार से बताया है।

मंत्रालय के अनुसार, आंखों में खिंचाव, गले में बेचैनी, पीठ में अकड़न और शरीर का संतुलन व लचीलापन खत्म होना जैसे आम समस्याओं से छुटकारा पाने के लिए मत्स्यासन का नियमित अभ्यास बहुत उपयोगी है। आजकल की व्यस्त जीवनशैली, ज्यादा स्क्रीन टाइम और गलत मुद्रा में बैठने की आदत के कारण कई लोग इन छोटी-छोटी परेशानियों से जूझ रहे हैं। ये संकेत शरीर को लचीलापन और संतुलन बहाल करने की जरूरत बता रहे हैं। मत्स्यासन इन्हीं समस्याओं का प्राकृतिक समाधान है।

एक्सपर्ट्स का कहना है कि मत्स्यासन गले, छाती और कंधों को अच्छी तरह खोलता है। इससे गले की मांसपेशियों में बेचैनी कम होती है और थायरॉइड ग्लैंड भी स्वस्थ रहता है। आंखों के आसपास की मांसपेशियों पर पड़ने वाला खिंचाव दूर होता है। पीठ की अकड़न कम होकर कमर और रीढ़ की हड्डी मजबूत होती है। नियमित अभ्यास से शरीर का संतुलन बना रहता है और लचीलापन बढ़ता है। यह आसन श्वास संबंधी समस्याओं में भी राहत देता है और मन को शांत रखने में मदद करता है। मत्स्यासन के अभ्यास के लिए पीठ के बल सीधे लेट जाएं और हाथों को शरीर के साथ व हथेलियों को नीचे की ओर करके कूल्हों के पास रखें। इसके बाद कोहनियों को जमीन पर टिकाते हुए छाती को ऊपर की ओर उठाएं। सिर को पीछे की ओर झुकाएं ताकि सिर का ऊपरी हिस्सा जमीन को छू सके। फिर पैर सीधे या कमलासन की मुद्रा में रख सकते हैं। सामान्य सांस लेते हुए 15-30 सेकंड तक इस मुद्रा में रहें। मत्स्यासन जैसा आसान लेकिन प्रभावी आसन घर पर ही किया जा सकता है और यह आधुनिक जीवन की छोटी-बड़ी शारीरिक परेशानियों से राहत दिलाने में कारगर साबित होता है।

कब्ज और अपच से पाना है छुटकारा? रोजाना के रूटीन में शामिल करें शीर्षासन

नई दिल्ली। भारतीय योग परंपरा में शरीर और मन को साधने के लिए अनगिनत आसनों का वर्णन किया गया है, लेकिन इनमें शीर्षासन स्वास्थ्य के लिए बेहद लाभदायक माना जाता है। यह शरीर को संतुलित रखने के साथ-साथ एकाग्रता बढ़ाने में भी मदद करता है।

शीर्षासन संस्कृत के दो शब्दों 'शीर्ष' (सिर) और 'आसन' (मुद्रा) से मिलकर बना है। यह अभ्यास 'आसनों का राजा' कहलाता है। इसके नियमित अभ्यास से कंधे, भुजाओं और कोर की मांसपेशियां मजबूत होती हैं।

भारत सरकार के आयुष मंत्रालय के अनुसार, शीर्षासन एक उन्नत और प्रभावशाली योगासन है, जो शारीरिक शक्ति, मानसिक स्पष्टता और आत्मविश्वास को बढ़ाने में सहायक होता है। यह चेहरे पर प्राकृतिक चमक लाने, बालों का झड़ना कम करने और बालों के विकास में मददगार माना जाता है।

यह पेट से जुड़ी समस्याओं, जैसे कब्ज, गैस और अपच, से राहत दिलाने में भी सहायक हो सकता है। उल्टी स्थिति में किए जाने के कारण शरीर में रक्त संचार बेहतर होता है, जिससे पाचन क्रिया को लाभ मिल सकता है।

शीर्षासन करने से शरीर में, खासकर सिर की ओर, रक्त संचार बेहतर होता है। जब व्यक्ति उल्टा खड़ा होता है, तो मस्तिष्क की ओर रक्त प्रवाह बढ़ जाता है। हालांकि, ब्लड प्रेशर से संबंधित लाभ व्यक्ति की शारीरिक स्थिति पर निर्भर करते हैं, इसलिए उच्च रक्तचाप या अन्य गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं से पीड़ित लोगों को विशेषज्ञ की सलाह के बाद ही इसका अभ्यास करना चाहिए।

आईएयू 24 एच एशिया और ओशिनिया चैंपियनशिप में भारत का दबदबा, अमर सिंह ने जीता गोल्ड

नई दिल्ली । जापान में आईएयू 24 एच एशिया और ओशिनिया चैंपियनशिप में भारत ने शानदार प्रदर्शन करते हुए इतिहास रच दिया। इस चैंपियनशिप में भारत ने कुल पांच मेडल जीते। वहीं, पुरुषों के व्यक्तिगत इवेंट में क्लीन स्वीप किया।

भारतीय पुरुष टीम ने ऐतिहासिक प्रदर्शन करते हुए व्यक्तिगत पोडियम पर कब्जा किया और कुल 815.833 किलोमीटर की दूरी तय करके टीम गोल्ड मेडल हासिल किया। एथलेटिक्स फेडरेशन ऑफ इंडिया ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट 'एक्स' पर लिखा, 'भारतीय अल्ट्रा रनिंग के लिए इतिहास। फिर से एशिया-ओशिनिया के चैंपियन। 2022, 2024 और अब 2026।'

23 से 24 मई तक 24 घंटे की कड़ी रेसिंग में, टॉप अल्ट्रा रनर्स ने अपनी शारीरिक और मानसिक सीमाओं को पार किया। नतीजों में अमर सिंह देवंदा की अगुवाई में भारतीय पुरुष टीम ने धैर्य का शानदार परिचय दिया। अमर सिंह देवंदा ने 282.881 किलोमीटर की शानदार दूरी के लिए 226 लैप पूरे करके गोल्ड मेडल जीता, गीनो एंटनी ने 272.894 किलोमीटर (218 लैप) के साथ दूसरा स्थान हासिल किया।

मेजबान देश जापान ने मासाकी किमोटो की अगुवाई में टीम सिल्वर (754.726 किलोमीटर) अपने नाम किया। ऑस्ट्रेलिया ने फिल गोर के 253.392 किलोमीटर के शानदार प्रदर्शन की वजह से टीम ब्रॉन्ज (732.525 किलोमीटर) पर कब्जा जमाया। महिलाओं की कैटेगरी में, भारतीय महिला टीम ने अपने फेडरेशन के लिए एक बहुत सफल सप्ताहांत का अंत टीम ब्रॉन्ज (667.722 किलोमीटर) जीतकर किया, जिसमें तेनजिन डोल्मा (228.939 किलोमीटर) ने शानदार चौथा व्यक्तिगत स्थान हासिल किया।

जापान की मिहो नाकाटा ने घरेलू मैदान पर शानदार प्रदर्शन किया। उन्होंने व्यक्तिगत गोल्ड मेडल 20 किलोमीटर के बड़े अंतर से जीता, 208 लैप पूरे करके 261.170 किलोमीटर की दूरी तय की। उनके प्रदर्शन की वजह से जापानी महिला टीम ने कुल 707.357 किलोमीटर की दूरी तय करके गोल्ड मेडल जीता। ऑस्ट्रेलिया ने सिल्वर मेडल (684.450 किलोमीटर) को अपने नाम किया। कुल मिलाकर 81 एथलीट (39 महिलाएं / 42 पुरुष) ने 9 फेडरेशन का प्रतिनिधित्व किया।

5.45 मीटर के साथ देव कुमार मीणा और कुलदीप कुमार ने रचा इतिहास, मेंस पोल वॉल्ट में बनाया नेशनल रिकॉर्ड

रांची। मध्य प्रदेश के दो प्रतिभाशाली एथलीट्स ने 29वीं राष्ट्रीय सीनियर एथलेटिक्स फेडरेशन प्रतियोगिता में रविवार को पुरुषों की पोल वॉल्ट स्पर्धा में 5.45 मीटर की ऊंचाई पार करके एक नया राष्ट्रीय रिकॉर्ड बनाया। देव कुमार मीणा और कुलदीप कुमार ने रांची में आयोजित प्रतियोगिता में पुरुषों की पोल वॉल्ट के पिछले नेशनल रिकॉर्ड (5.41 मीटर) को बेहतर बनाया। स्वर्ण पदक देव कुमार मीणा के नाम रहा, जबकि कुलदीप कुमार को (काउंटडाउन के आधार पर) रजत पदक से संतोष करना पड़ा।

5.41 मीटर का पिछला रिकॉर्ड हाल ही में भुवनेश्वर में कुलदीप कुमार ने ही बनाया था। स्वर्ण और रजत पदक जीतने वाले इन दोनों एथलीट्स ने कॉमनवेल्थ गेम्स के लिए निर्धारित 5.25 मीटर का क्वालिफिकेशन मानक भी हासिल कर लिया है। इस प्रतियोगिता का पिछला रिकॉर्ड 5.35 मीटर था, जिसे पिछले साल देव कुमार मीणा ने ही बनाया था।

अगर शनिवार को सभी की निगाहें स्प्रिंटर्स (धावकों) पर टिकी थीं, तो रविवार को प्रतियोगिता का मुख्य आकर्षण 'फील्ड इवेंट्स' (मैदानी स्पर्धाएं) रहीं। लंबी कूद स्पर्धा में मुरली श्रीशंकर ने 8.08 मीटर की छलांग लगाकर स्वर्ण पदक जीता। उनका यह प्रदर्शन कॉमनवेल्थ गेम्स (सीडब्ल्यूजी) के लिए निर्धारित 8.05 मीटर के क्वालिफिकेशन मानक से भी बेहतर था। पुरुषों की ऊंची कूद स्पर्धा में महाराष्ट्र के सर्वेश अनिल कुशारे का दबदबा रहा। स्वर्ण पदक जीतने के लिए उन्होंने 2.28 मीटर की ऊंचाई पार की, जो कि कॉमनवेल्थ गेम्स के लिए निर्धारित 2.22 मीटर के मानक से कहीं बेहतर था।

कुशारे ने इस प्रतियोगिता का वह रिकॉर्ड भी बराबर कर लिया, जो इससे पहले तेजस्विन शंकर के नाम था।

सभी विभागों में संतुलन आरसीबी के जल्दी क्वालीफाई करने का एक मुख्य कारणः विनय कुमार

नई दिल्ली। भारत के पूर्व तेज गेंदबाज विनय कुमार के मुताबिक, अगर रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) अपनी मौजूदा फॉर्म जारी रखती है, तो इस सीजन में उसके आईपीएल जीतने की प्रबल संभावना है। उनका मानना है कि आरसीबी के प्लेऑफ के लिए जल्दी क्वालीफाई करने का एक मुख्य कारण सभी विभागों में उसका संतुलन है।

गत विजेता आरसीबी आईपीएल 2026 की प्वाइंट्स टेबल में शीर्ष पर रही। अब यह टीम मंगलवार को धर्मशाला के एचपीसीए स्टेडियम में 2022 की विजेता गुजरात टाइटंस से भिड़ेगी। इस मैच की विजेता टीम 31 मई को अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में फाइनल खेलेगी। वहीं, क्वालीफायर-1 गंवाने वाली टीम को एलिमिनेटर मैच में फिर से मौका मिलेगा, जहां उसका सामना क्वालीफायर-2 की विजेता टीम से होगा।

विनय कुमार ने 'जियोस्टार' से कहा, 'आरसीबी ने इस सीजन में जबरदस्त क्रिकेट खेला है। पिछले

वर्षों के विपरीत, जब वे बल्लेबाजी पर बहुत ज्यादा निर्भर रहते थे, अब वे एक टीम के तौर पर खेल रहे हैं। वे एक संपूर्ण टीम नजर आते हैं। मध्यक्रम में मौजूद टिम डेविड, जितेश शर्मा और रजत पाटीदार जैसे खिलाड़ियों ने टीम को स्थिरता और मजबूती दी है, जो टी20 क्रिकेट में बहुत जरूरी है। हालांकि, सबसे बड़ा बदलाव उनकी गेंदबाजी में आया है।

उन्होंने कहा, 'जोश हेजलवुड, भुवनेश्वर कुमार और शेष गेंदबाज बॉलिंग में अनुशासन लाए हैं, जो चिन्नास्वामी जैसे बल्लेबाजी के लिए अनुकूल मैदान पर बहुत अहम था। वे बुनियादी बातों पर टिके रहते हैं और स्टेप-टू-स्टेप गेंदबाजी करते हैं। क्रुणाल पांड्या के टीम में शामिल होने से भी टीम को संतुलन मिला है। सभी विभागों में यही संतुलन आरसीबी के जल्दी क्वालीफाई करने का एक मुख्य कारण है। अगर वे इसी तरह खेलते रहे और टॉप-2 में जगह बनाने में कामयाब रहे, तो इस साल उनके फाइनल में पहुंचने और यहां तक कि जीतने की भी प्रबल संभावना है। महिलाओं ने दो खिताब जीते हैं, इसलिए अगर पुरुष भी ऐसा कर पाते हैं और लगातार जीत हासिल करते हैं, तो इससे बेहतर कुछ नहीं हो सकता। आरसीबी की गेंदबाजी की कमान संभालने में भुवनेश्वर कुमार की भूमिका पर विनय ने कहा, 'आरसीबी के लिए भुवनेश्वर कुमार की भूमिका बहुत ज्यादा अहम है।

एक गेंदबाज के तौर पर भी और गेंदबाजी आक्रमण के लीडर के तौर पर भी। उन्होंने जोश हेजलवुड और रसिक सलाम के साथ मिलकर शानदार गेंदबाजी की है। एक अनुशासित, लगभग टेस्ट-मैच जैसी अप्रोच और लेंथ बनाए रखी है। इतने ज्यादा अनुभव के साथ, मुझे नहीं लगता कि भुवनेश्वर या गेंदबाजी आक्रमण पर प्लेऑफ में कोई दबाव होगा। वे प्लेऑफ को किसी भी दूसरे मैच की तरह ही लेंगे और अपनी बुनियादी बातों को सही तरीके से लागू करने पर ध्यान देंगे।

विनय ने वैभव सूर्यवंशी को एक 'निडर युवा प्रतिभा' बताते हुए गेंदबाजों को सलाह दी है कि वे राजस्थान रॉयल्स (आरआर) के इस युवा बल्लेबाज की आक्रामक दृष्टिकोण का सामना करने के लिए अपनी ताकत पर भरोसा करें।

आईपीएल 2026: पर्पल कैप की रेस में जोफ्रा आर्चर की एंट्री, सुदर्शन के पास ऑरेंज कैप

नई दिल्ली। आईपीएल 2026 में लीग स्टेज का अंत हो चुका है। 70 मुकाबलों के बाद अब प्लेऑफ के रोमांच की बारी है। रविवार को मुंबई इंडियंस (एमआई) के खिलाफ खेले गए मुकाबले में राजस्थान रॉयल्स (आरआर) के तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर का प्रदर्शन दमदार रहा। इस मुकाबले में 3 विकेट लेने के साथ ही आर्चर पर्पल कैप की रेस में टॉप 3 में शामिल हो गए हैं।

आर्चर ने मुंबई इंडियंस के खिलाफ खेले गए मुकाबले में 4 ओवर के स्पेल में 17 रन देकर 3 विकेट अपने नाम किए। आईपीएल 2026 में आर्चर 14 मुकाबलों में अब 21 विकेट निकाल चुके हैं और वह इस सीजन सर्वाधिक विकेट लेने वाले गेंदबाजों की लिस्ट में तीसरे नंबर पर आ गए हैं। आर्चर ने चेन्नई सुपर किंग्स के गेंदबाज अंशुल कंबोज को पीछे छोड़ दिया है।

हालांकि, रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के तेज गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार का पर्पल कैप पर कब्जा बरकरार है। भुवनेश्वर 14 मुकाबलों में 24 विकेट निकाल चुके हैं। गुजरात टाइटंस के गेंदबाज कगिसो रबाडा 24 विकेट लेकर दूसरे स्थान पर मौजूद हैं। वहीं, राशिद खान 14 मुकाबलों में 19 विकेट लेने के साथ ही पर्पल कैप की रेस में पांचवें नंबर पर मौजूद हैं। ऑरेंज कैप गुजरात टाइटंस के सलामी बल्लेबाज साई सुदर्शन के सिर की शोभा बढ़ा रही है। सुदर्शन 14 मुकाबलों में 157 के स्ट्राइक रेट से खेलते हुए 638 रन बना चुके हैं। सुदर्शन के जोड़ीदार और गुजरात टाइटंस के कप्तान शुभमन गिल 13 मुकाबलों में 616 रन बनाकर दूसरे स्थान पर काबिज हैं। सनराइजर्स हैदराबाद के विकेटकीपर-बल्लेबाज हेनरिक क्लासेन 606 रनों के साथ इस सीजन सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाजों की लिस्ट में तीसरे नंबर पर मौजूद हैं। दिल्ली कैपिटल्स के बल्लेबाज केएल राहुल 14 मुकाबलों में 593 रनों के साथ चौथे स्थान पर आ गए हैं। राहुल ने रविवार को कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ खेले गए।

सुआरेज की हैट्रिक, इंटर मियामी ने फिलाडेल्फिया को 6-4 से हराया

मियामी । इंटर मियामी सीएफ ने एमएलएस रेगुलर सीजन एक्शन में फिलाडेल्फिया यूनियन के खिलाफ 6-4 से रोमांचक दर्ज की। लुइस सुआरेज की हैट्रिक, जर्मन बर्टेराम के दो गोल और मिडफील्डर रोड्रिगो डी पॉल के एक गोल ने फीफा वर्ल्ड कप 2026 के ब्रेक से पहले मियामी की इस रेगुलर सीजन में चौथी जीत दिलाई।

मैच की शुरुआत फिलाडेल्फिया ने शानदार अंदाज में की और चौथे मिनट में ही पहला गोल किया। इसके बाद 10वें मिनट में फिलाडेल्फिया ने दूसरा गोल दागते हुए मैच में अपनी बढ़त को 2-0 कर दिया। इंटर मियामी ने 13वें मिनट में पहला गोल किया। बर्टेराम ने बॉक्स के अंदर मेसी के सटीक असिस्ट का फायदा उठाते हुए पास से गोल किया। इंटर मियामी की रिपोर्ट के अनुसार, यह गोल बर्टेराम का इस रेगुलर सीजन में छठा गोल था, जबकि मेसी का यह सातवां असिस्ट रहा।

मेहमान टीम ने 20वें मिनट में

एक और गोल दागा और स्कोरलाइन 1-3 कर दी। हालांकि, सुआरेज ने इंटर मियामी की वापसी कराई और मैच के 29वें मिनट में शानदार वॉली लगाकर गोल किया। मियामी ने 42वें मिनट में बराबरी का गोल किया, जब बर्टेराम ने इस रेगुलर सीजन में अपना सातवां और इंटर मियामी के लिए अपना पहला गोल किया। मेसी ने बॉक्स के ऊपर से बर्टेराम को शानदार पास दिया, जिसके बाद मैक्सिको के खिलाड़ी ने पहली बार दाहिने पैर से फिनिश करते हुए बॉल को नेट में डाल दिया।

इसके बाद मेजबान टीम ने 44वें मिनट में ब्रेक से ठीक पहले मैच में पहली बार बढ़त हासिल की। सुआरेज ने डी पॉल के शुरुआती प्रयास के बाद पास से गोल किया। हालांकि, फिलाडेल्फिया ने स्टॉपेज टाइम के आठवें मिनट में चौथा गोल करते हुए स्कोर को 4-4 से बराबर कर दिया। इंटर मियामी ने 81वें मिनट में फिर से बढ़त हासिल की। बर्टेराम का पहला शॉट बॉक्स के अंदर ही रोक दिया गया। इसके बाद उन्होंने गोल के सामने सुआरेज को पास दिया और सुआरेज ने बिना कोई गलती किए, गेंद को गोल पोस्ट में पहुंचा दिया और अपनी हैट्रिक पूरी की।

सुआरेज ने अब तक इस रेगुलर सीजन में 6 गोल किए हैं, जबकि बर्टेराम ने 4 असिस्ट दिए हैं। मेजबान टीम के लिए छठा गोल डी पॉल ने किया और टीम की जीत पर मुहर लगा दी। फीफा वर्ल्ड कप 2026 के लिए ब्रेक से ठीक पहले इंटर मियामी ने लगातार चौथी जीत हासिल करते हुए 6-4 की स्कोरलाइन मैच के अंत तक बनाए रखी।

फ्रेंच ओपन: नोवाक जोकोविच ने दूसरे राउंड में जगह बनाई, कड़े मुकाबले में पेरीकार्ड को हराया

पेरिस । नोवाक जोकोविच ने रोलैंड गैरोस (फ्रेंच ओपन) का आगाज जीत के साथ किया है। जोकोविच ने कड़े मुकाबले में शानदार वापसी करते हुए फ्रेंच के खिलाड़ी जियोवानी एमपेट्शी पेरीकार्ड को 5-7, 7-5, 6-1, 6-4 से हराकर पेरिस में दूसरे राउंड में अपनी जगह पक्की कर ली।

इस साल फ्रेंच ओपन में नोवाक जोकोविच ने लगातार 82वीं बार किसी ग्रैंड स्लैम के मेन ड्रॉ में जगह बनाई। इसके साथ ही उन्होंने रोजर फेडरर और फेलिसियानो लोपेज के साथ साझा किया गया रिकॉर्ड तोड़ दिया है। अब जोकोविच का ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट के पहले मुकाबलों में रिकॉर्ड 80 जीत और सिर्फ 2 हार का हो गया है। खास बात यह है कि उन्होंने 2006 के ऑस्ट्रेलियन ओपन के बाद से किसी भी ग्रैंड स्लैम का पहला मैच नहीं हारा है।

टेरे बैटू पर शुरुआती मुकाबलों में उनका रिकॉर्ड अब 22-0 है, जो ओपन एरा में बिना हारे किसी भी खिलाड़ी को रोलैंड-गैरोस के पहले राउंड में सबसे ज्यादा जीत है। पेरिस में फ्रेंच खिलाड़ियों के खिलाफ उनका अब तक का रिकॉर्ड 13-0 है। अपने करियर की पहली हेड-टू-हेड मीटिंग में बड़ी सर्व करने वाले फ्रेंच खिलाड़ी के खिलाफ एक सेट से पीछे होने के बाद जोकोविच काफी निराश नजर आ रहे थे।

'रुकावटें सिर्फ तोड़ने के लिए होती हैं', पंजाब पुलिस के डीजीपी ने दी गुरिंदरवीर सिंह को बधाई

नई दिल्ली । 100 मीटर फ्रीस्टाइल रेस को सिर्फ 10.09 सेकंड में पूरा करके इतिहास रचने वाले धावक गुरिंदरवीर सिंह को पंजाब पुलिस के महानिदेशक (डीजीपी) गौरव यादव ने बधाई दी है। उन्होंने कहा कि रिटायर्ड पुलिस अधिकारी के बेटे ने दिखाया है कि रुकावटें सिर्फ तोड़ने के लिए होती हैं।

उन्होंने पंजाब पुलिस के डीजीपी के सोशल मीडिया अकाउंट 'एक्स' पर गुरिंदरवीर की तारीफ करते हुए लिखा, 'रिटायर्ड एएसआई कमलजीत सिंह के बेटे गुरिंदरवीर सिंह को भारतीय एथलेटिक्स में इतिहास रचने पर हार्दिक बधाई। पुरुषों की 100 मीटर रेस को 10.09 सेकंड में पूरा करके गुरिंदरवीर 10.1 सेकंड का बैरियर तोड़ने वाले पहले भारतीय बन गए हैं। यह एक बड़ी कामयाबी है, जो

पक्के इरादे, अनुशासन और तय सीमाओं से परे विश्वास को दर्शाती है।

उन्होंने आगे लिखा, 'उनकी यह शानदार कामयाबी न सिर्फ उनके परिवार के लिए, बल्कि पूरी पंजाब पुलिस बिरादरी के लिए भी बेहद गर्व की बात है। यह खास तौर पर खुशी की बात है कि पंजाब पुलिस के एक रिटायर्ड अधिकारी के बेटे ने देश को दिखाया है कि रुकावटें सिर्फ तोड़ने के लिए होती हैं। गुरिंदरवीर को लगातार सफलता की शुभकामनाएं। वह नई ऊंचाइयों को छू रहे हैं और देश भर के युवा एथलीटों की पीढ़ियों को प्रेरित कर रहे हैं।'

गुरिंदरवीर ने यह ऐतिहासिक उपलब्धि रांची में आयोजित फेडरेशन कप 2026 में हासिल की। उन्होंने 10.09 सेकंड में 100 मीटर की रेस पूरी करके नया नेशनल रिकॉर्ड भी कायम किया। इसके साथ ही वह 100 मीटर की रेस सबसे तेज पूरी करने वाले भारतीय धावक भी बन गए हैं। अपनी शानदार दौड़ के दम पर गुरिंदरवीर ने एशियन गेम्स और कॉमनवेल्थ गेम्स के लिए क्वालीफाई भी कर लिया।

रविवार को पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने भी गुरिंदरवीर को उनकी इस खास उपलब्धि के लिए बधाई दी थी।

हालांकि, गुरिंदरवीर को इस ऐतिहासिक उपलब्धि तक पहुंचने के लिए अनिमेष कुजूर से कड़ी टक्कर मिली। सेमीफाइनल की पहली हीट में गुरिंदरवीर ने 10.17 सेकंड में रेस पूरी करके रिकॉर्ड बनाया था।

जून 2029 तक ऑस्ट्रेलियाई महिला क्रिकेट टीम की कोच बनी रहेंगी शेली नित्स्के

मेलबर्न । क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) ने विमेंस टी20 विश्व कप 2026 से पहले ऑस्ट्रेलिया की हेड कोच शेली नित्स्के के कॉन्ट्रैक्ट को तीन साल के लिए बढ़ा दिया है। शेली अब जून 2029 तक टीम की हेड कोच बनी रहेंगी।

ऑस्ट्रेलिया की पूर्व ऑलराउंडर ने 2022 में मैथ्यू मॉट के जाने के बाद से हेड कोच का पद संभाला था। शेली का शुरुआती कॉन्ट्रैक्ट चार साल का था। अपनी कार्यकाल में शेली नित्स्के ने टीम को कॉमनवेल्थ गेम्स में गोल्ड मेडल दिलाया, जबकि साउथ अफ्रीका में एक और विमेंस टी20 वर्ल्ड कप टाइटल जिताने में मदद की।

नित्स्के अगले तीन वर्षों में चार बड़े अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट की जिम्मेदारी संभालेंगी। इसमें 2026 और 2028 के टी20 वर्ल्ड कप,

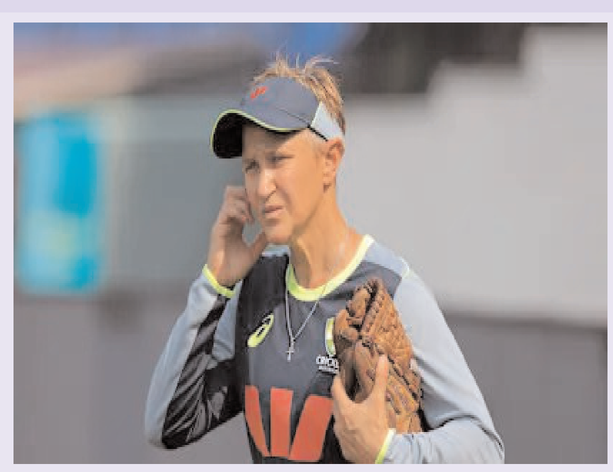

2027 की पहली महिला चैंपियंस ट्रॉफी, और 2028 में लॉस एंजिल्स ओलंपिक शामिल हैं। अगले तीन वर्षों में ऑस्ट्रेलियाई टीम 2027 के बीच में एशेज के लिए इंग्लैंड जाएगी, और 2029 की शुरुआत में अपने सबसे कड़े विरोधियों की मेजबानी करेगा, जबकि वे 2027 में साउथ अफ्रीका और भारत के दौरे पर भी जाएगी।

'क्रिकेट.कॉम.एयू' द्वारा कोट किए गए एक बयान में नित्स्के ने कहा, 'इस टीम को कोचिंग देना और खिलाड़ियों और स्टाफ के इतने शानदार ग्रुप के साथ काम करना मेरे लिए खुशी की बात है। हमने साथ मिलकर बहुत कुछ हासिल किया है, लेकिन यह ग्रुप आने वाले सालों में क्या हासिल कर सकता है, इसे लेकर भी बहुत मोटिवेशन है। आगे कुछ बड़े इवेंट्स और रोमांचक चैलेंज आने वाले हैं और मैं टीम को अगले फेज में गाइड करने में मदद करने के लिए उत्सुक हूं।'

नित्स्के की देखरेख में, ऑस्ट्रेलिया ने पिछले साल जनवरी में मल्टी-फॉर्मेट एशेज सीरीज में इंग्लैंड को 7-0 से हराया था और टीम दोनों व्हाइट-बॉल फॉर्मेट में नंबर एक की रैंकिंग को कायम रखने में सफल रही थी।सीए के सीईओ टॉड ग्रीनबर्ग ने कहा, 'मुझे खुशी है कि शेली अगले तीन वर्षों तक ऑस्ट्रेलियाई टीम की कमान संभालेंगी।'

स्वात्वधिकारी राइवल्स मीडिया प्राइवेट लिमिटेड के लिए, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक सुजीत कुमार द्वारा साई प्रिंटिंग प्रेस, डी-85, सेक्टर 6 नोएडा,गौतम बुद्ध नगर पिन कोड -201301 उ.प्र. से मुद्रित और मकान संख्या एन-58 जगतराम पार्क के सामने, लक्ष्मी नगर पूर्व दिल्ली-110053 से प्रकाशित

समाचार संपादक : चन्द्रमणी साव (पीआरबी एक्ट के अनुसार समाचार पत्र चयन एवं संपादन के लिए उत्तरदायी। नोट किसी भी विवाद के निपटारे के लिए न्यायक्षेत्र दिल्ली होगा) मोबाइल 9340573892 ई-मेल: vishwakesari2026@gmail.com,आर.एन.आई.नं. DLHIN/2015/61415